{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 21 मार्च 2026
चैत्र शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 175
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,532.96
निफ्टी	-	23,114.50
सोना	-	1,50,930
चांदी	-	2,55,000
डॉलर	-	93.70

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

शिल्पा शेट्टी को 12.5 करोड़ रुपए के गिफ्ट मामले में बड़ी राहत

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी को 12.5 करोड़ रुपए के गिफ्ट मामले में बड़ी राहत मिली है। यह मामला उनके पति राज कुंद्रा द्वारा दिए गए गिफ्ट से जुड़ा था। साल 2019-20 में इनकम टैक्स अधिकारियों ने यह राशि शिल्पा की इनकम में जोड़ दी थी, क्योंकि उन्हें यह अनक्लियर क्रेडिट लगा। जांच में पाया गया कि गिफ्ट डीड और पैन डिटेल्स से केवल लेन-देन की पुष्टि नहीं होती, और गिफ्ट देने वाले की क्रेडिटवर्थनेस भी साबित नहीं हो सकी। इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) की मुंबई बेंच ने कहा कि गिफ्ट डीड में भुगतान का तरीका, बैंक डिटेल्स या रकम ट्रांसफर करने का विवरण नहीं दिया गया था। शिल्पा ने गिफ्ट डीड, पैन डिटेल्स और पति की इनकम टैक्स रिटर्न की रसीद पेश की, लेकिन उनके पति की आय 27.7 लाख रुपए दिखी, जो दिए गए 12.5 करोड़ रुपए से मेल नहीं खाती। शिल्पा ने यह भी दावा किया कि उनके पति की विदेशी संस्था से फंड मिला था, लेकिन टैक्स रिटर्न में सही विवरण नहीं था।

300 अवैध बेटिंग वेबसाइट्स-एप ब्लॉक

नई दिल्ली। सरकार ने अवैध ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 वेबसाइट्स और एप्स को ब्लॉक किया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक अब तक कुल 8400 ऐसे प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगाया जा चुका है, जिनमें से करीब 4900 वेबसाइट्स ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद ब्लॉक की गई हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक जिन प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई की गई है, वे मुख्य रूप से अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े थे। इनमें ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन कसीनो (स्लॉट्स, रूलेट और लाइव डीलर गेम्स), पी-टू-पी बेटिंग एक्सचेंज, सट्टा/मटका नेटवर्क और रियल मनी कार्ड ऐप्स शामिल हैं।

केंद्रीय राज्यमंत्री को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी उनके निजी सहायक विश्वेंद्र शाह को फोन और व्हाट्सएप के माध्यम से दी गई। धमकी देने वाले की पहचान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद निवासी इस्माइल के रूप में हुई है। आरोप है कि इस्माइल के पास मंत्री के आधिकारिक दौरे की योजना की एक प्रति मौजूद थी। दिल्ली पुलिस ने इस गंभीर मामले में तत्काल शिकायत दर्ज कर ली है। पश्चिम बंगाल पुलिस भी इस पूरे प्रकरण की गहन जांच कर रही है। शिकायत दिल्ली के तुगलक सड़क थाने में दर्ज कराई गई है। नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने इस घटना की पुष्टि की है।

कायर, हमारे बिना कागजी शेर...

ईरान युद्ध में शामिल न होने पर NATO देशों पर फूटा ट्रंप का गुस्सा

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को नाटो देशों के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। ईरान युद्ध में नाटो देशों के शामिल न होने को लेकर ट्रंप ने नाटो के सहयोगी देशों को जमकर खरी-खोटी सुनाई और उन्हें 'कायर' तक कह दिया।

ट्रुथ सोशल पर एक तीखी पोस्ट में ट्रंप ने इस गठबंधन को बिना अमेरिकी समर्थन के 'कागजी शेर' बताया। उन्होंने NATO देशों की इस बात के लिए आलोचना की कि वे तेल की ऊंची कीमतों की शिकायत तो करते हैं, लेकिन होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित करने में मदद नहीं करना चाहते।

अमेरिका के बिना नाटो एक कागजी शेर- ट्रंप

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के बिना, नाटो एक कागजी शेर है। वे परमाणु शक्ति संपन्न ईरान को रोकने की लड़ाई में शामिल नहीं होना चाहते हैं। अब जब वह लड़ाई सैन्य रूप से जीत ली गई है और खतरा बहुत कम हो गया है, तो तेल की ऊंची कीमतों की शिकायत करते हैं, जो उन्हें चुकानी पड़ रही है, लेकिन होर्मुज स्ट्रेट को खोलने में मदद नहीं करना चाहते।

जो एक साधारण सैन्य कदम है और तेल की ऊंची कीमतों का एकमात्र कारण भी। उनके लिए ऐसा करना कितना आसान है और इसमें जोखिम भी कितना कम है। कायरों, हम इसे याद रखेंगे।

होर्मुज स्ट्रेट एक महत्वपूर्ण जलमार्ग

होर्मुज स्ट्रेट एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग पांचवां हिस्सा कच्चा तेल गुजरता है। यह गतिरोध तब पैदा हुआ जब होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर ईरानी हमलों और खाड़ी क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन हमलों की लहरों के बाद वैश्विक तेल की कीमतें 40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक बढ़ गईं। ये हमले 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा शुरू किए गए युद्ध के जवाबी कार्रवाई के तौर पर किए गए थे।

नाटो देशों ने लड़ाई में शामिल होने से किया इनकार

ट्रंप की ये टिप्पणियां तब आई जब कई देशों ने होर्मुज स्ट्रेट से व्यापारी जहाजों को सुरक्षा देने के लिए युद्धपोत तैनात करने के उनके आह्वान पर प्रतिक्रिया नहीं दी या इनकार कर दिया।

सैन्य अभियान के लिए सहयोगियों के समर्थन की जरूरत नहीं- ट्रंप

इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका को ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रखने के लिए अपने सहयोगियों के समर्थन की आवश्यकता नहीं है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि नाटो के कई देशों ने इस अभियान में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया।

इराक के संदर्भ में अपनी स्थिति में बदलाव कर रहे- नाटो

नाटो की प्रवक्ता एलिसन हार्ट ने कहा, हम नाटो मिशन इराक के संदर्भ में अपनी स्थिति में बदलाव कर रहे हैं। हम सहयोगियों और भागीदारों के साथ समन्वय में काम कर रहे हैं। हमारे कर्मियों की सुरक्षा और सुरक्षा सर्वोपरि है। नाटो की प्रवक्ता ने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी है। नाटो और इराक के बीच राजनीतिक संवाद और व्यावहारिक सहयोग जारी रहेगा।

चीन और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर वॉशिंगटन का जोर

आइएएनएस के अनुसार, अमेरिका यूरोप पर दबाव डाल रहा है कि वह अपनी रक्षा की जिम्मेदारी खुद संभाले। अमेरिका की रणनीति में यह बदलाव भारत के लिए सीधे तौर पर मायने रखता है क्योंकि वॉशिंगटन चीन और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है।

हालांकि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति की सुनवाई में अमेरिकी सांसदों और रक्षा अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नाटो अमेरिकी रणनीति का केंद्र बना हुआ है। अध्यक्ष माइक रोजर्स ने यूरोप में अमेरिकी सेनाओं की समय से पहले कटौती के खिलाफ चेताते हुए कहा, समय से पहले सेनाओं की वापसी से रूस की आक्रामकता को बढ़ावा मिलेगा।

11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, समूह में छह महिलाएं भी, 68 लाख का था इनाम

-गृह मंत्री शाह ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने का रखा है लक्ष्य

गढ़चिरोली। महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले में गुरुवार को 5 वरिष्ठ सदस्यों समेत 11 माओवादी उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि यह घटनाक्रम क्षेत्र में वामपंथी उग्रवाद की गतिविधियों में आई भारी गिरावट को दर्शाता है। इस समूह में छह महिलाएं शामिल थीं और इन पर कुल 68 लाख रुपए का इनाम था। गढ़चिरोली पुलिस के मुताबिक उन्होंने पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों के सामने अपने हथियार डाले। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ से सटी सीमा वाले गढ़चिरोली जिले में कभी नक्सली गतिविधियां काफी प्रचलित थीं। हालांकि, पुलिस का दावा है कि ऐसी गतिविधियां भामरागड उपमंडल के सीमावर्ती क्षेत्रों तक ही सीमित हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में डिविजनल कमेटी सदस्य सोनी उर्फ बाली वट्टे मट्टामी (45) और एरिया कमेटी सचिव बुदारी उर्फ रामबती मट्टामी (40) सुखलाल कोकसा (31), शांति उर्फ सोमारी तेलामी (28), यमुनाक्का उर्फ रुखमक्का पेंदाम (60), गणेश कोवासी (21), मिनाको उर्फ जमानी मट्टामी (22), धनु वेलंजे (38), सुनीता उर्फ वांगे होयम (25), रमेश मडावी (28) और किशोर शामिल हैं। पुलिस ने पिछले साल अक्टूबर में एक अहम घटनाक्रम का भी जिक्र किया, जब वरिष्ठ माओवादी नेता मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने 61 अन्य वरिष्ठ कैडरों के साथ गढ़चिरौली में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस के सामने आत्मसमर्पण किया था। विशेष पुलिस महानिरीक्षक ने शेष माओवादी सदस्यों से हिंसा छोड़ने और मुख्यधारा के समाज में लौटने का आग्रह किया। बता दें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से समाप्त करने का लक्ष्य रखा है। सरकार छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र और ओडिशा जैसे प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा अभियान और विकास प्रयासों को तेज करने की योजना बना रही है। पिछले कुछ सालों में नक्सलियों से जुड़ी घटनाओं में काफी कमी आई है।

मिडिल ईस्ट में चल रही जंग के कारण एलपीजी की किल्लत बढ़ने लगी... एलपीजी की पैनिक बुकिंग घटी, लेकिन हालात चिंताजनक, हर दिन 55 लाख सिलेंडर की मांग, सरकार की अपील... वैकल्पिक व्यवस्था तलाशे जनता

कच्चे तेल की मार...तेल कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के बढ़ाए

दाम, इंडस्ट्रियल यूल की कीमत 25 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। इजरायल-ईरान युद्ध को 20 दिन पूरे हो गए हैं, इस दौरान होर्मुज स्ट्रेट से क्रूड और गैस के 9 जहाज ही गुजरे हैं। ऐसे में दुनिया के साथ भारत में भी एलपीजी गैस की कमी बनी हुई है, ऐसे में पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि एलपीजी की स्थिति अभी भी गंभीर है, सरकार आपूर्ति करने की कोशिश कर रही है। सरकार का कहना है कि घरेलू उपभोक्ताओं तक 100% एलपीजी पहुंचाई जा रही है। हालांकि हालात अभी भी चिंताजनक बने हुए हैं। पैनिक बुकिंग में कमी आई है, लेकिन लोगों से अपील की गई है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत के हिसाब से ही गैस बुक करें। सरकार ने साफ कहा है कि एलपीजी की स्थिति अभी भी गंभीर है। सप्लाई बनाए रखने की कोशिश जारी है, लेकिन आम लोगों से अनुरोध है कि वे वैकल्पिक ईंधन के विकल्पों पर भी विचार करें और घबराहट में खरीदारी से बचें। वहीं कच्चे तेल की मार के कारण तेल कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 2.35 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की है, वहीं इंडस्ट्रियल यूल की कीमत भी 25 प्रतिशत बढ़ी है।

एलपीजी संकट को लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है। देशभर में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन हालात अभी भी चिंता वाले बने हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने बताया कि 19 मार्च को करीब 55 लाख सिलेंडर की बुकिंग हुई। वहीं, करीब 7500 उपभोक्ता एलपीजी से पीएनजी में शिफ्ट हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से ये बातें केंद्रीय मंत्रालयों की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही गईं।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान से 913 भारतीय आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते वापस लौट रहे हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देशभर में 4500 छापे मारे गए। इनमें से 1100 छापे उत्तर प्रदेश में हुए। वहीं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1800 सरप्राइज इंस्पेक्शन भी किए। सुजाता शर्मा ने कहा कि पिछले एक हफ्ते में करीब 11,300 टन कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को दी गई है और 18 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में इसका आवंटन किया गया है। सरकार ने निगरानी बढ़ाने के लिए 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम और जिला स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई हैं।

देश में प्रीमियम पेट्रोल 2.35 रुपए महंगा

तेल विपणन कंपनियों ने भारत में प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है, जिससे विशेष ईंधन का उपयोग करने वाले ग्राहकों पर असर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 20 मार्च 2026 से प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में दो रुपये से लेकर 2.35 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया गया है। पुणे में नई कीमतों के अनुसार, स्पीड और पावर जैसे प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 2.09 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है।

वनतारा में किसी भी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं हुआ- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वनतारा के खिलाफ दायर एक फाउंडेशन की याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वनतारा में किसी भी तरह के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं हुआ है। वनतारा के खिलाफ ये याचिका करणार्थम विरम नाम की एक फाउंडेशन ने दायर की थी। याचिका में केंद्र सरकार, केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण और अन्य को निर्देश देने की मांग की गई थी। इसमें वनतारा पर जानवरों से संबंधित कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया था।

कोर्ट ने पिछले साल इस तरह की एक याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने जस्टिस जे चेलमेश्वर की अध्यक्षता वाली एसआईटी की वनतारा को दी गई क्लीन चिट को स्वीकार कर लिया था। फाउंडेशन की याचिका पर जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एन वी अंजारिया की पीठ ने एसआईटी की रिपोर्ट को सही ठहराया। यह मुद्दा नया नहीं है। इससे जुड़ी एक याचिका पहले भी दायर हो चुकी थी, जिस पर कोर्ट पहले ही विचार कर चुका है। 15 सितंबर 2025 को कोर्ट ने एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था। याचिकाकर्ता ने जिस अंतरराष्ट्रीय दस्तावेज का हवाला दिया, वह उसके पक्ष में नहीं था।

जानकारी के मुताबिक जानवरों का आयात जरूरी परमिट और दस्तावेजों के साथ किया गया था, और यह व्यापार के लिए नहीं था। अगर जानवरों का आयात पहले सही तरीके से हुआ है, तो बाद में आपत्ति उठाने से वह अवैध नहीं बन जाता। केंद्र सरकार और संबंधित संस्थाएं वनतारा और उसके हाथी ट्रस्ट को 2019 से अब तक दी गई सभी अनुमति, मान्यता और लाइसेंस का पूरा रिकॉर्ड कोर्ट में पेश करें। खास तौर पर जानवरों के आयात और निर्यात से जुड़े सभी लाइसेंस और परमिट की जानकारी दी जाए। एक नई स्वतंत्र राष्ट्रीय समिति बनाई जाए, जो वन्यजीव व्यापार की निगरानी करे। इस समिति का नेतृत्व सुप्रीम कोर्ट के एक रिटायर्ड जज करें।

चार सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व पूर्व जज जस्टिस जे चेलमेश्वर ने किया था और टीम में जस्टिस राघवेंद्र चौहान, पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर हेमंत नागराले और कस्टम्स अधिकारी अनिश गुप्ता शामिल थे। एसआईटी ने 12 सितंबर को रिपोर्ट सौंप दी थी। कोर्ट ने एसआईटी की सराहना की और कहा कि समिति को मानदेय भी दिया जाए।

धामी कैबिनेट का हुआ विस्तार

पांच नए मंत्रियों ने ली शपथ

देहरादून। धामी मंत्रिमंडल में पांच नए मंत्रियों की ताजपोशी की गई। राजपुर विधायक खजान दास, भरत सिंह चौधरी, मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा और राम सिंह केड़ा ने आज धामी मंत्रिमंडल में मंत्रिपद की शपथ ली। प्रदेश में लंबे समय से कैबिनेट विस्तार की चर्चाएं थी, जिन पर विराम लग गया।

लोकभवन में शुक्रवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने सबसे पहले राजपुर विधायक खजान दास को शपथ दिलाई। इसके बाद भरत सिंह चौधरी ने संस्कृत में शपथ ली। फिर विधायक मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा और राम सिंह केड़ा ने भी मंत्रिपद की शपथ ली। वर्तमान में कैबिनेट में पांच मंत्रियों के पद खाली हैं, जिनमें नए मंत्रियों की ताजपोशी की गई। ताजपोशी के लिए नए चेहरों का चयन विधायकों के पिछले चार साल के कामकाज का रिकॉर्ड देखकर किया गया है। नई कैबिनेट में क्षेत्रीय व जातीय समीकरण के बीच संतुलन बनाया गया। राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ कैबिनेट विस्तार पर कई दौर की वार्ता हो चुकी थी। सरकार व संगठन के बीच कैबिनेट विस्तार के लिए होमवर्क पूरा होने के बाद इसके लिए नवरात्र का शुभ मुहूर्त चुना गया। धामी मंत्रिमंडल में मैदान से लेकर पहाड़ तक संतुलन बनाया है। पहली बार हरिद्वार को दो कैबिनेट मंत्री मिले। अब कैबिनेट में गढ़वाल के आठ और कुमाऊं के चार मंत्री हैं। तीन विधायक पहली बार कैबिनेट मंत्री बने। दो पुराने मंत्रियों को भी मौका दिया गया।

प्रियदर्शिनी मट्टू हत्याकांड : दिल्ली हाईकोर्ट ने दोषी को आत्मसमर्पण का आदेश दिया

नई दिल्ली। बहुचर्चित प्रियदर्शिनी मट्टू हत्याकांड में दिल्ली हाई कोर्ट ने दोषी संतोष कुमार सिंह को आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया है। यह निर्देश अदालत ने उसकी रिहाई याचिका की सुनवाई के दौरान दिया। सुनवाई के दौरान पीड़िता के परिवार ने दोषी की रिहाई का कड़ा विरोध किया। विशेष रूप से प्रियदर्शिनी के भाई ने अदालत में अपनी आपत्ति जताई और कहा कि इस गंभीर अपराध में दोषी को कोई राहत नहीं मिलनी चाहिए। यह मामला 1996 का है, जब दिल्ली में कानून की छात्रा प्रियदर्शिनी मट्टू के साथ दुष्कर्म के बाद उनकी हत्या कर दी गई थी। यह जघन्य अपराध पूरे देश को झकझोर देने वाला था और लंबे समय तक न्यायिक प्रक्रिया चर्चा में रहा। शुरुआती ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों की कमी के कारण संतोष कुमार सिंह को बरी कर दिया था।

कुछ ना कहना

डीजीसीए ने जारी की एडवाइजरी

एयरलाइंस को खाड़ी देशों के हवाई क्षेत्र से बचने की सलाह

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने देश की सभी एयरलाइंस को खाड़ी देशों के हवाई क्षेत्रों से बचने और सुरक्षा जोखिम आकलन के बाद आकस्मिक योजनाएं तैयार रखने के निर्देश दिए हैं। यह कदम यात्रियों और उड़ानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। इससे पहले, डीजीसीए ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के मद्देनजर एयर इंडिया को फ्लाइट ड्यूटी मानकों में अस्थायी छूट देने का फैसला किया था। ईरान और इराक के हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के कारण एयर इंडिया को लंबे वैकल्पिक उड़ान मार्गों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है, जिससे उड़ान का समय बढ़ गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए डीजीसीए ने हालात सामान्य होने तक एयर इंडिया को यह अस्थायी राहत दी है।

पश्चिम एशिया में लगातार गहरा रहा युद्ध का संकट

पश्चिम एशिया में मौजूदा संघर्ष 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच टकराव बढ़ गया।

जोमैटो से खाना मंगवाना महंगा हुआ

प्लेटफॉर्म फीस 19 प्रतिशत बढ़ाई, अब 12.50 के बजाय 14.90 देने होंगे

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से खाना ऑर्डर करना अब महंगा हो गया है। कंपनी ने शुक्रवार सेऑर्डर पर प्लेटफॉर्म फीस में 19 प्रतिशत बढ़ोतरी की है। यूजर्स को अब ऑर्डर पर 12.50 के बजाय 14.90 यानी 2.40 ज्यादा प्लेटफॉर्म फीस देनी होगी। जीएसटी जोड़ने के बाद यह राशि और बढ़ जाएगी।

प्लेटफॉर्म फीस हर एक फूड ऑर्डर पर लागू होने वाला ऐडिशनल चार्ज है। ये जीएसटी, रेस्तरां चार्ज और डिलीवरी फीस से अलग है। बता दें कि जोमैटो प्लेटफॉर्म रोजाना 20 से 25 लाख ऑर्डर डिलीवर करता है।

स्विगी के करीब पहुंचे प्लेटफॉर्म फीस के दाम

जोमैटो की मुख्य प्रतिद्वंदी कंपनी स्विगी अभी टैक्स समेत लगभग 14.99 प्लेटफॉर्म फीस वसूल रही है। आमतौर पर देखा गया है कि जब भी इन दोनों में से कोई एक कंपनी फीस बढ़ाती है, तो दूसरी कंपनी भी जल्द ही अपने दाम बढ़ा देती है।

जोमैटो ने 2 रुपए से की थी प्लेटफॉर्म फीस की शुरुआत

कंपनी ने 7 महीने में दूसरी बार प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाई है। इससे पहले सितंबर-2025 में 20 प्रतिशत का इजाफा किया गया था। अगस्त 2023 में जोमैटो ने अपना मार्जिन बढ़ाने और प्रॉफिटेबल बनने के लिए पहली बार 2 रुपए का प्लेटफॉर्म शुल्क शुरू किया था। कंपनी ने बाद में इसे बढ़ाकर 3 रुपए कर दिया और 1 जनवरी 2024 को 4 रुपए कर दिया। फिर इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर 7 रुपए कर दिया था। दामों में इस बढ़ोतरी के पीछे कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को एक बड़ी वजह माना जा रहा है। तेल महंगा होने से डिलीवरी पार्टनर्स का खर्च बढ़ता है और कंपनी के लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन्स पर भी असर पड़ता है।

चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा

जनता को यूडीएफ पर पूरा भरोसा, जनता बदलाव के लिए तैयार

नई दिल्ली। केरल में चुनाव का ऐलान हो गया है। चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि केरल के लोग अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य में यूडीएफ की सरकार बनाने की वकालत की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि हर उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, उनकी उम्मीदों और उनके भरोसे को दर्शाता है। इस टीम में अनुभवी नेताओं के साथ-साथ बदलाव लाने वाले युवा चेहरे भी शामिल हैं। यह पुरुषों और महिलाओं का एक ऐसा मजबूत समूह है, जो अपने चुनाव क्षेत्र की बारीकियों और समस्याओं को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने केरल से अपने खास लगाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए केरल एक घर की तरह है और वहां के लोग मेरा परिवार हैं। केरल के लोगों ने मुझे जो कुछ भी सिखाया है और मुझे जितना प्यार और अपनापन दिया है, उसके लिए मैं उनका कर्जदार हूं।

ईद उल फितर आज

चाँद के दीदार के साथ ईद का किया गया एलान, ईदगाह में अदा की जाएगी ईद की विशेष नमाज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सेवईयों में लिपटी मोहब्बत की मिठास का नाम है ईदउल फितर ,एक माह तक रोजा रख एक अल्लाह की इबादत करने वाले रोजेदारों को अल्लाह का इनाम है ईदउल फितर। ईदउल फितर का यह त्यौहार ना सिर्फ इस्लाम धर्म के सच्चे मायने को बताता है बल्कि यह त्यौहार देश की एकता, अखंडता व आपसी भाईचारे का भी एक बड़ा प्रतीक माना गया है। ईदउल फितर का यहां त्यौहार शनिवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा धार्मिक मान्यता के अनुरूप मनाया जाएगा।जिसका ऐलान शुक्रवार शाम को चांद की तजदिक के साथ कर दिया गया है।जहा अब सभी को इंतेजार शनिवार की सुबह का है।

चांद के दीदार के साथ छाया ईद का खुमार

शुक्रवार शाम को ईद का चांद नजर आते ही मुस्लिम धर्मावलंबियों में खुशी का माहौल है वहीं ईद मनाने को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।शुक्रवार शाम को रोजा इफ्तार के बाद बच्चों में चांद का दीदार करने की काफी उत्सुकता देखी गई। जहां चांद के दीदार के बाद जिले की विभिन्न मस्जिदों से शनिवार को ईद उल फितर का त्यौहार मनाने का ऐलान कर दिया गया।जिसके बाद से ही ईद की बधाई देने का दौर शुरू हो गया।जहां लोग देर रात तक एक दूसरे को ईद की बधाई देते नजर आए।

ईदगाह में अदा की जाएगी ईद की नमाज

हर बार की तरह इस बार भी ईद की नमाज जिले भर में ईदगाहो मस्जिदों व मदरसों में सामूहिक रूप से अदा की जाएगी, जबकि नगर में ईद की विशेष नमाज पिछली बार की तरह इस बार भी मुस्लिम समाज के लोग ईदगाह में अदा करेंगे।वही जामेआ नूरिया मदरसा में भी ईद की नमाज होगी।जिसका ऐलान जिले की तमाम मस्जिदों से कर दिया गया है।

रात भर दिखी चहल-पहल

ईद का चांद नजर आते ही मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में काफी चहल-पहल देखी गई। जहां लोग एक दूसरे को ईद की बधाई देते नजर आए। वहीं विभिन्न लोगों को ईद की तैयारियों को लेकर बचे हुए काम करते हुए देखा गया। वही सुबह ईद की खुशी में शामिल होने के लिए मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में रात भर चहल-पहल देखी गई।

सोशल मीडिया पर छाया रहा बधाईयो का सिलसिला

शुक्रवार शाम को ईद का चांद नजर आने पर ज्यादातर मुस्लिम युवाओं ने एक दूसरे को मस्जिदों व घरों में आकर बधाई दी। वही बधाई देने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग किया गया। जहां फोन कॉल, टैक्सट मैसेज, फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, ईमेल, जीमेल सहित सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफॉर्म पर लोगों ने एक दूसरे को ईद की बधाइयां दी। वही मोबाईल में ईद के स्टेटर्स भी लगाए।वही ईद मुबारक को लेकर तरह-तरह के फोटोग्राफ्स वीडियो और वॉइस मैसेज एक दूसरे को भेज कर ईद की बधाईयां दी गई।

ईदगाह और मस्जिदो में अदा होगी ईद की नमाज

ईद का चांद नजर आते ही मुस्लिम बहुल इलाकों में हर्षोल्लास का माहौल है ।जहां इसी माहौल के बीच शनिवार की सुबह जिले की विभिन्न मस्जिदों व ईदगाहों में ईद उल फितर की नमाज सामूहिक रूप से अदा कर, देश में अमन चैन शांति की सामूहिक रूप से दुआएं मांगी जाएगी। नगर में ईद की सामूहिक नमाज सुबह 8-30 बजे पुलिस लाइन स्थित ईदगाह में होगी। तो वही मस्जिद ए आला हजरत जामिआ नूरिया मदरसा में ईद की नमाज सुबह 9 बजे अदा की जाएगी। इसके अलावा मदीना मस्जिद में ईद की नमाज 8:30 बजे होगी तो वही मक्का मस्जिद में ईद की नमाज 9 बजे अदा की जाएगी। इसके अलावा जिले की अन्य ईदगाहो, मस्जिदों व मदरसों में भी सुबहा के वक्त अलग अलग समय पर ईद की नमाज सामुहिक रूप से अदा की जाएगी।

अदब व एहतेराम के साथ मनाए पर्व- हाजी मो फारुख शेख

अंजुमन इस्लामिया कमेटी सदर हाजी मो. फारूक शेख ने बताया कि ईद का यहां त्योहार खुशियों का त्यौहार है।महीने भर रमजान शरीफ में इबादत करने के बाद तोहफे के रूप में ईद उल फितर का यह त्यौहार मिला है।चांद की तस्दीक के साथ तमाम मस्जिदों से कल शनिवार को ईद मनाने का ऐलान किया गया है नगर में ईद की पहली नमाज पुलिस लाइन ग्राउंड स्थित ईदगाह में सुबह 8:30 बजे अदा की जाएगी, तो वहीं दूसरी नमाज बुजुर्गों के लिए नगर के वार्ड नंबर 10 रजा नगर मस्जिद ए आला हजरत जामिआ नूरिया मदरसे में अदा की जाएगी। उन्होंने नौजवानों से अपील करते हुए कहा कि यह त्यौहार को नौजवान अदब व एहतराम के साथ मनाएं, नियम कानून का पालन करें और कोई भी ऐसा काम ना करे जिससे किसी को तकलीफ हो। उन्होंने अमनो अमान के साथ ईद उल फितर के त्यौहार में शामिल होने और शहर सहित पूरे मुल्क की तरक्की के लिए सामूहिक रूप से दुआएं किए जाने की भी अपील की है।

खेल प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष जावेद अली की मेजबानी में हुआ रोजा इफ्तार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पवित्र माह रमजान के २९वें रोजे के मुबारक मौके पर स्थानीय जामा मस्जिद परिसर में एक भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कांग्रेस राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच एवं खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष जावेद अली के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इफ्तार के दौरान जामा मस्जिद का प्रांगण आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब के रंगों में सराबोर नजर आया। जामा मस्जिद अध्यक्ष इकबाल खान एवं कमेटी के द्वारा सभी कांग्रेसियों का स्वागत सम्मान किया गया। जामा मस्जिद के इमाम हाफिज नजीर एवं मोज़्ज़म साहब का स्वागत कांग्रेस कमेटी राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोजेदारों ने शिरकत की और एक साथ बैठकर अपना रोजा खोला। इस अवसर पर देश और क्षेत्र की खुशहाली, अमन-चैन और तरक्की के लिए सामूहिक दुआएं मांगी गईं। जावेद अली ने इस अवसर पर कहा कि रमजान का महीना हमें धैर्य सेवा और प्रेम का संदेश देता है। कांग्रेस राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच का उद्देश्य हमेशा से समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना और आपसी प्रेम को बढ़ावा देना रहा है। इसी कड़ी में आज २९वें रोजे पर इस सामूहिक इफ्तार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष धवल माडल, जेशराज पारधी, शैलेन्द्र पटले, पूर्व नपाउपाध्यक्ष अनीस बेग, हाजी राजिक खान, लक्ष्मीकांत बैंस, किशोर तामेश्वर, नंदकिशोर राणा, राहुल अरोरा, नफीस खान, मुन्नू कटाने, राजा अली, आशिफ खान, भुवन लोहार, अरशद कुरैशी, हरीश मराठे, पप्पू गोन्नाड़े, अल्ताफ कादरी, आबिद कादरी, सोहेल अंसारी, सोनू कनौजिया, अमित बुरे सहित मुस्लिम समाज के गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

सार्वजनिक स्थान पर उत्पात मचाने वालों पर पुलिस सख्त

दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय नजर आ रही है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय तथा नगर पुलिस अधीक्षक मयंक कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर अशांति फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई

20 मार्च 2026 को शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए गए अभियान के दौरान दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने दो आरोपी गिरफ्तार किया। जिनमे मनोज पिता प्रेमलाल सेन45 वर्ष रामगली बालाघाट और कन्हैया पिता धरमसिंह सिंगमारे 33 वर्ष ग्राम मौवा? थाना कान्हीवाड़ा जिला सिवनी हाल मुकाम ग्राम धापेवाडा बालाघाट निवासी है।

सार्वजनिक स्थान पर मचा रहे थे उत्पात

कोतवाली पुलिस के मुताबिक 20 मार्च को सुबह करीब 10:20 बजे राम गली बालाघाट प्रेमलाल सेन के द्वारा अपनी पत्नी के साथ घरेलू विवाद के चलते पत्नी द्वारा रिपोर्ट करने की बात को लेकर सड़क पर गाली-गलौज और हंगामा करना शुरू कर दिया था। वह सार्वजनिक रूप से उत्पात मचाने लगा।मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने समझाइश देने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद उसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार दोपहर करीब 3:00 बजे, धापेवा?ा चौक क्षेत्र में कन्हैया सिंगमारे अपनी साली से बात करने को लेकर विवाद करते हुए सड़क पर गाली-गलौज और झगड़ा कर रहा था।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे भी समझाने का प्रयास किया, लेकिन उसके आक्रामक व्यवहार को देखते हुए उसे भी धारा 170 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

न्यायालय में पेश- जेल भेजे गये

गिरफ्तार दोनों आरोपियों को प्रतिबंधित करने हेतु इस्तगासा तैयार कर माननीय अनुविभागीय दंडाधिकारी की न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

कोतवाली पुलिस की अपील

बालाघाट पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि सार्वजनिक स्थानों पर शांति व्यवस्था बनाए रखें। कानून हाथ में लेने या सार्वजनिक रूप से अशांति फैलाने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नारी मंच का 29वां स्थापना दिवस समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नारी मंच द्वारा 28 वर्ष पूर्ण होने पर 29वां स्थापना दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस तीन दिवसीय विविध आयोजनों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में खेल, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं की भागीदारी और सशक्त भूमिका प्रमुख रूप से सामने आई।

आयोजन के पहले दिन मोती नगर स्थित उड़ान टर्फ में महिला क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इसमें मातृ शक्ति स्ट्राइकर्स और नारी शक्ति इलेवन के बीच 10-10 ओवर का मुकाबला खेला गया। दोनों टीमों ने उत्साह और खेल भावना का परिचय देते हुए 27-27 रन बनाए, जिससे मैच ड्रॉ रहा। बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। दूसरे दिन स्वामी विवेकानंद आईटीआई में विकास की ओर बढ़ते समाज में परिवार विघटन के कारण विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें महिलाओं ने आधुनिक जीवनशैली, संस्कारों में कमी और मोबाइल के बढ़ते उपयोग जैसे मुद्दों पर गंभीरता से अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन सुषमा नाविक ने किया। इसके साथ ही खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। तीसरे दिन शीतल पैलेस में स्थापना दिवस, अभिनंदन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक अनुभा मुंजारे, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों ने नारी मंच के सामाजिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यों की सराहना करते हुए महिलाओं को समाज में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, जिसमें रंगोली कला, साहित्य, खेल और कराते में उपलब्धियां शामिल रहीं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत सामूहिक प्रार्थना से शुरुआत हुई, जिसके बाद गीत-संगीत, नृत्य और सामाजिक संदेशों पर आधारित लघु नाटकों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। विशेष रूप से संयुक्त परिवार की अवधारणा और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर प्रस्तुत कार्यक्रमों ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के दौरान नारी मंच की परंपरा अनुसार महिलाओं का हल्दी-कुमकुम से स्वागत किया गया। अंत में पुरस्कार वितरण, लकी ड्रॉ और आभार प्रदर्शन के साथ तीन दिवसीय आयोजन का समापन हुआ।

पेज नं. ०३ का शेष...

पैसों के लिए अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों को नहीं दिया शव

अस्पताल वाले बोले पहले पूरे पैसों दो, नहीं दोगे तो शव नही मिलेंगा- रंजीत

मृतक संदीप के छोटे भाई रंजीत मरकाम ने बताया कि 18 मार्च की रात्रि करीब 2 बजे उन्होंने अपने भाई संदीप को उपचार के लिए सरदार पटेल कॉलेज में भर्ती कराया था, उस समय संदीप का आयुष्मान कार्ड से निश्शुल्क उपचार किए जाने की बात कही गई थी अस्पताल प्रबंधन को बता दिए थे कि हमारे पास पैसे नहीं है।अस्पताल वालो ने भी आयुष्मान कार्ड से नि:शुल्क उपचार की बात कहते हुए संदीप को भर्ती कर लिया था, लेकिन तरह-तरह की जांच और ऑपरेशन के नाम पर पहले 10,000रु काउंटर में जमा करवा लिए थे, जो उन्होंने ऑनलाइन ट्रांसफर किए हैं। ऑपरेशन होने के बाद दवाइयां सहित अन्य खर्च के नाम पर करीब 11000 रु जमा कराए गए। लेकिन संदीप की 20 मार्च की सुबह उपचार के दौरान मौत हो गई, भाई की मौत की जानकारी अस्पताल प्रबंधन द्वारा उन्हें दी गई, वहीं उपचार के खर्च के रूप में 1 लाख रु की राशि मांगी जा रही है। उन्होंने बताया कि भाई की मौत के बाद 15-15 हजार करके दो बार उन्होंने 30,000 रु दवाइयो के लिए दिये है इस तरह अब तक कुल 50,000 रु खर्च कर चुके हैं।अब उनके पास पैसे नहीं है लेकिन अस्पताल वाले बोल रहे हैं कि जब तक पूरा पैसा नहीं मिलेगा तब तक भाई की शव भी नहीं देंगे।

ब्रेन सर्जरी का आयुष्मान से उपचार की जिले में कहीं भी नहीं है सुविधा- वर्मा

सरदार पटेल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के न्यूरो सर्जन डॉ वर्मा ने बताया कि जब मरीज को उपचार के लिए लाया गया था, तब वहा बेहोश था,उसकी बॉडी रिस्पांस नहीं कर रही थी, हमने एक्सरे, सीटी स्कैन कराकर, ब्लड टेस्ट कराया अन्य जांचे कराई और ऑपरेशन करने के लिए कहा, हमने पहले ही मरीज के परिजनों को बता दिया था कि मरीज की ब्रेन सर्जरी करनी पड़ेगी और ब्रेन सर्जरी का उपचार आयुष्मान कार्ड से नहीं होगा। क्योंकि ब्रेन सर्जरी, हार्ड लिवर किडनी के आयुष्मान कार्ड से उपचार के लिए किसी भी अस्पताल को परमिशन नहीं है।क्योंकि इसके लिए रोग सम्बंधित विशेषज्ञ चिकित्सक का रजिस्ट्रेशन आयुष्मान कार्ड के तहत सरकार के पास कराना अनिवार्य होता है। हमारे अस्पताल में आयुष्मान कार्ड के जरिए ब्रेन सर्जरी कि नि:शुल्क सुविधा नहीं है इस बात की जानकारी परिजनों को दे दी थी, उसके बाद ही मरीज को भर्ती कराया गया था और महज10,000रु में उनका ऑपरेशन किया गया। यहां सवाल, पैसों का नहीं, बल्कि मरीज की जान बचाने का था। लेकिन उपचार के दौरान मरीज की मौत हो गई।

कार्यालय ग्राम पंचायत बल्हारपुर
जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट
क्रमांक - क्यू /2026 दिनांक 20.03.2026

निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत बल्हारपुर में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा, विबी जी राम जी, पंच परमेश्वर, 05 वां, 14 वां व 15 वां वित्त आयोग, रा'य वित्त आयोग, गौण खनिज मद, स्वकराधान मद, स्व'छ भारत अभियान, विधायक-सांसद निधि, परफार्मेस ग्रांट फंड, पंचायत क्षेत्र में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु आवश्यक सामग्री क्रय की जानी हैं। इन कार्यों के लिए दिनांक 20/03/2026 से 28/03/2026 तक मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत बल्हारपुर में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें।

टीप: निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

सेवन काटेकर - सरपंच
रविशंकर भगत - उपसरपंच
कोमल यादव - सचिव
देवेश देशमुख- रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत बल्हारपुर तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

कार्यालय ग्राम पंचायत बबरिया
जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट
क्रमांक - क्यू /2026 दिनांक 20.03.2026

निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत बबरिया में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा, विबी जी राम जी, पंच परमेश्वर, 05 वां, 14 वां व 15 वां वित्त आयोग, रा'य वित्त आयोग, गौण खनिज मद, स्वकराधान मद, स्व'छ भारत अभियान, विधायक-सांसद निधि, परफार्मेस ग्रांट फंड, पंचायत क्षेत्र में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु आवश्यक सामग्री क्रय की जानी हैं। इन कार्यों के लिए दिनांक 20/03/2026 से 28/03/2026 तक मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत बबरिया में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें।

टीप: निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

मोहनलाल गौतम - सरपंच
गजानंद सहारे - उपसरपंच
विजय एड़े - सचिव
सुखचंद शरणागत - रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत बबरिया तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

दुकान बेचना है
शहर के मध्य प्राइम लोकेशन हनुमान चौक श्याम मॉल की अपर ग्राउंड फ्लोर की फ्रंट की तीन शटर वाली दुकान नंबर 5 बेचना है।
संपर्क-9425391870

आवश्यकता है
ऑफिस एकाउंट/ ऑडिट कार्य हेतु 10वीं, 12वीं, बी.काम. प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण यवुक/युवती की आवश्यकता है
मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
-संपर्क-
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स , श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544/9201340520

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शनिवार 21 मार्च 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बालाघाट के भटेरा बलवा कांड- प्राणघातक हमले का फरार एक और आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। कोतवाली पुलिस ने ग्राम भटेरा में प्राणघातक हमला कर फरार चल रहे एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिये। गिरफ्तार आरोपी सुशील पिता तेजराम मोहारे 25 वर्ष वार्ड नंबर 7 भटेरा बालाघाट निवासी को न्यायालय में पेश किया।जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। 17 मार्च की रात हुए इस मामले में एक नाबालिक सहित तीन आरोपी पूर्व में गिरफ्तार की जा चुके हैं।

कीर्ति मोहारे और उसके बेटे पर किए थे प्राणघातक हमला

कोतवाली पुलिस के मुताबिक 17 मार्च 2026 की रात ग्राम भटेरा में शादी के रिसेप्शन में कीर्ति मोहारे की खाने की प्लेट भागचंद मोहारे से टकरा गई थी। मामूली बात को लेकर विवाद शुरू हुआ भागचंद मोहारे, अरुण मोहारे और सुशील मोहारे ने कीर्ति मोहारे को अश्लील गालियां देकर हाथ भूसे से मारपीट किये थे जिसके बाद कीर्ति मोहारे अपने घर चला गया था जो बाद में हिंसक झगड़े में बदल गया। आरोपियों ने कीर्ति मोहारे के घर हमला कर और घर मे घुसकर कीर्ति मोहारे की हत्या करने की नीयत से उसे लाठी-डंडों एवं लोहे की रॉड से मारपीट करने लगे वहीं बचाव करने आये उसके बेटा देवेंद्र मोहारे को लाठी लोहे की राड से मारपीट किये।कीर्ति मोहारे की पत्नी धुरपति मोहारे बहु शीतल मोहारे को भी इन लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिये और फरार हो गए थे।

हत्या की कोशिश करने का दर्ज है अपराध

इस संबंध में कोतवाली थाने में आरोपियों के खिलाफ धारा 109, 296, 115 (2),351(3), 3(5)भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच कार्रवाई के दौरान एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किये गए है । जिनमे अरुण मोहारे और तेजराम मोहारे को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है। नाबालिक को किशोर न्याय बोर्ड से जमानत दे दी गई है।

फरार एक आरोपी गिरफ्तार- भेजा गया जिला जेल

इस मामले में फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है 20 मार्च 2026 को कोतवाली पुलिस ने फरार आरोपी शुशील मोहरे पिता तेजराम मोहारे 25 निवासी ग्राम भटेरा निवासी को पकड़ लिया। पूछताछ में इस आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।गिरफ्तार इस आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। और फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पैसों के लिए अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों को नहीं दिया शव

कहां- पहले 01 लाख रु दो, फिर ले जाना शव, नगर के वार्ड नं 33 गायखुरी स्थित सरदार पटेल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल का मामला

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर के वार्ड नंबर 33 गायखुरी स्थित सरदार पटेल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल, पिछले कुछ दिनों से जमकर सुर्खिया बटोर रहा है।जहा पिछले माह उपचार के दौरान गलत इंजेक्शन लगाने से एक युवक के कोमा में चले जाने वाले आरोप का मामला अभी थमा भी नहीं था, कि अब 20 मार्च शुक्रवार को इसी अस्पताल से एक नया विवाद सामने आया है।जहां मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए, मामले में इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है। परिजनों ने उपचार के दौरान मरीज की मौत होने पर ,बकाया राशि के लिए,अस्पताल प्रबंधन द्वारा शव को जप्त किए जाने का आरोप लगाया है।परिजनों का आरोप है कि मारपीट में घायल हुए युवक को उपचार के लिए सरदार पटेल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में भर्ती कराया था, भर्ती करने के दौरान अस्पताल प्रबंधन द्वारा आयुष्मान कार्ड से युवक का निःशुल्क उपचार किए जाने की बात कही गई थी,वही ऑपरेशन के नाम पर 10,000 रु जमा कराए गए थे।लेकिन बाद में अस्पताल प्रबंधन ने आयुष्मान कार्ड से इलाज ना होने की जानकारी दी और ऑपरेशन व दवाईयो के नाम पर 50,000 रु की राशि वसूल कर ली।मृतक के परिजनों का आरोप है कि मरीज की मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा करीब 1लाख रु जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है, वहीं रुपए जमा न करने पर शव जप्त कर लिया गया है। परिजनों ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा उपचार की संपूर्ण राशि न मिलने तक शव नहीं दिए जाने की बात कही जा रही है।हालांकि अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों द्वारा लगाए गए सभी आरोपो को झूठा व बेबुनियाद बताते हुए शव परिजनों की जगह पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को सौंपे जाने की बात कही है। बाद में अस्पताल प्रबंधन ने शव पुलिस के सुपुर्द कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुचाया गया जहां शव का पोस्टमार्टम कराकर शव अंतिम संस्कार के लिए उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

शराब के नशे में मजदूरों के बीच हुई मारपीट में घायल हुआ था संदीप

मामला रूपझर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम घोंदी के जंगल का बताया गया है,जहा ट्रक में हमाली के काम से जंगल मे लकड़ी भरने गए ग्राम नारंगी निवासी 26 वर्षीय मजदूर संदीप पिता बुधराम मरकाम को शराब के नशे में किसी बात को लेकर हुए विवाद में उसी के साथी मजदूर अर्जुन पिता पवन सिंह टेकाम ने, लाठी डंडों से मारकर उसे गम्भीर रूप से घायल कर दिया।जिसे उसके परिजनों द्वारा 18 मार्च की देर रात जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया था, जहां संदीप का प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए रिफर कर दिया था। जिसके परिजनों द्वारा संदीप को गायखुरी स्थित सरदार पटेल कॉलेज में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था।जहां उपचार के दौरान 19 मार्च की अलसुबह उसकी मौत हो गई।

पहले आयुष्मान कार्ड से निःशुल्क उपचार की कही बात, बाद में कहा लगेगा पूरा पैसा

मृतक के परिजनों का आरोप है जिला अस्पताल से रिफर कर,वे संदीप को बेहतर उपचार के लिए गायखुरी स्थिति सरदार पटेल कॉलेज लेकर आए थे जहां भर्ती करने के पूर्व उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को इस बात की जानकारी दे दी थी कि उनके पास में पैसे नहीं है, वही आयुष्मान कार्ड से संदीप का निःशुल्क उपचार किए जाने का निवेदन किया था।जिसपर अस्पताल प्रबंधन द्वारा सहमति जताते हुए आयुष्मान कार्ड से सम्पूर्ण उपचार निःशुल्क किए जाने की बात कहते हुए संदीप को भर्ती कराया गया था,परिजनों ने बताया कि 18 मार्च को ऑपरेशन के नाम पर 10,000 रु अस्पताल प्रबंधन द्वारा जमा कराए गए थे तो वही ऑपरेशन में लगने वाली दवाइयां और एक्सरे, सिटी स्कैन, जांच सहित अन्य ट्रीटमेंट के नाम पर अलग से 11000 वसूल किए गए थे।परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा पहले तो निःशुल्क उपचार की बात कहते हुए मरीज को अस्पताल में भर्ती कर लिया गया और बाद में आयुष्मान कार्ड नहीं चलेगा, कहकर ऑपरेशन और दवाइयां खर्च सहित एक से डेढ़ लाख रुपए की मांग करने लगे। अब मरीज की मौत होने पर उन्हें शव भी नही दिया जा रहा है।

सभी आरोप झूठे है, पेसो के लिए नही रोका गया शव-डॉ कावड़े

उधर अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों द्वारा लगाए गए सभी आरोपो को झूठा व बे-बुनियाद बताते हुए सभी आरोपो को सिरे से खारिज कर दिया है।अस्पताल प्रबंधन की ओर से डॉ कावड़े,ने बताया कि मारपीट वाले या फिर पुलिस से संबंधित जो भी मामले होते हैं उसकी जानकारी सबसे पहले थाने में दी जाती है। 18 मार्च को जब मरीज को यहां भर्ती कराने लाया गया था तब भी मामले की सूचना हमने पुलिस को दी थी और जब मरीज की मौत हो गई है तो इसकी सूचना भी हमने पुलिस को दी है। जब तक पुलिस कार्यवाही नहीं होती, तब तक शव हम नहीं देंगे।क्योंकि मृतक के शव का पोस्टमार्टम होना है जो जिला अस्पताल में होगा।इसीलिए शव परिजनों को ना देते हुए पुलिस को दिया जाएगा। ताकि नियमों के तहत आगामी कार्रवाई हो सके। उन्होंने बताया कि यहां पर पैसे का कोई मामला नहीं है, आयुष्मान कार्ड से उपचार नहीं होगा यह जानकारी पहले ही परिजनों को दी गई थी, और महज 10,000रु में मरीज का ऑपरेशन किया गया है, पैसों के लिए शव नहीं रोका

गया है बल्कि मृतक का शव पुलिस को सौंपा जाएगा और पुलिस पोस्टमार्टम कराकर वहां शव परिजनों को सौपेगी। उन्होंने आगे बताया कि मेडिकल का चार्ज बचा हुआ है वहीं अस्पताल के भी कुछ चार्ज पेंडिंग पड़े हैं वह चार्ज परिजनों से लेना है या नही ,या इस मामले में क्या करना है।इसका फैसला प्रबंधन द्वारा किया जाएगा।

शेष पेज नं. ०२ में

जिलेभर में मनाया गया रानी अवंती बाई का बलिदान दिवस

जगह-जगह प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी गई श्रद्धांजलि, रानी अवंती बाई के बलिदान को किया गया याद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत देश की पवित्र भूमि, ऐसे वीर-वीरांगनाओं की कहानियों से भरी पड़ी है, जिन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर देश की आजादी के लिए अपना अहम योगदान दिया है।जिसमें 1857 क्रांति की महानायिका क्रांतिकारी वीरांगना रानी अवंती बाई भी एक है।जिनका बलिदान दिवस 20 मार्च को केवल जिला मुख्यालय ही नहीं बल्कि संपूर्ण देश में मनाकर उन्हें याद किया गया।शुक्रवार 20 मार्च को जिला मुख्यालय सहित जिले की तहसील व ग्रामीण अंचलों में वीरांगना रानी अवंती बाई का बलिदान दिवस मनाया गया। जहां जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर रानी आवंती बाई के बलिदान को याद कर, उनकी जीवनी से प्रेरणा लेने और उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।इसी कड़ी में नगर के रानी अवंती बाई चौक में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां उपस्थित पदाधिकारियों व सामाजिक बंधुओं ने रानी अवंतीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर, प्रतिमा के समीप दीप प्रज्वलित किए वहीं रानी अवंतीबाई अमर रहे के नारे लगाए। वहीं उपस्थित पदाधिकारियों ने रानी अवंती बाई किं प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।इस कार्यक्रम में जहां एक ओर उपस्थितजनों ने वीरांगना रानी अवंती बाई की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बलिदान को याद किया तो उनके आदर्शों पर चलकर संपूर्ण समाज में एकता बनाए रखने की बात कही।

भव्य रैली में शिव तांडव सहित अन्य नृत्य रहे आकर्षण का केंद्र

नगर में वीरांगना अवंती बाई लोधी का बलिदान दिवस शौर्य दिवस के रूप में मनाया गया।जिला लोधी महासभा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विशाल शोभायात्रा निकाली गई।जिसमें रायपुर व नागपुर के संदल व झांकियां शामिल रही। शिव तांडव सहित अन्य नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे। 45 की संख्या में विविध टोली में नृत्य समूह शामिल हुये थे। जिन्होने विविध चौक चौराहे पर अपने-अपने धार्मिक व शौर्य से संबंधित नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी।इस अवसर पर निकली शोभायात्रा ने शहर का भ्रमण किया। जो कि अवंती बाई चौक से काली पुतली चौक होते हुये राजघाट चौक, महावीर चौक, सुभाष चौक, नया सराफा बाजार, हनुमान चौक से होते हुये अंबेडकर चौक और वहां से पुनः रामाबापू तालाब मोती गार्डन पहुंची। जहां पर मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन को देखने के लिये लोगों का हुजूम उम ?ा रहा।

जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

1857 की क्रांतिकारी महान वीरांगना अवंती बाई लोधी के 20 मार्च को मनाये जाने वाले बलिदान दिवस का कार्यक्रम हर साल की तरह यह आयोजन बालाघाट मुख्यालय में किया गया था। जिसमें बस स्टेंड स्थित अवंती बाई की प्रतिमा पर माल्यापर्ण व पूजन के साथ बलिदान दिवस का कार्यक्रम की शुरूआत की गई। अवंती बाई चौक के कार्यक्रम के पहले रामाबापू गार्डन मोती तालाब में लोधी समाज के तमाम लोग एकत्रित हुये। जहां से घोड़े पर सवार वीरांगना की प्रतीकात्मक प्रतिमूर्ति के साथ भव्य शोभायात्रा निकली। जो पदयात्रा करते हुये ढोल ढमाके के साथ अवंती बाई चौक पहुंची। जहां पर बारी-बारी से सभी ने अवंती बाई का पूजन कर आदमकद प्रतिमा पर माल्यापर्ण किया। साथ ही पूजन कर वीरांगना को नमन किया गया। इस आयोजन में लोधी समाज के जनप्रतिनिधियों के साथ प्रमुख सामाजिक पदाधिकारी व गणमान्य लोग बड़ी संख्या में शामिल हुये। इसके पश्चात यहां से पुनःशोभायात्रा के साथ विशाल रैली निकाली गई। जिसमें विविध झांकिया को शामिल किया गया। कार्यक्रम में विधायक अनुभा मुंजारे, विधायक राजकुमार करहिे, वारासिवनी विधायक विवेक पटेल, पूर्व सांसद कंकर मुंजारे,लोधी लोधा लोध महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष उदयसिंह नगपुरे,प्रदेश प्रवक्ता शौकत बिसाने,प्रदेश सचिव धर्मपाल सिंह नगपुरे, जिलाध्यक्ष डॉक्टर अशोक लिल्हारे, कार्यक्रम के अध्यक्ष बी.एल.लिल्हारे, यशवंत लिल्हारे, सुखदेव मुनि कुतराहे,हर्ष मुंजारे,सी.डी.नगपुरे, दुर्गा सौलखे,गगन नगपुरे, गंगा प्रसाद लिल्हारे, योगेश नगपुरे, गुडडू नगपुरे, दुर्गाप्रसाद पगरवार,दिलीप उपवंशी,चुमेश लिल्हारे,चंदर दमाहे,दिलीप बसेने, श्रीमती शिला नगपुरे व उनके नेतृत्व में आयी सैकड़ो महिलायेंसहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि व महिलायें शामिल रही। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें महिलायें एक ही वेशभूषा में वीरांगना अवंती बाई के प्रतीक स्वरूप आयोजन में शामिल रही।

शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है बलिदान दिवस- करहिे

इस संबंध में विधायक राजकुमार करहिे ने कहा कि वीरांगना अवंती बाई के बलिदान दिवस को शौर्य दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमें सर्वसमाज के लोग के साथ ही लोधी समाज के बंधु शामिल हुये। कार्यक्रम में विविध झांकियां व वीरांगना की वेषभूषा में हमारी बहनें शामिल रही। शिव तांडव सहित संदल इस कार्यक्रम में आर्कर्षण का केंद्र रहें।

वीरता की प्रतिक थी रानी अवंतीबाई- डॉ लिल्हारे

लोधी क्षत्रिय समाज जिलाध्यक्ष डॉ. अशोक लिल्हारे ने कहा कि वीरांगना रानी अवंतीबाई ने आजादी की लड़ाई में अंग्रेजो के खिलाफ आजादी का बिगुल फूंका और स्वतंत्रता के आंदोलन की लड़ाई लड़ते हुए उन्होंने अपनी जान कुर्बान कर दी। आज पूरा देश उनका बलिदान दिवस बनाकर देश के स्वतंत्रता आंदोलन और उनके योगदान को याद कर रहा है।आज सर्वसमाज के लोगों ने वीरांगना रानी अवंतीबाई को याद कर उन्हें नमन किया।जो बताता है कि महापुरूष किसी समाज के नहीं बल्कि सबके होते है। उन्होंने बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाकर एकता और सामाजिक जागरूकता का संदेश देना भी है।

आयो लाल झूलेलाल के जयघोष से गूंजा शहर

1076वें चेट्रीचंड महोत्सव पर भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा, बड़ी संख्या में उमड़ा सिंधी समाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में शुक्रवार को सिंधी समाज द्वारा भगवान झूलेलाल सांई का 1076वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयो लाल झूलेलाल के जयघोष से पूरा शहर गुंजायमान हो उठा। पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में सिंधु भवन से देर शाम भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शहर सहित जिले भर के सामाजिक बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भक्ति भाव के साथ झूलेलाल सांई का जयघोष करते हुए वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया गया और प्रसाद वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने भगवान झूलेलाल से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। पूरे आयोजन में श्रद्धा, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव के अवसर पर शहर में आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं ब ?ी संख्या पहुचे । पूरे शहर में भक्ति, उत्साह और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। शोभायात्रा सिंधु भवन से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मोती तालाब पहुंची, जहां समापन अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और पारंपरिक बहराणा साहेब विसर्जन का आयोजन किया गया। मार्गभर श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा में भगवान झूलेलाल की सजीव झांकी के साथ ही विभिन्न धार्मिक प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। इनमें भगवान शिव के शिवलिंग की झांकी, राधा-कृष्ण लीला, भोलेनाथ की झांकियां और अन्य धार्मिक प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनीं। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सजीव झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। समाज के जिलाध्यक्ष अमर मंगलानी ने बताया कि भगवान झूलेलाल जन्मोत्सव के कार्यक्रम 17 मार्च से प्रारंभ हो गया था , जो निरंतर विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ संपन्न हो रहे हैं। सुबह से ही सिंधु भवन से स्कूटर रैली निकाली गई, जिसमें युवाओं सहित बड़ी संख्या में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे शहर में धार्मिक जागरूकता का संदेश दिया। इसके पश्चात सिंधी मोहल्ला एवं सिंधु भवन स्थित मंदिर में भगवान झूलेलाल का दूध से अभिषेक, हवन-पूजन एवं आरती की गई। दोपहर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम होते ही शोभायात्रा ने भव्य रूप ले लिया। महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन की मधुर धुनों के बीच पूरा शहर झूलेलाल के जयकारों से गूंज उठा। मोती तालाब पहुंचकर विशेष पूजन-अर्चन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जहां बहराणा साहेब का विधिवत विसर्जन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत किया, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का संदेश भी दिया।

कल नगर में निकाली जाएगी गणगौर शोभायात्रा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल कार्यकारिणी संरक्षक मंडल मानक चंद सोनी, घीसालाल शर्मा, रमेश राठी, रामेश्वर सोनी,राजेंद्र महाराज शर्मा, किशोर शर्मा, जुगल शर्मा अनिल शर्मा, कैलाश राजपुरोहित, मुन्ना शर्मा खाती सहित सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल जिला अध्यक्ष श्रीमती ज्योति शर्मा ने सँयुक्त रूप से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि गणगौर पर्व राजस्थानी समाज की आस्था और संस्कृति का प्रमुख उत्सव है। इस आयोजन का उद्देश्य समाज की परंपराओं को आगे बढ़ाना एवं नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना है।महिला मंडल की सचिव श्रीमती पूजा शर्मा, सहसचिव श्रीमती पूनम शर्मा, कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण सोनी, सह कोषाध्यक्ष श्रीमती रीना शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती मनोरमा महेश्वरी, श्रीमती मालती पुरोहित, श्रीमती किरण शर्मा श्रीमती आरती शर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी श्रीमती शिल्पा पुरोहित, श्रीमती रिया शर्मा, ब्राह्मण समाज प्रभारी श्रीमती आशा शर्मा, माहेश्वरी समाज प्रभारी श्रीमती रत्ना माहेश्वरी, सोनी समाज प्रभारी श्रीमती सरिता वर्मा, राजपुरोहित समाज प्रभारी श्रीमती भावना राजपुरोहित, खाती समाज प्रभारी श्रीमती मंजू शर्मा, जैन समाज प्रभारी श्रीमती प्रीति सेठिया, प्रवक्ता श्रीमती पायल चौरडिया, सह प्रवक्ता श्रीमती शारदा शर्मा, मीडिया प्रभारी श्रीमती श्वेता शर्मा सहित महिला मंडल की सलाहकार समिति सदस्य श्रीमती राधा शर्मा, श्रीमती सविता शर्मा, श्रीमती दुर्गा राठी, श्रीमती राधिका सोनी, श्रीमती अरुणा शर्मा, श्रीमती अंजलि पालीवाल, श्रीमती विनीता शर्मा, श्रीमती माधवी शर्मा, श्रीमती शोभा शर्मा, श्रीमती दुर्गा जैन तथा कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती मोना शर्मा, श्रीमती अनुराधा शर्मा, श्रीमती रेखा शर्मा, श्रीमती चंचल शर्मा, श्रीमती कंचन शर्मा, श्रीमती ज्योति सोनी, श्रीमती पायल शर्मा पंचारिया, श्रीमती रूपा माहेश्वरी, श्रीमती कविता सोनी, श्रीमती उमा शर्मा, श्रीमती रश्मि शर्मा ने समाज की सभी महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गणगौर महोत्सव में भाग लेने का आग्रह किया है साथ ही सर्व राजस्थानी समाज के माननीय श्री गोकुल चंद जी शर्मा हेमराज जी शर्मा बाबूलाल जी सोनी सत्तू सोनी सुशील पालीवाल बीडी शर्मा कालू सोनी उमेश जी शर्मा कैलाश शर्मा श्री सुरेश शर्मा प्रोफेसर अरविंद ज्योतिषी भरत पुरोहित जगन जोशी अर्जुन जादव श्री ध्रुव शर्मा महेश शर्मा करणी दान सेठिया किशोर शर्मा महावीर शर्मा राजू प्रभु खाती मुन्ना शर्मा खाती राधेश्याम महेश्वरी गुलाब महेश्वरी राजू महेश्वरी ललित महेश्वरी सेठिया मनोज शर्मा अजय शर्मा रविंद्र पप्पू शर्मा पुरुषोत्तम शर्मा अमित शर्मा प्रमोद शर्मा बजरंग भोजनालय विजय पुरोहित वरुण तिवारी विकास शर्मा आकाश शर्मा राजू मदनलाल सोनी प्रतीक शर्मा हर्ष शर्मा शिवम शर्मा वरुण शर्मा धैर्य शर्मा सहित सर्व राजस्थान समाज से जुड़े हुए महिला पुरुष युवा वर्ग से निवेदन है कि 22 तारीख के गणगौर शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या मे पहुंच कर शोभा यात्रा को भव्य बनाने की अपील की है।

आस-पास की खबरें

ईदगाह में 9 बजे अदा होगी ईद-उल-फितर की नमाज आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मुस्लिम धर्मालंबियों का खास पर्व ईद 21 मार्च को नगर मुख्यालय सहित क्षेत्रभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर 21 मार्च को प्रात: 9 बजे ईदगाह लालबर्रा में ईद-उल-फितर की

नमाज अदा की जायेगी। तत्संबंध में जानकारी देते हुए अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर अफसर कुरैशी ने बताया कि ईद का चांद दिखने के बाद 21 मार्च को मुस्लिम समुदाय के द्वारा ईद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर 21 मार्च को प्रात: 8.30 बजे सभी मुस्लिम भाई ईदगाह लालबर्रा में एकत्रित होगें और प्रात: 9 बजे ईद-उल-फितर की नमाज अदा करवाई जायेगी। इस अवसर पर सभी मुसलमान भाईयों से समय पर पहुंचने की अपील अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर अफसर कुरैशी ने की है।

रजा मस्जिद में प्रात: 9.30 बजे अदा की जायेगी नमाज

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित रजा मस्जिद में 21 मार्च को प्रात: 9.30 बजे ईद-उल-फितर की नमाज अदा की जायेगी। तत्संबंध में जानकारी देते हुए रजा मस्जिद कमेटी अमोली के हाजी अनवर यासिनी ने बताया कि मुस्लिम धर्मालंबियों का सबसे बड़ा पर्व ईद का त्यौहार है एवं 21 मार्च को ईद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रात: 9.30 बजे रजा मस्जिद अमोली में ईद-उल-फितर की नमाज अदा की जायेगी। इस अवसर पर मुसलमान भाईयों से समय पर पहुंचने की अपील रजा मस्जिद के हाजी अनवर यासिनी ने की है।

एफआईआर दर्ज कर मुझ पर बनाया जा रहा दबाव - नीरज

वार्डवासियों ने आयोजित की प्रेसवर्ता, जनता के हितों की अनदेखी कर घटिया सड़क निर्माण करवाने का निर्माण कंपनी पर लगाया आरोप

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग के अधुरे निर्माण कार्य को लेकर चल रहा विवाद अब गरमाता जा रहा है। इस संबंध में नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में शुक्रवार को पांढरवानी-लालबर्रा निवासी नीरज पशीने एवं अन्य वार्डवासियों ने प्रेसवर्ता आयोजित कर लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग 600 मीटर की सीसी सड़क निर्माण कार्य में बरती जा रही अनियमितताओं और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाये है। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण में तकनीकी खामियों और जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण भविष्य में स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। प्रेसवर्ता को संबोधित करते हुए नीरज पशीने ने बताया कि लालबर्रा से समनापुर मार्ग की स्वीकृति बीते नवंबर माह में हुई थी और सड़क की स्वीकृति के समय ही मेरे द्वारा आपत्ति दर्ज करवाई गई थी और इस सड़क निर्माण में सबसे बड़ी चिंता सड़क और मकानों के लेवल (स्तर) में भारी असमानता को लेकर है। पूर्व में भी इसी तकनीकी खामी के कारण घरों में बारिश का पानी घुसने की समस्या उत्पन्न हुई थी, जिसके चलते काम रोकना पड़ा था। वर्तमान में भी ठेकेदार द्वारा उसी त्रुटिपूर्ण पध्दति से निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिससे भविष्य में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। श्री पशीने ने बताया कि पानी निकासी के लिए नई नाली का निर्माण नही किया गया है, साथ ही दो स्थानों पर पानी निकासी के लिए पुलिया का निर्माण होना है लेकिन पुलिया का भी निर्माण नही किया जा रहा है। जबकि पूर्व में सड़क विभाग के अधिकारियों से चर्चा की गई थी तो उन्होने हमें आश्वास्त किया था कि दो स्थानों पर पुलिया का निर्माण किया जायेगा। लेकिन ठेकेदार अपनी मनमानी कर रहा है। साथ ही शासन के मापदण्ड को ताक पर रखकर घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जिससे भविष्य में सड़क धंसने और दुर्घटनाएं होने की संभावना बनी हुई है।

कलेक्टर के निर्देशों की अवहेलना का आरोप

श्री पशीने ने बताया कि पूर्व में जिला कलेक्टर से भी इस सड़क निर्माण की शिकायत की गई थी और कलेक्टर महोदय ने संबंधित सड़क विभाग के आला अधिकारियों को तत्काल जल निकासी की

व्यवस्था हेतु स्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिये थे। परंतु विडंबना यह है कि लंबे समय बीत जाने के बाद भी विभाग द्वारा अब तक कोई स्टीमेट प्रस्तुत नहीं किया गया है, जो अधिकारियों की उदासीनता को दर्शाता है। गुरूवार को मेरे द्वारा सुपरवाइजर से पुलिया निर्माण हेतु चर्चा की गई किन्तु वे संतुष्टजनक जवाब नही दिये जिससे उनसे बहस भी हुई थी। जबकि सभी की सुविधा के लिए नाली व पुलिया का निर्माण करवाने की मांग कर रहे है, लेकिन निर्माण कंपनी के कर्मचारी ने मेरे खिलाफ थाने में झुठी शिकायत दर्ज करवाकर दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह पूरी कार्यवाही राजनीति से प्रेरित और द्वेषपूर्ण है, जनहित के मुद्दों को उठाने के कारण मुझे टारगेट किया जा रहा है। मेरे खिलाफ की गई शिकायतें पूरी तरह निराधार और झूठी हैं। प्रशासन का भय दिखाकर जनहित की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन क्षेत्र की जनता के हक की लड़ाई जारी रखूगा। साथ ही यह भी बताया कि सरपंच का फर्ज है कि वे पानी निकासी की व्यवस्था बनवाये लेकिन उनके द्वारा इस संबंध में कोई भी चर्चा संबंधित विभाग के अधिकारी से नहीं की गई है। इस अवसर पर नीरज पशीने, शांतिलाल सुराना, तुफान गुप्ता, भाजपा युवा मोर्चा नगराध्यक्ष संजीव अवधिया, मुस्ताक खान सहित अन्य वार्डवासी उपस्थित रहे।

सड़क निर्माण में बरती जा रही अनियमितता - संजीव

भाजयुमो नगराध्यक्ष संजीव अवधिया ने बताया कि लालबर्रा से अमोली 600 मीटर अधुरी सड़क का निर्माण कार्य जारी है, लेकिन पानी निकासी की व्यवस्था नही की जा रही है जिससे वार्डवासियों को भविष्य में परेशानी होगी। इस संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारी को अवगत करवा दिया गया है जिन्होने समस्या का समाधान का आश्वासन भी दिया था परन्तु पानी निकासी हेतु कार्य नही किया जा रहा है। जिसका नीरज पसीने के द्वारा विरोध किया गया और नाली निर्माण की मांग की गई थी। श्री अवधिया ने बताया कि थाना प्रभारी के द्वारा एकपक्षीय कार्यवाही की गई है उनके द्वारा दूसरे पक्ष को नहीं सुना गया है। साथ ही निर्माण स्थान पर शासकीय विभाग के इंजीनियर और ठेकेदार मौके पर उपस्थित नहीं रहते है, सड़क निम्न स्तर की बनाई जा रही है और निर्माण कार्य में अनियमितता बरती जा रही है, जिसकी जांच होनी चाहिए।

धूमधाम से मनाई गई भगवान झूलेलाल की जयंती

शोभायात्रा निकालकर नगर का किया भ्रमण, लंगर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित गुरू संगत दरबार में पूज्य सिंधी पंचायत के द्वारा 20 मार्च को भगवान झूलेलाल की जयंती धूमधाम से मनाई गई। भगवान झूलेलाल की जयंती के अवसर पर गुरू संगत दरबार में विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें प्रात: 8 भगवान झूलेलाल जी का अभिषेक व पूजन अर्चन किया गया तत्पश्चात सिंधु सेना के द्वारा प्रात: 9 बजे बाईक रैली निकाली गई। इस दौरान आयोलाल-झूलेलाल के नारों के साथ नगर के चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए पुन: गुरू संगत दरबार पहुंचे जिसके बाद मोदक पूजा संपन्न करवाई गई। तत्पश्चात भगवान झूलेलाल जी की आरती के बाद लंगर का आयोजन किया गया। जिसके बाद शाम 6 बजे मनमोहक झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान जमकर उपस्थितजनों ने नृत्य भी किया और यह शोभायात्रा नगर के चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए पांढरवानी के तालाब विसर्जन घाट पहुंची जहां विधिवत मोदक एवं अन्य पूजन सामग्री का विसर्जन किया गया। जिसके बाद सभी गुरू संगत दरबार पहुंचे जहां पूजा अर्चना करने के बाद प्रसादी का वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। पूज्य सिंधी पंचायत लालबर्रा सदस्य संजय चंदलानी ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पूज्य सिंधी पंचायत के स्वजातीय बंधुओं के द्वारा भगवान झुलेलाल जी का 1076 वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए जिसमें प्रात: 8 बजे भगवान झुलेलाल जी का अभिषेक व पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात सिंधु सेना के द्वारा बाईक रैली निकाली गई एवं दोपहर में गुरू संगत दरबार में मोदक पूजा संपन्न करवाई गई। जिसके बाद

आरती कर लंगर का आयोजन किया गया। साथ ही सभी ने लंगर ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। वहीं सैंट्रल बैंक के समीप सिंधु सेना के द्वारा शरबत का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर हिन्दु सेना एवं पूज्य सिंधी पंचायत के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गढ़वाल समाज के 52 स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में शिलालेख के लिए किया गया भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हिन्दु नववर्ष के पावन अवसर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर गढ़वाल समाज मंडल लालबर्रा द्वारा नगर के मुख्य मार्ग हाईस्कूल रोड पर गुरूवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में शिलालेख स्थापित करने हेतु भूमि का विधिवत भूमिपूजन किया गया। यह कार्यक्रम समाज के लिए गौरवपूर्ण एवं ऐतिहासिक रहा। वहीं भूमिपूजन के एक दिन पूर्व समाज के प्रतिनिधि मंडल ने ग्राम पंचायत पांढरवानी के सरपंच अनीस खान से भेंट कर गढ़वाल समाज के 52 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में शिलालेख हेतु भूमि उपलब्ध करवाने की मांग की थी। जिस पर सरपंच द्वारा सकारात्मक सहमति प्रदान की गई। जिसके बाद हाई स्कूल मार्ग महात्मा %योतिबा फुले चौक पर गुरूवार को विधिवत भूमिपूजन कर कार्य का शुभारंभ किया गया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गढ़वाल समाज अध्यक्ष लिखीराम हरिन्द्रवार ने कहा कि गढ़वाल समाज के जिन 52 वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया, उनका योगदान केवल हमारे समाज तक सीमित नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणास्त्रोत है। आज जो भूमिपूजन किया गया है यहां केवल एक निर्माण कार्य की शुरूआत नहीं, बल्कि अपने इतिहास को सम्मान देने का संकल्प है। आने वाली पीढ़ियां जब इस शिलालेख को पढ़ेंगी, तब उन्हें अपने पूर्वजों के संघर्ष, त्याग और बलिदान की प्रेरणा मिलेगी। हमारा कर्तव्य है कि हम इस विरासत को सहेजकर रखें और समाज में जागरूकता बढ़ाये। शीतलप्रसाद हरिद्वाज ने कहा कि इतिहास तभी जीवित रहता है जब हम उसे याद रखते हैं और समाज के सामने प्रस्तुत करते हैं। गढ़वाल समाज के स्वतंत्रता सेनानियों का नाम भले ही बड़े इतिहास ग्रंथों में कम दर्ज हो, लेकिन उनका योगदान किसी से कम नहीं रहा। यह शिलालेख उन गुमनाम नायकों को पहचान दिलाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। हम सभी का दायित्व है कि इस पहल को आगे

बढ़ाये और अपने ब'चों को भी उनके बारे में बताये ताकि उनमें देशभक्ति और सामाजिक चेतना का विकास हो। पांढरवानी सरपंच अनीरस खान ने कहा कि ग्राम पंचायत की ओर से इस ऐतिहासिक और सराहनीय कार्य के लिए पूर्ण सहयोग दिया जायेगा। यह केवल गढ़वाल समाज का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव है। जब किसी समाज के लोग अपने इतिहास और वीरों को सम्मान देते हैं, तो वह समाज और अधिक मजबूत बनता है। इस शिलालेख के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी और उन्हें यह समझ आयेगा कि आजादी हमें कितने संघर्ष और बलिदान के बाद मिली है। पंचायत सदैव ऐसे जनहित एवं समाजहित के कार्यों में साथ खड़ी रहेगी। इस अवसर पर शीतल हरिद्वाज, लिखिराम हरिन्द्रवार, प्रदीप सूर्यवंशी, डामेन्द्र धानेश्वर, पिंटू नागेश्वर, डीपी सिलेकर, बेनीराम बनवाले, संजू बनवाले, जयराज भारद्वाज, ब्रजेश ब्रम्हे, सुरेश ब्रम्हे, सर्वेश ब्रम्हे, राजेन्द्र गोयल, रविन्द्र वराड़कर, किशोर गोयल, दिलीप अजीत, अंकित हरिद्वाज, ईश्वरी अजीत, श्रीमती पुष्पा भारद्वाज, श्रीमती सुनीता हरिद्वाज, श्रीमती संध्या नागेश्वर, घनश्याम सिलेकर, श्रीमती सबीता ब्रम्हे एवं श्रीमती रानू हरिद्वाज सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

इन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में बनेगा शिलालेख

गढ़वाल समाज के जिन 52 स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में यह शिलालेख स्थापित किया जा रहा है, उनमें प्रमुख रूप से गंगेलाल गढ़वाल, फग्गूलाल गढ़वाल, अमर/बाबूलाल, नानु गढ़वाल, लाल/रामचरण ईश्वरलाल/नंदू, महासराम गढ़वाल, केशवलाल गढ़वाल, लखन/जयराम, प्रेमलाल/रघुनाथ, प्रेमलाल/हरिलाल, प्रेमलाल/गजाधर, गनपत/मलखान, प्रेमलाल/पुन्नु, गनपत/मलखान, दिनदयालाल/भोलाराम, उदेलाल गढ़वाल, रामदयाल/ गोंडाल, संतु जी/ हरिलाल, महालाल गढ़वाल, दयाललाल/ नंदलाल, झुमकलाल नागेश्वर, जगलाल गढ़वाल, प्यारेलाल गढ़वाल, धनराम सोनकी, फुलचंद गढ़वाल, हरीलाल गढ़वाल, रघुनाथ/ छन्नूलाल, ओंकारलाल गढ़वाल, मोतीलाल गढ़वाल, गरीबदास सोनकी, गनपत/ नंदलाल, दशरथ/ हरिलाल, हेमराज गढ़वाल, सेवा गढ़वाल, झालूराम/ शिवचरण, ईश्वर/ दुलार गढ़वाल, हीरालाल/ जियालाल, रोशनलाल/सेठू, पुंडलिक/गणपत, नानू/रोशन, उदेलाल गढ़वाल, मदन/ जगनलाल ग ढ़ वा ल , तीलाल धावेदर, मिकोटाल/शंकर, भगवत/बदन, दादू/मगराम, अजबीलाल/गुरू, गोरेलाल/ कल्लू आदि शामिल हैं।

कर्ज, क्राइम और करप्शन की सरकार है भाजपा-कुणाल

बालाघाट प्रवास पर पहुंचे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी

लालबर्रा में कार्यकर्ताओं ने गर्म जोशी से किया स्वागत-सत्कार, संगठित होकर काम करने का दिया मंत्र

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी शुक्रवार को अपने बालाघाट प्रवास के दौरान लालबर्रा पहुंचे। नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में दोपहर साढ़े तीन बजे किसान कांग्रेस कमेटी, कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारियों के द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी का आतिशबाजी एवं फुल-मालाओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। जिसके बाद श्री चौधरी विश्राम गृह में सभी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना और सभी को आगामी चुनावों के मद्देनजर एकजुट होकर पार्टी हित में कार्य करने का मंत्र दिया। वहीं केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वर्तमान में भाजपा की पहचान कर्ज, क्राइम और करप्शन की सरकार के रूप में बन गई है। चौधरी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान की नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को रसातल में धकेल दिया है। इस सरकार से किसान, गरीब, मध्यम वर्ग सभी परेशान है, सिर्फ झुठ बोलकर राज कर रही है। ऐसी सरकार को कांग्रेस पार्टी के हर विंग के पदाधिकारी संगठित होकर उन्हे सबक सीखाने के लिए तैयार है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे, उपाध्यक्ष दिनेश मरार, कांग्रेस कमेटी पूर्ण ब्लाक उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे, मनीष कुशवाहा, देवेश गौतम, दीपक तोमर, कमल शांडिल्य, ओपी बिसेन सहित किसान कांग्रेस, ब्लाक कांग्रेस सहित कांग्रेस पार्टी के अन्य विंगों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सरकार अपने वादे से मुकर रही है - चौधरी

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी ने बताया कि भाजपा सरकार के द्वारा यूएसए डील के माध्यम से किसानों के पेट पर लात और छाती पर गोली मारने का काम किया है। हमारे कार्यकर्ता, हमारे नेता राहुल गांधी जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सरकार की नीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे और इस सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। आगे बताया कि भाजपा सरकार एप्स स्टील फाइल के दबाव में जाकर जनता के मूल हितों को बेचने का काम कर रही है और देश के आर्थिक सामाजिक ढांचे को बेचने का काम कर रही है । हम सभी ने एकत्रित होकर संकल्प लिया है कि राहुल गांधी जी के नेतृत्व में देश में कांग्रेस की सरकार बनायेगें। श्री चौधरी ने बताया कि सरकार कहती कुछ है, करती कुछ है, गेहूं 2700 रूपये, धान 3100 रूपये प्रति क्विंटल खरीदी करने की बात कही थी परन्तु अब तक ना ही उन्हें बोनस मिला है, नहीं घोषणा के अनुसार समर्थन मूल्य। जबकि बालाघाट जिला धान का कटोरा कहलाता है और सरकार के द्वारा वादा पर वादा करके वोट ले लिया गया है और अपने वादे से मुकर रही है, वादे पूरा नहीं कर रही है। आगे बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान के हाथ किसानों के खून से रंगे हुए हैं भाजपा सरकार झूठ बोलो, बार-बार बोलो और जोर से बोलो की नीति अपनाती हैं ऐसी सरकार को अब सबक सीखाया जायेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हट्टा द्वारा ग्राम पंचायत खैरगाँव में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पीएमश्री शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे उपस्थित रहे। वहीं विशेष अतिथि के रूप में डॉ. कान्ता वर्मा (सहायक प्राध्यापक, शासकीय डिग्री कॉलेज लांजी) एवं डॉ. किशोरी लाल अहिरवार (सहायक प्राध्यापक, जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट) शामिल हुए। शिविरार्थियों ने गांव में रैली निकालकर जल है तो कल है और जल ही जीवन है जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से आमजन को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराया। इसके साथ ही विषय पर बौद्धिक चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें जल के संरक्षण और संवर्धन के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में शिविर नायक सुदेन्द्र छिपेकर सहित सुरभि रंगारे, स्वाति गौतम, दुर्गेश्वरी पारधी और श्रेया पंचेश्वर ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रेखा वानखेडे, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्री बी.आर. महंत, धुरन प्रसाद सौलखे एवं नरेश लिल्हारे सहित अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश देते हुए ग्रामीणों को जागरूक करने का सराहनीय प्रयास किया गया।

आयो लाल झूलेलाल के जयघोष से गुंजायमान हुआ नगर

उल्लास और परंपरा के साथ धूमधाम से मनाई गई भगवान झूलेलाल जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में स्थित गुरूनानक धर्मशाला में पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वाधान में शुक्रवार को झूलेलाल जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रात: १० बजे युवाओं के द्वारा प्रभात फेरी के माध्यम से बाईक रैली निकालकर नगर के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचे। जहां दोपहर १२ बजे भोग साहाब की पूजा अर्चना कर आरती के पश्चात भजन कीर्तन किया गया। इस दौरान केक काटने के बाद आयोजन समिति के द्वारा जनप्रतिनिधियों का शाल से सम्मान किया गया। जिसके बाद लंगर का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में स्वजातीय व गैर स्वजातीय बंधुओं ने उपस्थिति दर्ज करवाकर झूलेलाल और नानक देव का आशीर्वाद ग्रहण कर धर्म लाभ अर्जित किया। सिंधी समाज अध्यक्ष गिरधारी चिमनानी ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान झूलेलाल जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं। यह जयंती कार्यक्रम पांच दिवसीय आयोजन रखा गया था जिसमें सुबह प्रभात फेरी एवं सुबह-शाम आरती पूजन किया जाता रहा। आज विधिवत कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें सुबह बाइक रैली फिर भोग साहब कीर्तन और लंगर के पश्चात शोभायात्रा निकल कलश का विसर्जन किया गया है। समाज से अपील है कि वह भगवान झूलेलाल के संदेश पर अमल करें हर किसी को बराबर समझे। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत पदाधिकारी सदस्य सहित स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

बाइक रैली का हुआ आयोजन

सिंधी समाज के युवाओं के द्वारा झूलेलाल जयंती के अवसर पर सुबह १० बजे बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली गुरु नानक धर्मशाला से निकाली गई। यह रैली गुरु नानक धर्मशाला से सरस्वती स्कूल, दीनदयाल चौक, रामपायली चौक, गोलीबारी चौक, आंबेडकर चौक, सब्जी बाजार होते हुए बस स्टैंड पहुंची। जहां से वापस गुरु नानक धर्मशाला में रैली का समापन किया गया। इस दौरान यह रैली विभिन्न चौक चौराहों व गलियों का भ्रमण किया। रैली में डीजे पर बज रहे आयो लाल झूलेलाल सहित अन्य भजनों पर नगर में जगह जगह रैली को रोककर युवाओं के द्वारा जमकर नृत्य भी किया गया।

नगर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा

गुरुनानक धर्मशाला से शाम करीब ५ बजे लंगर कार्यक्रम के बाद भव्य शोभायात्रा बैंड बाजे की धुन पर निकाली गई। यह शोभायात्रा में बड़ी संख्या में सिंधी समाज व अन्य समाज के लोगों ने उपस्थिति दर्ज करवाई। जो नगर के जयस्तंभ चौक, नेहरू चौक, आंबेडकर चौक सहित विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण कर वापस कटंगी रोड़ होते हुए शोभायात्रा वार्ड नं ८ के चंदोरी तालाब पहुंची। जहां पर कलशों का विसर्जन कर शोभायात्रा का समापन किया गया।

जयंती में शामिल हुये विधायक पटेल

झूलेलाल जयंती कार्यक्रम में विधायक विवेक पटेल अपने कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए। जहां मत्था टेक कर नगर सहित क्षेत्र की सुख शांति की कामना की। इस दौरान विधायक विवेक पटेल ने क्षेत्रीयजनों को चैत्र नवरात्र, हिन्दु नववर्ष, गुडीपाड़वा एवं झुलेलाल जयंती की शुभकामनाएं दी।

पूर्व विधायक डॉ योगेन्द्र निर्मल ने दरबार में टेका मत्था

गुरुनानक धर्मशाला में आयोजित झूलेलाल जयंती में पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल शामिल हुए। जिन्होंने दरबार में अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर मत्था टेक कर नगर सहित क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि की कामना की। उन्होने सिंधी समाज के गणमान्य नागरिकों को झूलेलाल जयंती,नववर्ष एवं नवरात्र पर्व की शुभकामनाएं दी।

पूर्व मंत्री श्री जायसवाल ने भगवान झूलेलाल का लिया आशीर्वाद

झूलेलाल जयंती कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल अपने कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए। जहां पर उनके द्वारा समाज के आयोजन में उपस्थिति दर्ज कराकर भगवान झूलेलाल के सामने मत्था टेक कर आशीर्वाद ग्रहण किया गया। जिन्होंने नगर सहित क्षेत्र व प्रदेश में सुख शांति समृद्धि बनाए रखने की कामना कर उपस्थित लोगों को हिंदू नववर्ष, नवरात्र पर्व, झूलेलाल जयंती की बधाई दी।

वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी का बलिदान दिवस गौरवपूर्ण गरिमा के साथ मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। २० मार्च की सुबह १० बजे स्थानीय वीरांगना रानी अवंतीबाई स्टेडियम में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार सन् १८५७ के प्रथम स्वाधीनता संग्राम की अमर नायिका वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी का बलिदान दिवस बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम श्री लोधी महासभा के तत्वाधान में आयोजित किया गया। लोधी समाज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में समाज की एकता और राष्ट्रभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवा ध्वज के ध्वजारोहण से साथ किया गया तत्पश्चात वीरांगना रानी अवंतीबाई के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया गया। उपस्थित जनों ने रानी के अदम्य साहस और देश के लिए दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। वही इस बात पर जोर दिया कि रानी अवंतीबाई ने न केवल अंग्रेजों से लोहा लिया बल्कि मातृभूमि की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देकर नारी शक्ति का परचम लहराया। अध्यक्ष मोतीराम नगपुरे ने कहा कि रानी अवंतीबाई लोधी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका बलिदान दिवस हमें सामाजिक एकजुटता और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों की याद दिलाता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने समाज की उन्नति और राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मोतीराम नगपुरे अध्यक्ष श्री लोधी महासभा वारासिवनी, मानिक नगपुरे कार्यकारी अध्यक्ष, अजीत नगपुरे उपाध्यक्ष, विनोड नगपुरे कोषाध्यक्ष, मनोज लिल्हारे, रतनलाल बिरनवार, आई.डी. रनगिरे, थानेन्द्र नगपुरे, पी.एल. लिल्हारे, नत्थुलाल लिल्हारे सहित समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

खैरलांजी जनपद पंचायत परिसर में वीरांगना रानी अवंती बाई को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की महान नायिका वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस के अवसर पर २०मार्च को जनपद पंचायत परिसर स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे के मुख्य अतिथ्य सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने रानी अवंती बाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके अदम्य साहस और देशप्रेम को याद किया। कार्यक्रम की

शुरुआत रानी अवंती बाई की प्रतिमा की साफ-सफाई और पूजन अर्चन के साथ हुई। उपस्थित अतिथियों ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रानी अवंती बाई ने अंग्रेजों की दासता स्वीकार करने के बजाय रणक्षेत्र में लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनका बलिदान आज भी युवाओं को राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता है। रामकुमार नगपुरे ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर बलिदान दिवस पर हमने उन्हें याद किया हैं। १८५७ की क्रांति में रानी के ऐतिहासिक योगदान रहा और उनके साहसी नेतृत्व आज पूरे समाज के सामने है। हम चाहते हैं कि रानी अवंती बाई के आदर्शों को जीवन में उतारने और सामाजिक समरसता बनाए रखे। इस अवसर पर भारत सिंह शिवहरे, अजाब सिंह कृपगये, युवराज बघेले, रोशनलाल लिल्हारे, रामकुमार बहेटवार, विकास कृपगये, ज्ञानीजन लिल्हारे, देवेंद्र लिल्हारे, डिलेद्र पगरे, सुभाष क्षीरसागर, मुकेश बंसोड़, हरिकिशन हरिंनखेड़े, लक्ष्मण देव्हारे सहित अन्य सामाजिक प्रबुद्ध लोग उपस्थित रहे।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने विधायक विवेक पटेल को सौंपा ज्ञापन

शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को समाप्त करने शिक्षकों ने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शिक्षक समाज का दर्पण है जिनके बिना मनुष्य ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकता है। शिक्षकों के बिना छात्र कभी अपने मुकाम तक नहीं पहुंच सकता है मगर अब इन्हीं शिक्षकों को सरकार ने शिक्षक पात्रता परीक्षा देने का आदेश जारी कर दिया है। अपनी प्रतिष्ठा एवं सम्मान को ध्यान में रखते हुए वारासिवनी-खैरलांजी क्षेत्र के सैकड़ों की संख्या में शिक्षक शुक्रवार को वारासिवनी विधायक विवेक पटेल के जनसंपर्क कार्यालय पहुंचे। जहाँ शिक्षकों के द्वारा अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में विधायक विवेक पटेल को ज्ञापन सौपा गया वहीं शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की गई। वही उक्त संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारियां दी गई जिसमें शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से देखते हुए विधायक विवेक पटेल ने ड़ॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन भोपाल, राव उदय प्रताप सिंह स्कूल शिक्षा मंत्री मध्य प्रदेश शासन भोपाल को तत्काल पत्र लिखकर शिक्षक पात्रता परीक्षा समाप्त की मांग की गयी। ज्ञापन में संयुक्त मोर्चा ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय म. प्र. भोपाल के पत्र २ मार्च २०२६ के अनुसार २०११ के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया गया है जो न्याय संगत नहीं है व शिक्षकों की प्रतिष्ठा के खिलाफ है। शिक्षकों की प्रतिष्ठा एवं सम्मान को ध्यान में रखते हुये शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करवाने एंव शिक्षकों के हित में म.प्र. शासन द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करवाये। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

शिक्षक पात्रता परीक्षा नहीं होती समाप्त तो हमें इच्छा मृत्यु की अनुमति प्रदान करें - रोशनलाल नगपुरे

ब्लाक अध्यक्ष रोशनलाल नगपुरे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा करवाने जा रही है २००९ के पूर्व जितने शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। उन्हें शिक्षक पात्रता परीक्षा देना होगा नहीं तो नौकरी समाप्त की जायेगी। हमारी मांग है कि २००९ के पूर्व जो नियुक्त शिक्षक है उस समय की जो हमारी योग्यता शासन के मापदंड थे उसको पूरा करके ही हम शासकीय सेवा में आए है। अब हमें पुन: परीक्षा देना का क्या मतलब है ये हमारे मान सम्मान और प्रतिष्ठा का सवाल है हम नहीं चाहते कि हमें पुन:परीक्षा देनी पड़े। प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट में पुन: विचार याचिका दायर करे बाकी राज्यों ने जैसा किया है वैसा ही हमारी प्रदेश सरकार करे। शिक्षा विभाग में इस आदेश के बाद बहुत आक्रोश पनप रहा है सुप्रीम कोर्ट से हमारा निवेदन है कि अगर सरकार याचिका नहीं लगाती है तो हम सभी शिक्षकों को इच्छा मृत्यु के लिए हमें अनुमति प्रदान करे।

वरिष्ठता समाप्त कर 2018 की नियुक्ति बताने पर कैसी परीक्षा - प्रमोद पारधी

शिक्षक प्रमोद पारधी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा आदेश हुआ है कि २००९ के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता मुख्य रूप से देना होगा। वहीं एक तरफसरकार हमें २०१८ के शिक्षक मानती है १५ वर्षो की वरिष्ठता समाप्त कर दी गयी है। नियुक्ति दिनांक हमारा २०१८ मान लिया गया है जब हमें २०१८ के नियुक्त शिक्षक मान लिया गया है। तो फिर २००९ के पहले के शिक्षको या उनकी परीक्षा होना है। जिस परिस्थिति में उस समय वेकेंसी निकली शासन की जो भी व्यवस्था थी हमे नियुक्त किया गया था। उस समय कोई ऐसी परिस्थिति नहीं थी। अभी वर्तमान स्थिति में यह परीक्षा की बात लाकर हम शिक्षकों को विचलित कर दिया है। जो शिक्षक पेंशन की ओर जा रहा है उससे शासन हमें भटका रही है ध्यान हमारा परीक्षा की ओर कर दिया गया है जो शिक्षकों का अपमान है।

प्रदेश सरकार कर रही हमारे गुरुओं का अपमान - विवेक पटेल

विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि हमारे कई शिक्षक लगभग २०-२५ वर्षों से नौकरी कर रहे है। सरकार का आदेश है कि सभी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा देना होगा। जबकि सभी पूरा मापदंड पूरा करके ही सभी शिक्षकों का चयन किया गया है। सरकार जो शिक्षकों से परीक्षा लेना चाहती है ये हमारे गुरुओं का अपमान है। शिक्षक हमारा राष्ट्र निर्माता है शिक्षकों को पूरा सम्मान मिलना चाहिए। हमने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और स्कूल शिक्षा मंत्री रावउदय सिंह को पत्र लिखकर शिक्षक पात्रता परीक्षा को समाप्त करने की मांग की है।

सिहोर के लोहार समाज के डेरे वालो के साथ प्रदीप जायसवाल ने मां चिंदराई देवी की करी आराधना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। आदिशक्ती जगत जननी की आराधना का पर्व चैत्र नवरात्रि मे इस साल भी विशेष रूप से क्षेत्र मे सिहोर से पहुचे डेरे वालो ने विधि विधान से मां चिंदराई देवी मंदिर में आराधना की। लोहार समाज के डेरे वालो के विशेष निमत्रंण पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल भी इस अनुष्ठान मे शामिल होकर जयकारे लगाते नजर आये। गौरतलब है कि पिछले १५ साल से क्षेत्र मे आने वाले इन लोगो ने दोनो नवरात्रि मे मां चिंदराई देवी मंदिर मे विशेष पूजन कार्य का सिलसिला इस साल भी जारी रखा है। राजस्थानी संस्कृति की पहचान सिहोर म.प्र. से इस साल भी अनेको डेरे वाले जगह जगह अपनी कला की वस्तुये कुल्हाडी, कढाई, तवा आदि सामग्री विक्रय करने के लिये आये हुये है। खमरिया के निकट मां चिंदराई मंदिर मे नवरात्रि के दुसरे दिवस इन लोगो ने विशेष पूजन कर खीर पुडी का पकवान भी मातारानी के भोग के लिये बनाया। साथ ही भव्य भंडारे का भी आयोजन कर जस मंडली के साथ अपनी आराधना को सतत रूप से जारी रख इस जगह

के प्रति अपने भक्तिभाव व स्नेह को प्रदर्शित भी किया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने भी आराधना के बाद लंबे समय तक इन परिवार के सदस्यो से चर्चा की जिसमें वरिष्ठ सदस्य लाट सिंह सिहोर ने बताया की हम लोग लोहार समाज के सदस्य है। हम सभी जिला सिहोर म.प्र. के कुमेरेश्वर धाम क्षेत्र से हर साल आते है। पिछले १५ साल से आने के कारण हमारी मां चिंदराई देवी पर विशेष आस्था है। हमने चैत्र नवरात्रि पर आज अपनी आस्था का प्रदर्शन किया है। और हम अगली शारदीय नवरात्रि पर भी पुन इस मंदिर मे आकर मातारानी की स्तुति इसी अंदाज मे अवश्य करेगे। इस अवसर पर लाट सिंह, सीताराम घनपीटे, राहुल घनपीटे, देवकरण घनपीटे, छतरसिंह घनपीटे, बालुबाई घनपीटे, सजनबाई घनपीटे, विनय सुराना, संतोष आडे सहित अन्य मौजूद रहे।

गणगौर उत्सव भारतीय नारी श्रद्धा और सौभाग्य की अनुपम परंपरा

भारत की सांस्कृतिक परंपराएँ विविधता और आस्था का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती हैं। इन्हीं परंपराओं में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और लोकजीवन से गहराई से जुड़ा हुआ पर्व है गणगौर। यह उत्सव विशेष रूप से राजस्थान की पहचान माना जाता है, किंतु भारत के लगभग सभी प्रांतों में अलग-अलग नामों और रीति-रिवाजों के साथ इसे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। गणगौर का यह पर्व नारी के सौभाग्य, प्रेम, समर्पण और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना का प्रतीक है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय नारी की आस्था, विश्वास और सांस्कृतिक मूल्यों का जीवंत उदाहरण है। गणगौर शब्द दो भागों से मिलकर बना है—'गण' अर्थात भगवान शिव और 'गौर' अर्थात पार्वती। इस प्रकार यह पर्व शिव और पार्वती के पावन दांपत्य जीवन का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह उत्सव चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है, जिसे गौरी तृतीया भी कहा जाता है। इस दिन महिलाएँ विशेष रूप से माता पार्वती की पूजा करती हैं और उनसे अखंड सौभाग्य तथा सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद मांगती हैं। शास्त्रों और पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार एक बार भगवान शिव, पार्वती और नारद के साथ पृथ्वी लोक का भ्रमण कर रहे थे। भ्रमण के दौरान वे एक गांव में पहुँचे, जहाँ उस दिन चैत्र शुक्ल तृतीया का पावन दिन था। जब गाँव की स्त्रियों को यह ज्ञात हुआ कि स्वयं शिव और पार्वती उनके बीच आए हैं, तो वे अत्यंत प्रसन्न हुईं और उनका पूजन करने की तैयारी में जुट गईं। इस दौरान समाज की साधारण स्त्रियाँ बिना विलंब किए सरल भाव से पूजा की सामग्री लेकर पहुँच गईं, जबकि संपन्न वर्ग की स्त्रियाँ विस्तृत तैयारी में समय लगा रही थीं। पार्वती जी ने उन साधारण स्त्रियों की सच्ची भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद दिया। बाद में जब सुसज्जित स्त्रियाँ पूजन के लिए आईं, तब पार्वती जी ने उन्हें भी विशेष आशीर्वाद प्रदान किया।

इस कथा का सार यह है कि ईश्वर के समक्ष बाहरी आडंबर से अधिक महत्व सच्ची श्रद्धा और भक्ति का होता है। यही संदेश गणगौर पर्व के मूल में निहित है। एक अन्य कथा के अनुसार पार्वती जी ने इस दिन नदी तट पर स्नान कर बालू से शिवलिंग बनाकर उनकी पूजा की थी। उन्होंने यह पूजा एकांत में और शिव जी से छिपकर की थी, किंतु अंतर्यामी शिव ने उनकी इस निष्ठा को पहचान लिया और उन्हें अटल सौभाग्य का वरदान दिया। इसी कारण यह व्रत विशेष रूप से महिलाओं द्वारा किया जाता है और इसकी सभी विधियाँ महिलाएँ ही संपन्न करती हैं।गणगौर के दिन महिलाएँ विशेष रूप से सोलह श्रृंगार करती हैं और सुंदर वस्त्र एवं आभूषण धारण करती हैं। घर में एक पवित्र स्थान पर चौकोर वेदी बनाकर उसे हल्दी, चंदन, केसर और अन्य पवित्र सामग्रियों से सजाया जाता है। इसके बाद बालू या मिट्टी से गौरी अर्थात पार्वती की प्रतिमा बनाई जाती है। इस प्रतिमा को सुहाग की वस्तुओं जैसे काँच की चूड़ियाँ, सिंदूर, रोली, महावर आदि से सजाया जाता है और फल, फूल तथा नैवेद्य अर्पित किए जाते हैं। पूजा के दौरान महिलाएँ भजन-कीर्तन करती हैं और पार्वती जी की आराधना में लीन रहती हैं। इस दिन विशेष रूप से एक समय ही भोजन करने का विधान है, जो व्रत की पवित्रता और अनुशासन को दर्शाता है। पूजा के पश्चात महिलाएँ गौरी को अर्पित सिंदूर को अपनी मांग में भरती हैं, जो उनके सौभाग्य और वैवाहिक सुख का प्रतीक माना जाता है। गणगौर पर्व का एक सामाजिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। विवाह के बाद नवविवाहिता लड़की अपने मायके में पहला गणगौर मनाती है और वहाँ से 'वायना' के रूप में मिठाई, वस्त्र और सुहाग सामग्री ससुराल भेजती है। इसके बाद वह प्रत्येक वर्ष अपने ससुराल में यह पर्व मनाती है और अपनी सास को सम्मान स्वरूप भेंट देती है। इस परंपरा से परिवारों के बीच प्रेम, सम्मान और संबंधों की मधुरता बनी रहती है।

मन की पावनता और गुणों का महत्व मानव जीवन की सच्ची संपदा

मानव जीवन का वास्तविक मूल्य बाहरी वैभव, धन-संपत्ति या शक्ति से नहीं, बल्कि उसके भीतर विद्यमान गुणों से तय होता है। इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि संसार में अनेक शक्तिशाली शासक और आक्रान्ता हुए जिन्होंने अपनी ताकत के बल पर देशों को रौंदा, लोगों पर अत्याचार किए और भय का वातावरण बनाया। भारत की भूमि भी ऐसे आक्रमणों से अछूती नहीं रही। इतिहास के पन्नों में जब हम मोहम्मद गजनवी, मोहम्मद गोरी, नादिरशाह और तैमूरलंग जैसे आक्रांताओं के क्रूरतापूर्ण कार्यों को पढ़ते हैं, तो मन सिहर उठता है। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि कभी-कभी ऐसे क्रूर व्यक्तियों के जीवन से भी ऐसी घटनाएँ सामने आती हैं, जो हमें जीवन के गहरे सत्य की सीख दे जाती हैं।

तैमूरलंग के जीवन का एक प्रसंग इस सत्य को उजागर करता है। एक बार उसने दो मजबूत गुलामों को खरीदा और अपने दरबार में कवि अहमदी से उनकी कीमत पूछी। कवि ने मुस्कराकर कहा कि इनकी कीमत पाँच टके होगी। तैमूरलंग को यह सुनकर बहुत क्रोध आया, क्योंकि उसने उन्हें चार हजार अशर्फियों में खरीदा था। जब उसने अपनी कीमत पूछी तो कवि ने उसे दो टके बताया। यह सुनकर वह क्रोधित हो उठा, पर कवि ने शांत स्वर में कहा कि जो व्यक्ति अपनी बुराइयों का सामना नहीं कर सकता, वह दूसरों से भी कम मूल्य का होता है। यह बात सुनकर तैमूरलंग मौन हो गया। यह छोटी सी घटना हमें यह समझाती है कि मनुष्य का असली मूल्य उसके गुणों और उसके चरित्र से होता है, न कि बाहरी शक्ति से।

संसार में गुणों का महत्व सर्वोपरि है। जिस वृक्ष पर फल, फूल और पत्ते नहीं होते, उसका कोई विशेष महत्व नहीं होता। उसी प्रकार बाँझ गाय भी किसी के लिए उपयोगी नहीं मानी जाती। ठीक इसी तरह यदि मनुष्य के जीवन में गुणों का अभाव हो जाए तो उसका जीवन भी निरर्थक हो जाता है। मनुष्य की आत्मा को मूल्यवान बनाने के लिए सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र का होना आवश्यक है। यह तीनों तत्व जीवन को ऊँचा उठाते हैं और आत्मा को श्रेष्ठ बनाते हैं।

मनुष्य के जीवन की तुलना उस पक्षी से की जा सकती है जिसके पास उड़ने के लिए पंख होते हैं। यदि पक्षी के पंख ही न हों तो वह आकाश में उड़ान नहीं भर सकता। इसी प्रकार जीवन में यदि सही विचार और सही आचरण के पंख न हों तो मनुष्य भी आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक नहीं पहुँच सकता। जीवन की सफलता के लिए आत्मानुशासन और सद्गुणों का विकास अत्यंत आवश्यक है।

जीवन में गुणों का महत्व समझाने के लिए एक और उदाहरण दिया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति कुआँ खोदता जाए लेकिन उसमें पानी ही न निकले तो उसका सारा परिश्रम व्यर्थ हो जाता है। उसी प्रकार यदि कोई मनुष्य जन्म से लेकर मृत्यु तक लंबा जीवन जी ले, लेकिन उस जीवन में धर्म, सदाचार और आत्मचिंतन न हो, तो उसका जीवन भी बिना पानी के कुएँ के समान ही होता है। पानी के कारण ही कुएँ का अस्तित्व सार्थक होता है, उसी तरह गुणों के कारण ही मनुष्य का जीवन सार्थक बनता है।

आज का समय एक ऐसी विडंबना प्रस्तुत करता है जहाँ भौतिक प्रगति तो बहुत हो रही है, लेकिन मानवीय गुणों में कमी दिखाई दे रही है। मनुष्य तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ता जा रहा है, परंतु उसके भीतर की मानवता कहीं कमजोर पड़ती जा रही है। यही कारण है कि आज समाज में स्वार्थ, छल-कपट, हिंसा और ईर्ष्या जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ती दिखाई देती हैं। जब मानवता कमजोर पड़ती है तो दानवता सिर उठाने लगती है। इसलिए आज के समय में यह और भी आवश्यक हो गया है कि मनुष्य अपने भीतर झाँककर अपने गुणों को विकसित करे। मानवीय गुण धीरे-धीरे विकसित होते हैं। जैसे एक-एक ईंट जोड़कर मंदिर का निर्माण होता है, वैसे ही एक-एक सद्गुण को अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन को महान बना सकता है। सत्य, करुणा, दया, सहिष्णुता, संयम और विनम्रता जैसे गुण मनुष्य को ऊँचा उठाते हैं। इन गुणों को अपनाने से जीवन में स्थायी सुख और शांति प्राप्त होती है।

गुणों की प्राप्ति के लिए स्वाध्याय का बहुत महत्व है। अच्छे ग्रंथों का अध्ययन और महापुरुषों की वाणी का श्रवण मनुष्य के विचारों को पवित्र बनाता है। महान चिंतकों ने भी पुस्तकों के महत्व को स्वीकार किया है। एक बार प्रसिद्ध विचारक इमर्सन से किसी ने पूछा कि यदि उन्हें स्वर्ग जाने का अवसर मिले तो वे क्या तैयारी करेंगे। उन्होंने उत्तर दिया कि वे अपनी सारी पुस्तकें साथ ले जाएंगे ताकि वहाँ भी उनका समय ज्ञान अर्जित करने में लगे। यह कथन बताता है कि ज्ञान और स्वाध्याय मनुष्य के जीवन को ऊँचा उठाने का सबसे महत्वपूर्ण साधन हैं।

मानव जीवन का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि मनुष्य को अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए। समय किसी का इंतजार नहीं करता। जो व्यक्ति समय रहते अपने जीवन को सुधार लेता है वही महान बनता है। इसलिए मनुष्य को अपना समय परनिंदा, आलस्य और व्यर्थ की बातों में नष्ट नहीं करना चाहिए। संत तुलसीदास ने भी कहा है कि परनिंदा के समान बड़ा पाप कोई नहीं है। सच्चा मनुष्य वही है जो अपने समय को ज्ञान, साधना और सद्गुणों के विकास में लगाता है।

मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुखों की प्राप्ति नहीं है। धन, वैभव और ऐश्वर्य क्षणभंगुर होते हैं। इनसे स्थायी सुख प्राप्त नहीं होता। वास्तविक सुख आत्मिक शांति में होता है। जब मनुष्य अपने भीतर झाँककर अपने आत्मस्वरूप को पहचानता है तब उसे सच्चा आनंद मिलता है। यही आत्मिक सुख जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

मनुष्य को यह भी समझना चाहिए कि उसका मन ही उसके जीवन का सबसे बड़ा साधन है। यदि मन शुद्ध और शांत रहेगा तो जीवन भी सुखी और शांत रहेगा। लेकिन यदि मन में बुरे विचार और नकारात्मक भाव भर जाएँ तो जीवन अशांत हो जाता है। इसलिए मन की शुद्धि अत्यंत आवश्यक है।

मन को शुद्ध रखने के लिए आत्मानुशासन जरूरी है। प्राचीन ऋषियों और मुनियों ने मन और आत्मा की शुद्धि के लिए अनेक मार्ग बताए हैं। उन्होंने कहा है कि मनुष्य को अशुभ भावों को त्यागकर शुभ भावों को अपनाना चाहिए। क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे दोष मन को अशांत बनाते हैं, जबकि दया, क्षमा और प्रेम जैसे गुण मन को पवित्र बनाते हैं। मन की शुद्धि को समझाने के लिए एक रोचक उदाहरण दिया जाता है। एक व्यक्ति नदी में स्नान करने के बाद माला जप रहा था। उसके सामने एक फकीर भी माला फेर रहा था, लेकिन वह माला को उलटी दिशा में फेर रहा था। जब उस व्यक्ति ने इसका कारण पूछा तो फकीर ने कहा कि जब वह दुनिया की अच्छाइयों को अपने भीतर ग्रहण करता है तो माला को अंदर की ओर फेरता है और जब वह अपने मन की बुराइयों को बाहर निकालना चाहता है तो माला को बाहर की ओर फेरता है। इस उदाहरण का अर्थ यह है कि मनुष्य को जीवन की अच्छाइयों को अपने भीतर उतारना चाहिए और बुराइयों को बाहर निकाल देना चाहिए।

अंतत: यही कहा जा सकता है कि मनुष्य का जीवन तभी सार्थक बनता है जब वह अपने भीतर के गुणों को विकसित करता है। बाहरी उपलब्धियाँ क्षणिक होती हैं, परंतु अच्छे गुण मनुष्य को सदा महान बनाते हैं। यदि मनुष्य अपने जीवन में अच्छाइयों को अपनाए और बुराइयों को त्याग दे, तो उसका जीवन वास्तव में पवित्र और सफल बन सकता है। यही मन की पावनता और गुणों की महत्ता का वास्तविक संदेश है।

- कांतिलाल मांडोत

बच्चों के नैसर्गिक विकास पर सोशल मीडिया का ग्रहण

बच्चों पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर राज्यसभा में गंभीर चिंता व्यक्त की गई है । सांसद मिलिंद देवड़ा ने अपने वक्तव्य में बताया कि राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के अनुसार, 2022 में भारत में लगभग 13,000 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की, जो 2013 की तुलना में लगभग दोगुनी संख्या है। यही नहीं आज भारत में कुल आत्महत्याओं में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी विद्यार्थियों की है। याद रहे 4 फरवरी को गाजियाबाद में 12, 14 और 16 वर्ष की तीन बहनों ने आत्महत्या कर ली। बताया गया कि यह घटना ऑनलाइन खेलों की लत से जुड़ी थी।

आपको पता है कि इंटरनैट के जमाने में हर चीज मोबाइल फोन पर उपलब्ध होने के कारण सोशल मीडिया का महत्व बहुत बढ़ गया है और लोग बड़े पैमाने पर इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे जहां उपयोगी जानकारी मिलती है वहीं इस पर उपलब्ध अनुचित और अश्लील सामग्री बच्चों के लिए हानिकारक भी सिद्ध हो रही है।स्कूल हो या घर, हर जगह बच्चे मोबाइल का इस्तेमाल करते रहते हैं। सोशल मीडिया का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों की मानसिक स्थिति पर बुरा असर डाल रहा है और बच्चों में नींद की कमी भी देखी गई है। यह बच्चों में डिप्रैशन, चिंता और तनाव उत्पन्न करने का कारण भी बन रहा है।

भारत में सोशल मीडिया प्लेटफार्म के उपयोगकर्ताओं में लगभग एक-तिहाई किशोर हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 2010 के बाद किशोरों में अवसाद और आत्महत्या के मामलों में तेज वृद्धि देखी गई, ठीक उसी समय जब एक कंपनी फेसबुक ने युवाओं को आक्रामक रूप से अपने मंच की ओर आकर्षित करना शुरू किया।

सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अधिक समय बिताने के कारण बच्चों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है तथा माता-पिता के साथ उनकी दूरी एवं स्वभाव में हिंसक प्रवृत्ति बढ़ने के साथ-साथ एकाग्रता में कमी आ रही है।

सोशल मीडिया की लत से बच्चों को बचाने की खातिर आस्ट्रेलिया, इंगलैंड, मलेशिया, स्पेन, नार्वे, जर्मनी, इटली व चीन तथा चंद अन्य देशों ने भी बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लागू कर दिए हैं।

इसी सिलसिले में फ्रांस सरकार ने भी 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की कवायद शुरू कर दी है। देश की नैशनल असैम्बली ने इससे संबंधित बिल को स्वीकृति दे दी है। इसे देश में 1 सितम्बर, 2026 से शुरू होने वाले आगामी शिक्षा सत्र से लागू कर दिया जाएगा।

आंकड़े बताते हैं कि भारत के लगभग 27 प्रतिशत किशोरों में सोशल मीडिया प्लेटफार्म की लत के लक्षण दिखते हैं। इसके साथ-साथ पढ़ाई में गिरावट, चिंता और आत्मविश्वास की कमी भी देखी जा रही है। उन्होंने सदन में कहा कि एक सर्वेक्षण के अनुसार महानगरों में लगभग 33 प्रतिशत बच्चे साइबर उत्पीड़न का सामना करते हैं। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, किशोरों से जुड़े हिंसक अपराधों की हिस्सेदारी 2016 में 32 प्रतिशत थी, जो 2022 तक बढ़कर लगभग 50 फीसदी के करीब पहुंच गई।

आपको बता दें कि फ्रांस ने 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और विद्यालयों में मोबाइल फोन पर भी रोक लगाई है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया बैन लगाने के कड़े फैसला लिया गया ऑस्ट्रेलिया ने इसे 16 वर्ष से कम आयु तक सीमित किया है। हाल ही में इंडोनेशिया ने भी किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई है और ऐसा करने वाला वह एशिया का पहला देश बन गया है। स्पेन और जर्मनी भी इसी दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का कहना है कि हमारे बच्चों के दिमाग बिकाऊ नहीं हैं। बच्चों की मानसिक और भावनात्मक सेहत को उन कम्पनियों के भरोसे पर नहीं छोड़ा जा सकता जिनका उद्देश्य सिर्फ लाभ कमाना है। वहीं स्वीडन के कोरोलिंस्का इंस्टीट्यूट ने ऑरेगन हेल्थ एंड साइंस यूनिवर्सिटी के साथ एक अध्ययन किया गया कि बच्चे कितने समय तक अलग-अलग डिजिटल एक्टिविटी करते हैं. स्टडी में भाग लेने वाले बच्चों ने एवरेज 2.3 घंटे टीवी या ऑनलाइन वीडियो देखे, 1.4 घंटे तक सोशल मीडिया यूज किया और 1.5 घंटे तक वीडियो गेम्स खेलें. इन से एकाग्रता बुरी तरह से प्रभावित है।

भारत में पहले से ही डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण ढांचा मौजूद है, जिसमें 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए अभिभावकों की सत्यापित सहमति जैसे प्रावधान हैं। लेकिन हमें इससे आगे बढ़कर सोशल मीडिया कंपनियों को और अधिक जवाबदेह बनाना होगा। बता दें कि पिछले कुछ समय से भारत में नाबालिगों द्वारा सोशल मीडिया पर अश्लील और हिंसा को बढ़ावा देने वाली सामग्री देख कर बलात्कार जैसी वारदातें करने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं 23 अक्तूबर, 2025 को जोधपुर (राजस्थान) में 3 वर्षीय बच्ची से बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने एक किशोर को गिरफ्तार किया। आरोपी के मोबाइल की जांच करने से पता चला कि उसने वारदात करने से पहले 15-20 अश्लील वीडियो देखे थे।

6 फरवरी, 2026 को बदायूं (उत्तर प्रदेश) के दातागंज में 8 और 14 साल की उम्र के 2 लड़कों को मोबाइल फोन पर अश्लील वीडियो देखने के बाद एक 6 साल की बच्ची से सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया।13 फरवरी, 2026 को रीवा (मध्य प्रदेश) में कुरकुरे दिलवाने के बहाने अपनी 6 वर्षीय बहन से बलात्कार करने के आरोप में एक 14 वर्षीय नाबालिग को पुलिस ने हिरासत में लिया।7 मार्च, 2026 को हाथरस (उत्तर प्रदेश) में जंगल में चारा लेने गई चौथी क्लास की छात्रा को मोबाइल फोन पर अश्लील सामग्री देखने के आदी 2 लड़के बेर देने अपने साथ ले गए और उससे बलात्कार कर डाला। दोनों लड़कों को पुलिस ने पकड़ लिया है।इस तरह की घटनाओं को देखते हुए 6 मार्च, 2026 को आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की सरकारों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और ऐसा कदम उठाने वाले ये देश के पहले 2 राज्य बन गए हैं।

आंध्र व कर्नाटक सरकारों द्वारा उक्त प्रतिबंध लगाने से बच्चों के चारित्रिक पतन को किसी सीमा तक रोकने में सहायता मिलेगी। सरकार की ओरसे करवाए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 10-15 साल के 96 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते थे और उनमें से 10 में से सात हानिकारक कंटेंट के संपर्क में आए थे. इसमें महिलाओं के प्रति नफरत और हिंसक सामग्री के साथ-साथ खाने की बीमारियों और आत्महत्या को बढ़ावा देने वाला कंटेंट भी शामिल था. अब तक 10 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बैन लागू करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, थ्रेड्स, टिकटॉक, ट्विच, एक्स, यूट्यूब, किक और रेडिट शामिल हैं. ऐसे में बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए यह कदम बहुत ही सराहनीय है.अत: सभी राज्यों में इस तरह के कानून को तुरंत सख्तीपूर्वक लागू करने और उस पर अमल सुनिश्चित करवाने की जरूरत है, ताकि बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

- मनोज कुमार अग्रवाल

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस, 21 मार्च 2026 पर विशेष

सृष्टि संतुलन के लिये वनों की पुकार सुननी होगी

21 मार्च को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस केवल एक प्रतीकात्मक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती की ओर संकेत करने वाला अवसर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2012 में इस दिवस की घोषणा इस उद्देश्य से की गई थी कि विश्व समुदाय वनों के महत्व को समझे, उनके संरक्षण के लिए संगठित प्रयास करे और प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़े। आज जब पृथ्वी अभूतपूर्व पर्यावरणीय संकटों से जूझ रही है, तब इस दिवस की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। वर्ष 2026 की थीम वन और भोजन यह स्पष्ट करती है कि वन केवल हरित आच्छादन नहीं, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के मूल स्तंभ हैं।

वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन अपने चरम पर है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है। इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वैश्विक तापवृद्धि को नियंत्रित करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और मृदा अपरदन को रोकते हैं। इसके बावजूद, विडंबना यह है कि मानव अपनी तात्कालिक आवश्यकताओं और आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में वनों का अंधाधुंध दोहन कर रहा है। यही कारण है कि आज वन महोत्सव जैसे आयोजनों की आवश्यकता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक जागरण के रूप में महसूस की जा रही है।

वनों की उपयोगिता का दायरा केवल पर्यावरणीय संतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक जीवन से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 2026 में प्रस्तावित वनों और अर्थव्यवस्था थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि वन सतत आर्थिक विकास के आधार हैं। लाखों लोगों की आजीविका सीधे तौर पर वनों पर निर्भर है। लघु वनोपज, औषधीय पौधे, रेजिन, गोंद, शहद और बांस जैसे उत्पाद न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके साथ ही, इको-टूरिज्म के माध्यम से भी रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। इस प्रकार वन एक ऐसे आर्थिक संसाधन के रूप में सामने आते हैं, जो विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं। वनों का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। विशेष रूप से स्वदेशी और आदिवासी समुदायों के लिए वन जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी परंपराएँ, आस्थाएँ और जीवनशैली वनों से ही संचालित होती हैं। वन उनके लिए केवल संसाधन नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार हैं। इसी कारण, वन संरक्षण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक संरक्षण का भी विषय है। वन महोत्सव जैसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर इस साझा जिम्मेदारी का बोध कराते हैं कि वनों की रक्षा केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।

भारत के संदर्भ में वनों का महत्व और भी अधिक व्यापक और बहुआयामी है। यहाँ वन केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक हैं। भारतीय परंपरा में वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। पीपल, वट और नीम जैसे वृक्ष केवल जैविक इकाइयाँ नहीं, बल्कि जीवनदायी शक्ति के रूप में पूजे जाते हैं। भारत की समृद्ध जैव विविधता वनों पर ही निर्भर है, और इसका संरक्षण देश की पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। वन देश की जलवायु को संतुलित रखने, वर्षा चक्र को नियंत्रित करने और कृषि उत्पादन को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में वनों की उपयोगिता का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि वे ग्रामीण और आदिवासी जीवन की आधारशिला हैं। देश के लाखों लोग अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर हैं। भोजन, ईंधन, चारा और औषधीय आवश्यकताओं की पूर्ति वनों के माध्यम से होती है। इसके अतिरिक्त, वन जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे नदियों और जल स्रोतों का अस्तित्व बना रहता है। आज जब देश के कई हिस्सों में जल संकट गहराता जा रहा है, तब वन संरक्षण की आवश्यकता और भी अधिक स्पष्ट हो जाती है।

वर्तमान शासनकाल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वन संरक्षण और हरित विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। हरित भारत मिशन के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य देश के वन क्षेत्र को बढ़ाना और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना है। नमामि गंगे परियोजना के माध्यम से नदियों के किनारे वृक्षारोपण कर जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास किए गए हैं। इसके साथ ही, कैम्पा फंड के प्रभावी उपयोग से वन पुनर्स्थापन और संरक्षण कार्यों को गति मिली है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में भी हरित आवरण बढ़ाने के लिए मियावाकी पद्धति को प्रोत्साहित किया है, जिससे छोटे-छोटे स्थानों में घने वन विकसित किए जा रहे हैं। इन पहलों के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान समय में विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ लेकर चलने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार की नीतियाँ यह दर्शाती हैं कि यदि सही दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि इन प्रयासों में जनसहभागिता को और अधिक बढ़ाया जाए, क्योंकि वनों की सुरक्षा केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक प्रयासों से ही सुनिश्चित की जा सकती है।

अंतत: वन महोत्सव और अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस हमें यह संदेश देते हैं कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना ही मानव सभ्यता की स्थिरता का आधार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम वनों को केवल संसाधन के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें अपने जीवन का अभिन्न अंग मानें। जब तक यह दृष्टिकोण विकसित नहीं होगा, तब तक पर्यावरणीय संकटों का समाधान संभव नहीं है। यदि हम सचमुच अपने भविष्य को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें वनों की रक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। यही वन महोत्सव की वास्तविक सार्थकता है और यही अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस का मूल संदेश भी।

-ललित गर्ग

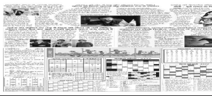

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। शुक्रवार को भी खाद्य तेलों में बाजार तेजी के बने रहे। किराना जिंसों में कारोबार ठंडा-ठंडा ही रहा। चेटीचंड के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा सामान्य ही है। आयातित मालों में बनी तेजी से भावों में सुर्खी रही। किराना जिंसों में कारोबारी सुस्ती रही। चेटीचंड के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4080-4130, खोपरा गोला 330-380, खोपरा बूरा 3800-7000 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 280-290, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 880-920, सिंगापुरी 820-840, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1500-1700, बेस्ट 1700-1800, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1750-1770, मुम्बई 1780, राजकोट तेलिया 2750, सोया साल्वेंट 1395-1400, सोया रिफाइंड 1465-1470, कपास्या 1360-1370, धूलिया 1390-1400, कड़ी 1400,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1730, मुम्बई पाम 1430, मुम्बई सोया 1450-1460,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6600, रायडा 5700-5900, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5550-5600, एवरेज 5350-5400, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5760-5800, एवरेज 5600-5700, मूंग देशी 8100-8200, पाला 8200-8300, चमकी 8300-8400, नायलोन 8300-8400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 239000, चॉंदी (99) 238000, टंच 237500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151000,

रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर आया

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 71 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.60 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 19 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 93.08 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला। हालांकि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक शुरुआत ने मुद्रा में और अधिक गिरावट को कुछ हद तक रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 92.92 पर खुला। हालांकि जल्द ही और गिरावट के साथ यह 93 के स्तर से नीचे चला गया तथा 93.08 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे कम है। रुपया बुधवार को 92.89 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 100.25 पर रहा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 325.72 अंक बढ़कर 74,532.96 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.35 अंक बढ़कर 23,114.50 पर बंद हुआ था। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं आज बाजार में आईटी और पीएसयू बैंकिंग शेयरों में तेजी रही। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2.17 फीसदी और निफ्टी पीएसयू बैंक 2.07 फीसदी बढ़कर लाभ में रहे। निफ्टी फार्मा 1.99 फीसदी , निफ्टी हेल्थकेयर 1.89 फीसदी , निफ्टी मेटल 1.45 फीसदी , निफ्टी कमोडिटीज 1.28 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.96 फीसदी बढ़कर बंद हुए। वहीं निफ्टी रियल्टी 0.93 फीसदी , निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.73 फीसदी , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस 0.68 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.52 फीसदी की गिरावट के साथ बंद

हुआ। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 363.20 अंक बढ़कर 54,855.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14.35 अंक उछलकर 15,718.60 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, ट्रेंट, टाइटन, एनटीपीसी, सनफार्मा, एचसीएल टेक, इटरनल, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, भारती एयरटेल और अदाणी पोर्ट्स के शेयर लाभ में रहे जबकि एचडीएफसी बैंक, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और एलएंडटी के शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स 790.56 अंक बढ़कर 74,997.80 पर खुला। वहीं ?निफ्टी भी 208.05 अंक चढ़कर 23,210.20 के स्तर पर पहुंच गया। । यह गिरावट पिछले 21 दिनों की सबसे बड़ी एकदिवसीय गिरावट रही। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि संघर्ष जल्द समाप्त हो सकता है और ईरान की सैन्य क्षमताएं कमजोर हो चुकी हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इजरायल अब बिजली ढांचे को निशाना नहीं बनाएगा। वहीं डोनाल्ड ट्रम्प ने स्पष्ट किया कि अमेरिका फिलहाल किसी भी क्षेत्र में सैनिक नहीं भेज रहा है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों को राहत, केंद्र ने रिलीफ योजना की मंजूर

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और सुरक्षा चिंताओं के कारण भारतीय निर्यातकों को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास जोखिम बढ़ने से जहाजों को लंबा मार्ग अपनाना पड़ रहा है, ट्रांसशिपमेंट हब पर भीड़ बढ़ी है और युद्ध-जोखिम बीमा शुल्क में भारी वृद्धि हुई है। इन परिस्थितियों में निर्यात लागत बढ़ने और शिपमेंट में अनिश्चितता पैदा होने लगी है। इन समस्याओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने रिलीफ (रिसिलेंस एंड लाजिस्टिक्स इंटरवेंशन फार एक्सपोर्ट फेसिलेसन) योजना को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य प्रभावित निर्यातकों को वित्तीय और जोखिम सुरक्षा प्रदान करना है। योजना के पहले घटक के तहत, जिन निर्यातकों ने पहले से ईसीजीसी बीमा कवर लिया हुआ है, उन्हें 14 फरवरी से 15 मार्च 2026 के बीच भेजे गए माल पर मौजूदा कवर के ऊपर 100 प्रतिशत अतिरिक्त जोखिम सुरक्षा मिलेगी। इससे पहले से बीमित शिपमेंट को पूर्ण सुरक्षा मिल सकेगी। दूसरे घटक में, 16 मार्च से 15 जून 2026 के बीच निर्यात की योजना बना रहे निर्यातकों को ईसीजीसी कवर लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवधि में उन्हें मौजूदा कवर के ऊपर 95 प्रतिशत तक अतिरिक्त जोखिम सुरक्षा दी जाएगी, जिससे अनिश्चित परिस्थितियों में भी निर्यात जारी रह सके। तीसरे घटक के तहत, ऐसे एमएसएमई निर्यातकों को राहत दी जाएगी जिन्होंने बीमा नहीं लिया, लेकिन बढ़े हुए मालभाड़े और बीमा शुल्क का सामना किया। उन्हें 50 प्रतिशत तक लागत की प्रतिपूर्ति दी जाएगी, जिसकी सीमा प्रति निर्यातक 50 लाख रुपये तय की गई है।

रसोई गैस बुकिंग में नए नियम लागू, बुकिंग के समय में किया गया बदलाव

नई दिल्ली। एजेंसी। अब रसोई गैस सिलेंडर की बुकिंग पूरे दिन नहीं होगी। ग्राहकों को केवल दो तय समय स्लॉट में ही बुकिंग करनी होगी। सुबह 5 बजे से 7 बजे और रात 8 बजे से 12 बजे के बीच कॉल या मैसेज स्वीकार किए जाएंगे। सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक लगभग 13 घंटे बुकिंग की सुविधा बंद रहेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि सिलेंडर खत्म होने से पहले अलार्म लगाना समझदारी भरा कदम है। नई व्यवस्था में बुकिंग केवल तभी स्वीकार की जाएगी जब आपके पिछले सिलेंडर की डिलीवरी को कम से कम 25 दिन बीत चुके हों। यदि इस अवधि से पहले बुकिंग करने की कोशिश करेंगे, तो सिस्टम इसे रिजेक्ट कर देगा। इसका उद्देश्य सिलेंडर वितरण में व्यवधान को कम करना और सभी ग्राहकों तक समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। गैस कंपनियों ने डिजिटल माध्यमों से बुकिंग को सरल बनाया है। विभिन्न कंपनियों ने डिजिटल माध्यमों से बुकिंग को काफी सरल बना दिया है। भारत गैस के ग्राहक 1800224344 पर व्हाट्सऐप के जरिए एचआई भेजकर सिलेंडर मंगवा सकते हैं। इसी तरह इन्डेन गैस के लिए 75888-88824 पर रिफिल लिखकर और एचपी गैस के लिए 92222-01122 पर बुक लिखकर मैसेज करना होगा। अगर आप सामान्य एसएमएस का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो भारत गैस के लिए 77150-12345 और इन्डेन के लिए 77189-55555 पर अपना संदेश भेजकर कन्फर्मेशन प्राप्त कर सकते हैं। जिन लोगों के पास इंटरनेट नहीं है या जो व्हाट्सऐप इस्तेमाल नहीं करना चाहते, उनके लिए मिस्ड कॉल की सुविधा भी मौजूद है। भारत गैस के लिए 77180-12345, इन्डेन के लिए 84549-55555 और एचपी गैस के लिए 949360-22222 पर केवल एक कॉल देकर आप अपनी बुकिंग दर्ज करा सकते हैं। अगर आपको सिलेंडर मिलने में परेशानी हो रही है या कोई अन्य शिकायत है, तो आप टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों का सहारा ले सकते हैं। इन्डेन और एचपी गैस के लिए 18002333555 और भारत गैस के ग्राहकों के लिए 1800224344 नंबर जारी किया गया है।

मेष- आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहेगा। हालांकि सेहत में थोड़ा उतार-चढ़ाव बना रह सकता है, लेकिन फिर भी आप अपने कामों को पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ पूरा करने की कोशिश करेंगे। संतान के भविष्य को लेकर मन में कुछ चिंता रह सकती है, जिसके कारण आप किसी बड़े निवेश के बारे में भी सोच सकते हैं। कोई करीबी परिजन आपके सामने निवेश से जुड़ा कोई नया प्रस्ताव रख सकता है।

वृषभ- आज का दिन भाग्य के दृष्टिकोण से आपके लिए अच्छा साबित होगा। जीवनसाथी के साथ चल रही दूरियां कम होंगी और रिश्ते में फिर से मधुरता आएगी। आप दोनों साथ में कहीं घूमने-फिरने का भी कार्यक्रम बना सकते हैं। हालांकि माता-पिता की भावनाओं का सम्मान करना भी जरूरी रहेगा, इसलिए उनसे कोई ऐसी बात न कहें जिससे उनका मन आहत हो।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रह सकता है। हालांकि आपकी कोई मनोकामना पूरी होने से मन प्रसन्न रहेगा। काम के सिलसिले में आपको कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। संतान की पढ़ाई को लेकर कुछ चिंता हो सकती है, ऐसे में उनके शिक्षकों से सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सामान्य से बेहतर रहेगा। हालांकि आय से ज्यादा खर्च होने के कारण मन थोड़ा परेशान रह सकता है। दोस्तों और सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे कई काम आसान हो जाएंगे। अपनी आय बढ़ाने के नए रास्तों पर भी ध्यान देना जरूरी रहेगा। मेहनत से किए गए काम ही आपको सफलता दिलाएंगे, इसलिए दूसरों पर ज्यादा निर्भर न रहें। कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी, लेकिन किसी अजनबी से अपनी निजी या जरूरी जानकारी साझा करने से बचें।

सिंह- आज आपको लेन-देन के मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। यदि ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से मतभेद चल रहा था, तो वह भी दूर हो सकता है। घर में पूजा-पाठ या किसी धार्मिक आयोजन का माहौल बन सकता है। कुछ कामों को लेकर आप थोड़ा परेशान रह सकते हैं, लेकिन भाइयों का सहयोग आपको राहत देगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सामान्य लेकिन संतोषजनक रहेगा। आय में बढ़ोतरी होने से मन खुश रहेगा और आप अपने जरूरी खर्च भी आसानी से कर पाएंगे। परिवार में शांति और सौहार्द का माहौल बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके सुझाव आपके बॉस को पसंद आ सकते हैं, जिससे आपकी सराहना भी होगी। हालांकि पड़ोस में किसी बात को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए उसमें पड़ने के बजाय शांत रहना ही समझदारी होगी।

तुला- आज का दिन आर्थिक दृष्टि से आपके लिए अच्छा साबित होगा। आप अपने अधूरे कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। नौकरी करने वाले लोगों को किसी बड़े फैसले को लेने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार करना होगा। विद्यार्थी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और किसी प्रतियोगिता में भी हिस्सा ले सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सामान्य से बेहतर रहेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को नई पहचान मिल सकती है और सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। आपकी प्रतिष्ठा और साख में वृद्धि होगी। संतान आपसे किसी चीज की मांग कर सकती है, जिसे आप खुशी-खुशी पूरा करेंगे।

धनु- आज आय में बढ़ोतरी होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप किसी मनोरंजन कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं और परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। यदि किसी जरूरतमंद की मदद करने का अवसर मिले, तो पीछे न हटें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही से बचना होगा, वरना आगे चलकर उन्हें अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए सामान्य लेकिन प्रगति देने वाला रहेगा। यदि आपका कोई सरकारी काम लंबे समय से अटका हुआ था, तो उसके पूरे होने की संभावना है। आपके नए प्रयास भी अच्छे परिणाम दे सकते हैं। आप अपने अटके हुए धन को वापस पाने की कोशिश करेंगे और इसमें सफलता भी मिल सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखने के लिए बजट बनाकर चलना जरूरी रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अपनी आय और खर्च के बीच संतुलन बनाकर चलना होगा। छोटे बच्चों के लिए आप कोई उपहार या जरूरी सामान खरीद सकते हैं। व्यापार में अच्छे लाभ मिलने के संकेत हैं। यदि आप किसी निवेश के बारे में सोच रहे हैं, तो विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। प्रॉपर्टी से जुड़े नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं, जो भविष्य में अच्छा लाभ दे सकते हैं। भाई-बहनों का सहयोग भी आपको पूरा मिलेगा। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करना जरूरी रहेगा और आपको घर और बाहर दोनों जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाकर चलना होगा। पार्टनरशिप में कोई नया काम शुरू करने की योजना भी बन सकती है, जो आपके लिए लाभदायक साबित होगी।

शब्दजाल - 8204

अ	क	ल	इं	दि	रा	गां	धी	इं	ल	ज
र	ट	ल	दे	व	गौ	ड़ा	इं	द्र	ट	वा
त	स	ल	ल	र्म	छ	मो	रा	कु	ख	ह
च	ज	ज	बि	पु	र	रा	प	मा	ली	र
म	र	दो	ग	हा	लं	र	तू	र	झ	ला
न	क	ण	प	ह	री	जी	ना	गु	घ	ल
मो	अ	स	सिं	या	प	दे	श	ज	ला	ने
ह	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ह
न	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
सिं	पा	ला	ल	ब	हा	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	बा	द	प	न

शब्द जाल में भारत के 10 प्रधानमंत्रियों के नाम नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

जवाहरलाल नेहरु, लालबहादुर शास्त्री, चरण सिंह, मोरारजी देसाई, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटलबिहारी, मनमोहन सिंह, इंद्रकुमार गुजराल, देवगौडा

शब्दजाल - 8203 का हल

स	म	र	यु	दो	प	र	तू	ग	झ	दो
ज	अ	ल	प	मु	रिं	शो	ना	दि	शा	आं
अं	इ	नु	म	ल	दा	ल	ध	र	ला	खें
ती	कु	दा	रा	धा	ब	क	प	रि	श	बा
स	ति	श	न्न	धा	क	ब	री	ग	वी	र
री	रं	ल	प	व	लि	र्त	ऐ	ती	प	ह
क	गा	ल	श	गा	प	म	त्रां	कौ	या	हा
स	बा	अ	र्जा	त	क	छ	प्प	ग	श	थ
म	स	मि	तें	व	न	ज	मृ	शा	जू	द
द	र	ल	श	ह	र	औ	र	स	प	ना
थो	झ	सा	रु	बा	घ	ब	हा	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.45 बजे से
चंद्र	मेष में	मेष	07.19 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	08.59 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	10.57 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.11 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.27 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	17.39 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	19.50 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.04 ब.से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		धनु	00.20 बजे से
		मकर	02.25 बजे से
		कुंभ	04.12 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 80 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** तृतीया 23.57 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 00.38 बजे रात्र को समाप्त। **योग** इन्द्र 19.01 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 13.15 बजे तदनन्तर गर 23.57 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 1.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 00° 09' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872655 **जूलियन दिन** 2461120.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 01 **विशेष** गौरी पूजा, गणगौर तीज, मत्स्य जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः समानता का पाठ

यह घटना उस समय की है जब फ्रांस में हेनरी चतुर्थ का शासन था। हेनरी चतुर्थ सभी नागरिकों को एक समान मानते थे और उनमें अमीरी-गरीबी, ऊंच-नीच आदि के आधार पर भेदभाव नहीं करते थे। मगर उनके दरबारी और अधिकारी इस बात को पसंद नहीं करते थे कि सम्राट सभी को समान मानते हुए उनको सम्मान दें। एक बार हेनरी चतुर्थ अपने अधिकारियों के साथ किसी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में उन्हें एक भिक्षुक मिला। भिक्षुक ने बड़ी विनम्रता से अपना हैट उतारा और सिर झुकाकर सम्राट का अभिवादन किया। सम्राट ने भिक्षुक के अभिवादन का ठीक उसी तरह विनम्रता के साथ सिर झुकाकर उत्तर दिया। सम्राट का यह व्यवहार उनके एक अधिकारी को अच्छा नहीं लगा। वह तुरंत उनसे बोला, 'महामहिम, किसी साधारण भिक्षुक को उसके अभिवादन का इस प्रकार उत्तर देना आपको शोभा नहीं देता। यदि आप एक भिक्षुक को भी इस प्रकार उत्तर देंगे तो राजशाही की गरिमा को ठेस पहुंचेगी।' अधिकारी की बात सुनकर सम्राट हंस पड़े। फिर उन्होंने कहा, 'बंधु, सभ्यता और संस्कार यही बताते हैं कि हमें प्रत्येक व्यक्ति के साथ विनम्र रहना चाहिए और यदि सम्राट ही सबके साथ विनम्रता व शालीनता से पेश नहीं आएगा तो फिर प्रजा उसके साथ आदर से कैसे पेश आएगी? याद रखना, प्रजा भी अपने राजा का तभी आदर करती है जब राजा उसके साथ पूर्ण आदर व प्रेम दर्शाए। लोगों को यह लगना चाहिए कि सत्ता उनके साथ है। वह उनसे दूर नहीं है। राजशाही का अर्थ नागरिकों को आतंकित करना नहीं, बल्कि उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा करना है। यह तभी हो सकता है जब राजा और उसके समस्त अधिकारियों का व्यवहार सामान्य लोगों से मधुर और सौहार्दपूर्ण हो। फिर हम सभी मानव पहले हैं और राजा या भिक्षुक बाद में। सबको एक समान समझकर ही राजा अपनी प्रजा के साथ न्याय कर सकता है।' हेनरी चतुर्थ का जवाब सुनकर अधिकारी लज्जित हो गया और उसने सम्राट से माफी मांगी।

फिल्म वर्ग पहेली- 7148

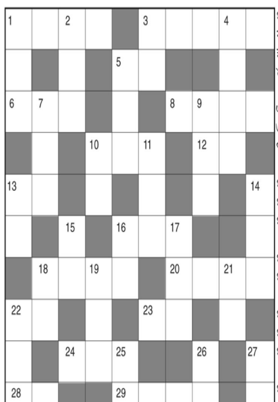

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 7147

पि	या	का	घ	र		ए	ल	ओ	सी
ता	श		र		घा	त		म	
	ना	च		चाँ		श	खी		फ
रो		मे	हं	दी		ज		खा	की
श	मीं	ली		सो	च		श		रा
नी			ब	ना	र	सी	बा	बू	
	ग	द	र		स		ना	म	
बा	ज		सा	थी		मि			अं
जा	ल		त		दि	ल	का	श	जा
र		माँ		मि	ल	न			म

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7457

★★★✯☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7456 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 8672

बाएँ से दाएँ

1. पैगंबर, खुदाई रहनुमा-4
4. कारगुजारी, करिश्मा-4
7. दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9. गहराई-2
10. राय, वोट-2
12. आलीशान, उदार-3
14. नकारना, इंकार करना-2,3
15. चोरी करना-2,3
17. राशन, खाद्य सामग्री-3
19. गन्ना-2
21. हर रोज, प्रतिदिन-2
23. वाद्य बजाने वाला-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
25. जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26. महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, हर पल, सदैव-4
2. जनता, लोक-2
3. द्रव पदार्थ-3
4. नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5. और, एवं-2
6. मन भटकाना-4
11. झगड़ा, कहासुनी-4
13. कोमलता-4
14. राजी करना-3
15. सहखिलाड़ी-4
16. चौकीदार, प्रहरी-4
18. कीचड़ -4
20. नगद राशि-3
22. पानी से सराबोर-2
24. थोड़ा, जरा-2

शब्द पहेली -8671 का हल

	त	ल	वा	र		वि		
	क		द्य		अ	रा	ज	क
क	रा	र		क	प	ट		हा
	र	ज	त		ना		आं	सु
अ		क	मी	ना	प	न		नी
चा	बी		ज		न	ज	ला	
न		स	वा	ल		र	ज	त
क	र	ब	ला		आ		वा	
		ल		अ	स	बा	ब	

Jagrutidaur.com, Bangalore

पौसेरा में ट्रांसफार्मर जला: सौ से अधिक घरों में दो सप्ताह से अंधेरा, बच्चों की पढ़ाई और पेयजल व्यवस्था प्रभावित

ट्रांसफॉर्मर बदलने की मांग को लेकर ग्रामीण पहुंचे बिजली ऑफिस

पद्मेश न्यूज। लांजी।

क्षेत्र के ग्राम पौसेरा में पिछले दो सप्ताह से ट्रांसफार्मर जलने के कारण लगभग सौ से अधिक घरों में अंधेरा छाया हुआ हैं। गांव में 63 केवीए क्षमता वाले ट्रांसफार्मर के जल जाने से पूरी बिजली सप्लाई बाधित हो गई है।ग्रामीण भीषण उमस भरी गर्मी और अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। बिजली न होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। रात में मच्छरों और उमस से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।कई परिवारों को पेयजल और मोबाइल चार्जिंग जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए दूसरे स्थानों पर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से कई बार शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्युत नहीं होने से फसलो को बचाने के लिए समस्या खड़ी हो गई है, तो दूसरी ओर खराब व जले हुए ट्रांसफार्मर से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच गई है। इन दिनों पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं मिलने, केबल एवं ट्रांसफार्मर नहीं मिलने से काश्तकारों व घरेलू उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ रही है। समस्या को लेकर ग्राम के ग्रामीण 20 मार्च को सुबह लगभग 11 बजे दो दर्जन से अधिक ग्रामीण अपनी समस्या को लेकर बिजली विभाग तक पहुंच गए। जानकारी अनुसार लांजी तहसील अंतर्गत आने वाले पौसेरा पंचायत के जरहाटोला गांव में विद्युत ट्रांसफार्मर जल जाने से ग्रामीणों को अंधेरे में जीने को विवश कर दिया है। बीते पन्द्रह दिन पूर्व गांव का विद्युत ट्रांसफार्मर जल गया है। जिसकी सूचना बिजली विभाग को दिए जाने के बावजूद विभाग के तरफ से किसी तरह का पहल नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में जरहाटोला गांव के ग्रामीणों एवं पौसेरा पंचायत के मुखिया कृष्णा पांचे द्वारा बिजली विभाग के सहायक विद्युत अभियंता को लिखित आवेदन देकर गांव में जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाने की गुहार भी लगाई गई है।

किसानों को पड़ रहा है आर्थिक भार

ग्राम पौसेरा के किसानों ने बताया कि खेतो में सब्जी मिर्च और रबी धान की फसल लगाने के लिए व पौध तैयार करने के लिए अब तक करीब 40 हजार रुपए तक खर्च कर दिए है। इसी प्रकार धान की पौध तैयार करने के लिए भी एक किसाने ने कीटनाशक सहित करीब 30 हजार रुपए लगा पौध तैयार कर खेतो मे लगाई है। लेकिन ट्रांसफार्मर नहीं मिलने से फसलें सूख रही है। किसान पर आर्थिक भार बढ़ रहा है।

अवंती साधना मंच द्वारा आज मनाया जाएगा गौरव दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। अवंती साधना मंच प्रतिवर्ष विरांगना रानी अवंती बाई की पुण्यतिथि को लांजी क्षेत्र में गौरव दिवस के रुप में मनाती आ रही साथ ही प्रतिवर्ष लोधी समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों और समाज का गौरव बढ़ाने वाले शख्सियतों का सम्मान करती है। इसी तारतम्य में इस वर्ष भी विरांगना रानी अवंती बाई के पुण्यतिथि आज 21 मार्च को क्षेत्र के ग्राम बड?गंव (म) अवंती चौक में 21 मार्च को गौरव दिवस सह प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन प्रात: 10 बजे से किया गया है। उक्त कार्यक्रम लोकेश लिल्हारे कमिश्नर आईआरएस, राजकुमार कराहे विधायक लांजी-किरनापुर, रमेश भटेरे पूर्व विधायक लांजी के मुख्यातिथ्य, माधोलाल लिल्हारे वरिष्ठ नागरिक बड?गंव की अध्यक्षता, उदयसिंह नागपुरे प्रदेश उपाध्यक्ष लोधी महासभा मप्र, अनंतलाल दमाहे राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक, विजय बघेल, एसके गिरिया, अमर बसेना की प्रमुख अतिथि, राजा लिल्हारे, रेखा कालबेले, वेदप्रकाश लिल्हारे, विजय मस्करे, ढोंढुलाल लिल्हारे, श्रीमती माही भगत, धर्मेंद्र सिंह बैस, सोहन उपराड़े, नरेंद्र लिल्हारे, डॉ अशोक लिल्हारे, चुमेश लिल्हारे, ओमप्रकाश सिरसे, बीएल लिल्हारे, मीना दशरिया, ज्योति ईश्वर उमरे समेत अन्य के विशिष्ट आतिथ्य में होगा। जानकारी में बताया गया कि उक्त कार्यक्रम में ऐसे प्रतिभावान विद्यार्थी जिन्होंने समाज का गौरव बढ़ाया हो उन्हें सम्मानित किया जाएगा। जिनमें दसवीं और बारहवी कक्षा के विद्यार्थी जिन्होंने 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किया हो साथ ही किसी भी क्षेत्र में उपलब्धि हासिल किया हो उन्हें भी सम्मानित किया जाएगा।

इन्होंने की अपील

उक्त कार्यक्रम में पहुंचने की अपील अवंती साधना मंच के अध्यक्ष ऋषि पटेल, उपाध्यक्ष टोमेश्वर बापुरे, खेमराज मच्छिरके, सचिव कृष्णकुमार लिल्हारे, कोषाध्यक्ष विजय कुमार दशरिया, तोषण मस्करे, सोहन उरोड़े, प्रमोद धामने,आयोजन ग्राम समिति रामेश्वर लिल्हारे, भरत लिल्हारे, लालजी लिल्हारे, रामप्रसाद चिखले, मनोहर चिखले, चंद्रशेखर लिल्हारे के अलावा अन्य पदाधिकारियों और समाज के लोगों ने की है।

नवरात्र पर सुभाष चौक में श्री राम सीता व हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित कर की जा रही पूजा अर्चना

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्म नगरी लांजी में बेटा बचाओं राष्ट्रीय अभियान एवं समस्त श्री राम भक्तों के द्वारा नवरात्रा के पावन अवसर पर नगर के हृदय स्थल सुभाष चौक लांजी में भव्य श्री राम जी, माता जानकी एवं श्री हनुमान जी महाराज की प्रतिमा स्थापित कर पूजन अर्चन किया जा रहा है। यह पहली बार हुआ होगा जब कि नवरात्रा के पावन पर्व पर श्री राम दरबार की स्थापना नगर में की जाकर विधि विधान से पूजन अर्चन एवं धार्मिक आयोजन किये जा रहे। इस लिये भी यह प्रतिमाऐं आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है क्योंकि सभी प्रतिमाओ के लिये अयोध्या धाम उत्तरप्रदेश की पावन भूमि से मिट्टी लाकर सभी विराजित प्रतिमाओं का निर्माण उक्त समिति के द्वारा करवाया गया है। आकर्षिक साज सज्जा एवं भव्य पण्डाल के भी प्रभु श्रीराम, माता जानकी एवं प्रभु श्री हनुमान जी के साथ विराजे है। पण्डाल परिसर में आगामी 9 दिनों श्रीराम नवमी तक विशेष पूजन अर्चन भजन संध्या, महाआरती का आयोजन किया जा रहा है साथ ही रोजाना महाप्रसाद भी समिति के द्वारा वितरित किया जा रहा है। साथ ही अयोध्या धाम की पावन धरा से लाई हुई मिट्टी भी दर्शनार्थियों को भेंट की जा रही है। बेटा बचाओं राष्ट्रीय अभियान के अध्यक्ष ईश्वर उमरे एवं सचिव तथा जिला पंचायत सदस्य ज्योति उमरे के द्वारा बताया गया कि इस संपूर्ण कार्यक्रम का मुल उद्देश्य नशा मुक्त राम राज्य का महा संकल्प, नशा हटाओं सिंदूर बचाओं, नशा एक अभिशाप है खुशियों का विनाश है आओ इस जड़ से मिटाये यही प्रभु श्रीराम की आस है। इन सभी संकल्पो के साथ उक्त श्रीराम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उक्त आयोजनो में उपस्थिती की अपील समस्त धर्म प्रेमी गणो से अभियान के पदाधिकारियों के द्वारा की गई है।

वीरांगना रानी अवंती बाई स्कूल, लांजी में मनाया गया 168वां गौरव दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 की वीरांगना और प्रथम महिला शहीद रानी अवंती बाई लोधी के 168वें बलिदान दिवस को गौरव दिवस के रूप में वीरांगना रानी अवंती बाई स्कूल लांजी में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। रानी अवंती बाई लोधी का जन्म 16 अगस्त 1831 को मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के मनकेहणी गांव में हुआ था। वे एक साहसी और वीर बालिका थीं, जिन्होंने बचपन से ही तलवारबाजी और घुड़सवारी सीखी। विवाह के बाद रामगढ़ रियासत (वर्तमान डिंडोरी-मंडला क्षेत्र) की महारानी बनीं। 1857 के संग्राम में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ कुशल युद्ध कौशल दिखाया, अपनी सेना का नेतृत्व किया और कभी अंग्रेजों के हाथ नहीं आईं। अंत में 20 मार्च 1858 को लड़ते-लड़ते वीरगति प्राप्त की और अमर शहीद बनीं। उनके बलिदान को समाज गौरव दिवस के रूप में याद करता है। कार्यक्रम का शुभारंभ रानी अवंती बाई के छायाचित्र पर अतिथियों, शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण से हुआ। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक रानी अवंती बाई पर आधारित देशभक्ति गीत, लोकगीत, भाषण और उनकी जीवनी प्रस्तुत की। स्कूल के प्रधान पाठक विजय कुमार कुशले ने बच्चों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि छोटे से गांव मनकेहणी में जन्मी अवंती बाई ने अपने शौर्य, वीरता और साहस से मंडला दुर्ग की महारानी बनकर 1857 के संग्राम में अंग्रेजों को चुनौती दी। वे नारी शक्ति का आदर्श हैं और उनके बलिदान से देशभक्ति की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री हिरेसिंग सैय्याम, अध्यक्ष अनिल उइके, गणमान्य नागरिक नोहरसिंह पुसाम, खेमराज मस्करे, श्रीमती सोनू डोंगरे सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं कु. पुनम नेवारे, श्रीमती प्रेमकुमारी तिडके, कु. दीक्षा कुशले, मनिषा जाम्भूरे, सुहानी सोलंकी, आंचल भण्डारकर, पूजा बल्लारखेडे, रिया भोण्डेकर, श्रीमती ज्योति भण्डारकर और श्रीमती बिन्देश्वरी किरमे ने सक्रिय योगदान दिया।

कोटेश्वर बस्ती ने मनाया वर्ष प्रतिपदा उत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लांजी की कोटेश्वर बस्ती शाखा में वर्ष प्रतिपदा उत्सव मनाया गया। जिसमें सर्वप्रथम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक परम पूज्यनीय डॉ केशवराव बलिराम पंत हेडगेवार जी को

आद्य सरसंघचालक प्रणाम किया गया। तत्पश्चात विजय रामटेककर संघ चालक के मुख्यातिथ्य में तथा मुख्य वक्ता योगेन्द्र दहीकर खंड कार्यवाह की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता द्वारा वर्ष प्रतिपदा उत्सव पर डॉ. हेडगेवार जी के जीवन (जन्म से मृत्यु तक) पर प्रकाश डाला गया, साथ ही प्रतिपदा का महत्व बताते हुए प्रकृति के साथ, आध्यात्मिकता के साथ तथा नक्षत्रों के साथ कैसा संयोग है विस्तार से बताया। सभी स्वयं सेवकों को हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं तिलक वंदन कर प्रसादी वितरण के साथ दी गई। इस दौरान कोटेश्वर बस्ती शाखा के सभी स्वयं सेवक उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान का भव्य शुभारंभए तालाब की सफाई और प्याऊ का हुआ प्रारम्भ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद के द्वारा मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया। जिसमे स्थानीय शंकर तालाब में स्वच्छता श्रमदान के साथ हुआ। इस अवसर पर अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने तालाब के किनारे उगी खरपतवार की छंटाई की और जल संरचना की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। वही भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल व्यवस्था के अंतर्गत तहसील कार्यालय परिसर में सार्वजनिक प्याऊ प्रारंभ किया गया। इसका विधिवत शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा जल ही जीवन का आधार है। इसके संरक्षण और स्वच्छता के लिए हम सभी को एकजुट होकर जिम्मेदारी निभानी होगी। मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 19 मार्च से 30 जून तक चलने वाले इस अभियान के लिए दैनिक गतिविधि कैलेंडर तैयार कर लिया गया है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने जल संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखने की शपथ ली। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जल स्रोतों में कचरा न डालें और इस पुनीत अभियान में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, पार्षद संदीप मिश्रा, मनोज दांदरे, मदनलाल धार्मिक, एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, नायब तहसीलदार तीरथप्रसाद अक्षरिया, उपयंत्री श्रीमती अंशिका सिंह चौहान सहित नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

अब पंचायतें करेंगी एकल नल-जल योजनाओं का संचालन और संधारण

मप्र पंचायत ग्रामीण नल जल योजना संचालन-संधारण एवं प्रबंधन नीति को मंजूरी

भोपाल। जल जीवन मिशन के तहत अब ग्रामीण क्षेत्रों में एकल नल-जल योजनाओं का संचालन और संधारण ग्राम पंचायतें करेंगी। इस नई नीति के तहत, पंचायतें नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने, बिजली बिल भुगतान, पंपमैन/वाल्वमैन की नियुक्ति और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगी, जिसका उद्देश्य योजना को टिकाऊ बनाना है। इसके लिए सरकार ने मप्र पंचायत (ग्रामीण नल जल योजना संचालन-संधारण एवं प्रबंधन नीति)-2026 को मंजूरी दे दी है। इसमें एकल नल-जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण के संबंध में प्रावधान किए गए हैं। बता दें कि केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की डेडलाइन मार्च, 2024 रखी थी। चूंकि इस अवधि में अधिकतर राज्यों में जल जीवन मिशन का काम पूरा नहीं हो पाया। इस कारण केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन 2.0 के रूप में पुनर्गठित कर देश में मिशन की अवधि दिसंबर, 2028 तक बढ़ा दी है।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली के निर्देश पर दस महीने की लंबी कवायद के बाद प्रदेश में एकल नल जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण का मामला सुलझ गया है। गुजरात की तर्ज पर मप्र में भी जल जीवन मिशन के अंतर्गत एकल नल-जल योजनाओं के संचालन एव संधारण की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों की होगी। इसमें एकल नल-जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण के संबंध में प्रावधान किए गए हैं। नई नीति के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक समिति गठित की जाएगी, जो एकल नल-जल योजनाओं की पूरी जिम्मेदारी संभालेगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने नई नीति को मंजूरी मिलने के बाद इसके क्रियान्वयन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। जल जीवन मिशन में दो तरह की योजनाओं (एकल और समूह नल-जल) पर काम चल रहा है। प्रदेश में एकल नल-जल योजनाओं की संख्या 28 हजार से ज्यादा है। एकल नल-जल योजनाओं का 97 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। अप्रैल तक एकल नल-जल योजनाओं का काम पूरा कर लिया जाएगा। समूह नल-जल योजनाओं की कुल संख्या 147 है। समूह नल-जल योजनाओं का करीब 68 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। समूह नल-जल योजनाओं का काम पूरा करने की डेडलाइन मार्च, 2027 निर्धारित है।

दो विभागों में फंसा था मामला

आधिकारिक जानकारी के अनुसार पिछले साल मई से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के शीर्ष अधिकारियों के बीच एकल नल-जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण को लेकर सहमति नहीं बन पा रही थी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग चाहता था कि एकल नल-जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण की पूरी जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपी जाए, जबकि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एक अलग एजेंसी गठित कर उसे एकल नल-जल योजनाओं के मेंटेनेंस का काम सौंपने की बात कह रहा था। इसके बाद यह मामला मुख्य सचिव के पास पहुंचा। फिर दोनों विभागों के मंत्रियों के बीच इस मुद्दे पर चर्चा हुई, पर बात नहीं बनी। इसके बाद अगस्त, 2025 में यह मामला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास पहुंचा। उन्होंने मुख्य सचिव, दोनों विभागों के मंत्रियों और अफसरों के साथ बैठक कर इस संबंध में जरूरी निर्देश दिए।

गुजरात के फॉमूले को अपनाया जाएगा

आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि पीएचई और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग इस दिशा में आगे की कार्रवाई कर रहे थे कि गत जनवरी में दिल्ली (जल शक्ति मंत्रालय) से निर्देश आ गए कि गुजरात की तर्ज पर मप्र में एकल नल-जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण की पूरी जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपी जाए, क्योंकि गुजरात में ग्राम पंचायतें इस काम को सफलतापूर्वक कर रही हैं। सूत्रों का कहना है कि भाजपा शासित अन्य राज्यों में भी ग्राम पंचायते ही एकल नल-जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण का काम संभालेंगी। इसके बाद फरवरी में कैबिनेट ने मप्र पंचायत (ग्रामीण नल जल योजना संचालन संधारण एवं प्रबंधन नीति)-2026 को मंजूरी दे दी। दरअसल, जल जीवन मिशन की पॉलिसी में स्पष्ट प्रावधान है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद समूह नल-जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी 10 साल तक संबंधित ठेकेदार की होगी, लेकिन एकल नल-जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण को लेकर पॉलिसी में कोई प्रावधान नहीं है।

संगठन को धार देने की तैयारी में जुटी कांग्रेस

- पार्टी ने जिला स्तर पर शुरू किया विस्तार

भोपाल। दिल्ली में हुई अहम बैठक के बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस ने संगठन विस्तार की प्रक्रिया तेज कर दी है। लंबे इंतजार के बाद अब जिला कार्यकारिणी की घोषणा शुरू हो गई है और नवरात्र के अंदर अधिकांश जिलों में नई टीम सामने आ जाएगी। दो दिन तक चली मंथन बैठक में संगठन को मजबूत करने की रणनीति तय हुई। इसके तुरंत बाद जिला कार्यकारिणी घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पार्टी नेतृत्व ने साफ संकेत दिए हैं कि अब देरी बर्दाश्त नहीं होगी।

जिला अध्यक्षों की नियुक्ति तो पहले ही हो चुकी थी, लेकिन कार्यकारिणी घोषित न होने से सवाल उठ रहे थे। कुछ जिलों में सूची जारी हुई भी, लेकिन पदों की संख्या ज्यादा होने पर उन्हें निरस्त करना पड़ा। अब नई गाइडलाइन के तहत संतुलित टीम बनाई जा रही है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक नवरात्रि के भीतर अधिकांश जिलों की कार्यकारिणी घोषित कर दी जाएगी। इसे आगामी चुनावों की तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है। जबलपुर ग्रामीण, श्योपुर, कटनी शहर और बड़वानी जिलों की नई कार्यकारिणी घोषित की जा चुकी है। ये नियुक्तियां प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर की गई हैं।

जमीनी स्तर पर भी संगठन मजबूत

संगठन विस्तार के तहत 88 नगर अध्यक्ष और 21 मंडल अध्यक्षों की भी नियुक्ति की गई है। इसका मकसद बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करना है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और संगठन प्रभारी हरीश चौधरी लगातार प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। उनका फोकस बूथ स्तर पर नेटवर्क मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर है।

छठे राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष बने जयभान सिंह पवैया

भोपाल। जयभान सिंह पवैया को मध्य प्रदेश के छठे राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार ने नियुक्ति के साथ उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया है। यह फैसला राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पवैया लंबे समय से सक्रिय राजनीति में अपेक्षाकृत कम दिखाई दे रहे थे, इसके बाद उनकी यह नियुक्ति एक अहम वापसी के रूप में देखी जा रही है। बात दें कि पवैया ग्वालियर से लोकसभा सांसद रह चुके हैं और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। उनके साथ आयोग में पूर्व आईएएस के.के. सिंह को सदस्य और विधानसभा के पूर्व एडिशनल सेक्रेटरी वीरेंद्र कुमार को सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है। वीरेंद्र कुमार वित्त विभाग में भी महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। यह राज्य सरकार द्वारा आयोगों और संस्थाओं में की गई पहली प्रमुख राजनीतिक नियुक्ति मानी जा रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि सरकार अनुभव और प्रशासनिक दक्षता के संतुलन पर जोर दे रही है। यह आयोग राज्य के वित्तीय संसाधनों के वितरण और स्थानीय निकायों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

निकाय चुनाव के लिए सालभर पहले कांग्रेस तलाशेगी संभावित प्रत्याशी

- 2022 के चुनाव में कई निकायों में प्रत्याशी नहीं मिले थे

भोपाल । मध्य प्रदेश में नगरीय निकाय के चुनाव वर्ष 2027 में होने हैं। पिछले चुनावों के अनुभव से सबक लेते हुए प्रदेश कांग्रेस सालभर पहले यानी अभी से संभावित प्रत्याशी की तलाश करेगी। आरक्षण की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रत्याशी तलाशे जाएंगे। इस काम में मोहल्ला, पंचायत और वार्ड समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इनके द्वारा जो नाम प्रस्तावित किए जाएंगे, उन्हें गुण-दोष के आधार पर ब्लाक और जिला कांग्रेस परखेगी। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा। यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि वर्ष 2022 के चुनाव में कई निकायों के लिए पार्टी को प्रत्याशी ही नहीं मिले थे और भाजपा के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए थे। यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जनता का मूड पता चल जाएगा।

वर्ष 2022 में हुए नगरीय निकाय चुनाव में पहली बार कांग्रेस के पांच महापौर (मुरैना, ग्वालियर, छिंदवाड़ा, जबलपुर और रीवा) चुने गए थे। ग्वालियर, चंबल और छिंदवाड़ा क्षेत्र में कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में बढ़त भी मिली थी। चूंकि, नगरीय निकायों के चुनाव से प्रदेश में एक प्रकार से चुनावों की शुरुआत हो जाएगी, इसलिए पार्टी इन्हें गंभीरता से ले रही है। संगठन सृजन अभियान के तीसरे चरण में मंडल, पंचायत, वार्ड और फिर मोहल्ला समितियां का गठन किया जा रहा है। यह पार्टी की बूथ पर मोर्चा संभालने वाली इकाइयां होंगी। इसके साथ-साथ पार्टी ने अभी से नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की तैयारी भी प्रारंभ करने की कार्ययोजना बनाई है। नगरीय निकाय चुनाव दलीय आधार पर होते हैं इसलिए प्रत्याशी चयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। तय किया गया है कि मोहल्ला स्तर तक समितियां गठित होने के बाद इस दिशा में काम प्रारंभ कर दिया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि हमने दो साल में बूथ स्तर तक संगठन के सशक्तीकरण का काम किया है। निकाय चुनाव के लिए प्रत्याशी पहले ही तय कर लेंगे।

निकाय चुनाव के लिए भी प्रभारी होंगे नियुक्त

सूत्रों का कहना है कि एक साल पूर्व प्रत्याशियों को तलाशने के अलावा प्रत्याशियों का भी पैनल रहेगा ताकि कोई टूट-फूट होती है तो भी विकल्प मौजूद रहे। दरअसल, पिछले चुनाव में नाम वापसी के बाद कुछ प्रत्याशी मैदान से हट गए थे जिसके कारण कांग्रेस के पास निर्दलीयों को समर्थन देने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं रह गया था। इसका परिणाम यह हुआ कि पार्टी के अन्य प्रत्याशी भी माहौल खराब होने के कारण हार गए थे। पार्टी पदाधिकारी का कहना है कि नगरीय निकाय चुनाव के लिए अलग से प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे। इनका काम केवल नगरीय निकाय चुनाव पर फोकस करने का रहेगा। स्थानीय विधायक, पूर्व विधायक और प्रदेश पदाधिकारी को एक एक निकाय की जिम्मेदारी से की जाएगी। कांग्रेस के जगत प्रताप सिंह जबलपुर और मुरैना से शारदा सोलंकी महापौर चुने गए थे। दोनों भाजपा में शामिल हो गए।

आदिवासी क्षेत्रों में कांग्रेस की नई रणनीति

- कथा वाचक मोहित नागर की एंट्री से धार्मिक-सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश

भोपाल। मध्य प्रदेश में चुनावी सरगर्मियों के बीच कांग्रेस ने आदिवासी क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। झाबुआ के प्रसिद्ध कथा वाचक मोहित नागर ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उन्हें भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पार्टी की सदस्यता दिलाई। कांग्रेस में शामिल होने के बाद मोहित नागर ने आदिवासी समाज को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज सनातन का अनुयायी है। उन्होंने यह भी दावा किया कि वे अब तक 10 से 15 हजार आदिवासियों को दीक्षा दे चुके हैं और आदिवासी क्षेत्रों में नियमित रूप से भागवत कथाएं करते हैं। उन्होंने अपने बयान में रामचरितमानस का उल्लेख करते हुए कहा कि जैसे माता शबरी ने भगवान राम का इंतजार किया, वैसे ही आदिवासी समाज की आस्था भी गहरी और जुड़ी हुई है। राजनीतिक रूप से इस घटनाक्रम को कांग्रेस की एक सुनियोजित रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि पार्टी आदिवासी वोट बैंक को साधने के लिए धार्मिक और सामाजिक प्रभाव वाले चेहरों को साथ जोड़ रही है। मोहित नागर का प्रभाव खासतौर पर झाबुआ, अलीराजपुर, डिंडोरी और आगर मालवा जैसे आदिवासी बहुल जिलों में माना जाता है, जहां वे लंबे समय से धार्मिक आयोजनों के जरिए सक्रिय रहे हैं।

अग्निवीर भर्ती के लिए इस बार रिकॉर्ड आवेदन

भोपाल। भारतीय सेना में अग्निवीर बनने का प्रदेश के 10 जिलों के युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। ऐसा इसलिए कहा जा सकता है कि इस साल अग्निवीर भर्ती के लिए होने वाले ऑनलाइन आवेदनों की संख्या ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अब तक ऑनलाइन आवेदन की संख्या 27 हजार 356 तक पहुंच गई है। एक अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन होंगे यानी अब भी 13 दिन शेष हैं। सेना भर्ती कार्यालय के आंकड़े बताते हैं कि इस बार ग्वालियर और चंबल अंचल के युवाओं में सेना की वर्दी के प्रति दीवानगी और बढ़ रही है।

अग्निवीर के प्रति बढ़ते रुझान से सेना के अधिकारी भी उत्साहित हैं। इस साल सेना में अधिक संख्या में सैनिक सेवानिवृत्त हुए, इससे सेना की हर यूनिट में रिक्तियाँ अधिक हैं। आकलन के मुताबिक अकेले ग्वालियर सेना भर्ती कार्यालय को ही करीब दो हजार अग्निवीरों की रिक्तियों पर भर्ती करनी है। सेना के अधिकारियों के मुताबिक, जब अभ्यर्थी अधिक होंगे तो मैदान से लेकर लिखित परीक्षा तक में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इससे कट-ऑफ ऊपर जाएगा और कुशल व ऊर्जावान अग्निवीर सेना को मिलेंगे, जो तकनीकी रूप से भी मजबूत होंगे।

जिलावार आवेदनों का विवरण

जिला	आवेदन संख्या
मुरैना	8983
भिंड	5520
शिवपुरी	3303
ग्वालियर	2970
सागर	1826
टीकमगढ़	1612
दतिया	1052
छतरपुर	887
निवाड़ी	854
श्योपुर	349
कुल	27356

पुलिस आरक्षक भर्ती में भारी गड़बड़ी

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल की पुलिस परीक्षा भर्ती 2025 में संपन्न हुई थी। इस परीक्षा में संगठित रूप से नकल की संगठित साजिश का खुलासा हुआ है। 7500 पुलिस कर्मियों की भर्ती के लिए यह परीक्षा आयोजित की गई थी। यह परीक्षा ऑनलाइन संपन्न हुई थी।इस परीक्षा में 14 अभ्यर्थियों ने गणित और रिजनिंग के कठिन सवाल मात्र दो-तीन सेकंड में हल कर लिए थे। इसको लेकर परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप लगे थे। इस मामले की जांच के लिए सेवानिवृत आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की एक कमेटी बनाई गई थी. इस कमेटी ने एआई से मिले डाटा का विश्लेषण किया। इन सभी 14 अभ्यर्थियों का एक ही केंद्र था। इन परीक्षार्थियों ने कई शिफ्टों में परीक्षा देने का खुलासा हुआ है। इस गड़बड़ी की सीसीटीवी फुटेज से भी पुष्टि हुई है। स्टेट साइबर सेल ने अब इस मामले में कुछ और जानकारी मांगी है। इस जानकारी के बाद कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है,7500 पदों के लिए 30 अक्टूबर और 15 दिसंबर 2025 को परीक्षा आयोजित की गई थी। जनवरी 2026 में परिणाम घोषित कर दिए गए थे। इस परीक्षा में 9,79,357 परीक्षार्थी बैठे थे।

पुलिस सैलरी पैकेज बना सहारा!

- दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों को 1-1 करोड़ की सहायता

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाएं अब कठिन समय में उनके परिवारों के लिए मजबूत सहारा बन रही हैं। हाल ही में बड़वानी और मुरैना में दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों को भारतीय स्टेट बैंक की पुलिस सैलरी पैकेज योजना के तहत एक-एक करोड़ रुपए की बीमा सहायता राशि प्रदान की गई। बड़वानी जिले में पदस्थ आरक्षक स्वर्गीय जयेश वर्मा का एक दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया था। उनका वेतन खाता एसबीआई की अंजड़ शाखा में पुलिस सैलरी पैकेज से जुड़ा हुआ था। इसी के तहत उनके नामांकित उत्तराधिकारी को 1 करोड़ रुपये की दुर्घटना बीमा राशि दी गई। पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल ने परिजनों को चेक सौंपते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इसी तरह, सागर जिले में हुई एक सडक़ दुर्घटना में बीडीडीएस टीम के पुलिसकर्मियों के निधन के बाद मुरैना में आरक्षक स्वर्गीय प्रद्युम्न दीक्षित और आरक्षक स्वर्गीय अनिल कौरव के परिजनों को भी इस योजना के तहत एक-एक करोड़ रुपये की सहायता दी गई। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ ने परिजनों को चेक सौंपकर संवेदना व्यक्त की। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस सैलरी पैकेज के माध्यम से कर्मचारियों को कई वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसमें आकस्मिक मृत्यु पर 1 करोड़ रुपये तक का बीमा कवर, रियायती दरों पर होम लोन, मुफ्त डेबिट कार्ड और परिवार के लिए अतिरिक्त बीमा सुरक्षा शामिल है।

सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करने पर शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

भोपाल। सीबीएसई बोर्ड ने 10वीं और 12वीं की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के बीच सख्त चेतावनी जारी की है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि मूल्यांकन प्रक्रिया की गोपनीयता भंग करने या सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाने पर शिक्षकों और संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें एफआईआर तक दर्ज हो सकती है। बोर्ड के अनुसार कुछ शिक्षक और कर्मचारी व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर कॉपी जांच से जुड़े अनुभव, अंक या फोटो साझा कर रहे हैं। सीबीएसई ने इसे गंभीर उल्लंघन मानते हुए साफ किया है कि मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी तरह गोपनीय होती है और इसका सार्वजनिक प्रसार नियमों के खिलाफ है।

आईटी एक्ट के तहत हो सकती है कार्रवाई

सीबीएसई ने केंद्र समन्वयकों को निर्देश दिए हैं कि वे सभी मूल्यांकनकर्ताओं को इस संबंध में सतर्क करें। बोर्ड ने चेतावनी दी है कि तथ्यों को तोड़-मरोडक़र पेश करना या गलत जानकारी फैलाना आईटी एक्ट के तहत अपराध माना जाएगा और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फेक अपडेट पर भी सख्ती

बोर्ड ने यह भी कहा कि कुछ यूट्यूबर्स और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स फर्जी तरीके से सीबीएसई का नाम, लोगो और तस्वीरों का इस्तेमाल कर गलत जानकारी फैला रहे हैं। ऐसे मामलों पर साइबर सेल की नजर है और जरूरत पडऩे पर सीधे एफआईआर दर्ज की जाएगी।

शिक्षकों के करियर पर पड़ सकता है असर

सीबीएसई ने साफ किया है कि यदि कोई शिक्षक उत्तरपुस्तिका की फोटो शेयर करता है या अंकों पर सार्वजनिक चर्चा करता है, तो इसे प्रोफेशनल कंडक्ट का उल्लंघन माना जाएगा। इससे उनकी सेवा रिकॉर्ड पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है। बोर्ड ने छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि वे रिजल्ट या परीक्षा से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट पर ही भरोसा करें और सोशल मीडिया पर वायरल खबरों से बचें।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा...

मेरे अलावा कोई भी राज्यसभा जाएगा

भोपाल। भोपाल में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने खुद को राज्यसभा की रेस से अलग कर लिया है। जीतू पटवारी ने राज्यसभा उम्मीदवार को लेकर कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष का पद जिम्मेदारी का पद होता है। काम के लिए 24 घंटे भी कम पड़ते हैं। इस तरह की जिम्मेदारी का ये पद है। तो मेरे अलावा कोई भी साथी होगा वो सौ प्रतिशत राज्यसभा जाएगा। मीडिया और बीजेपी चिंतित होते हैं दोनों को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। जीतू पटवारी से पत्रकारों ने पूछा कि क्या दिग्विजय सिंह राज्यसभा के उम्मीदवार हो सकते हैं तो उन्होंने कहा-बिल्कुल हो सकते हैं ये पार्टी निर्णय करेगी।

बता दें कि एमपी में जून में खाली हो रही राज्यसभा की सीट को लेकर चिंतन और मंथन का दौर चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने विजयपुर विधायक मुकेश मल्होत्रा की विधानसभा सदस्यता बरकरार रखी लेकिन राज्यसभा चुनाव में मतदान का अधिकार नहीं दिया। ऐसे में राज्यसभा उम्मीदवारों को हरियाणा, ओडिशा, बिहार जैसे राज्यों में हुई क्रॉसवोटिंग के बाद एमपी में भी अंदरखाने टेंशन है।

बहनों के साथ लाड़ली बहना एक तरह का छल

पटवारी ने कहा कि पूरे मप्र और देश में भयावहता है। महंगाई हर घर के चूल्हे को ग्रसित कर रही है। बहनों के साथ लाड़ली बहना एक तरह से छल था। तीन हजार रुपए का वादा करके 1500 रुपए देना। एक करोड़ बहनों को देना और तीन करोड़ बहनों को छोड़ देना। मप्र में चार करोड़ बहनें हैं जिनसे 3 हजार रुपए महीना देने का वादा था। ये सरकार का छल है। मप्र में बेरोजगारी भयावह है। शिवराज और मोहन यादव की सरकार में रोजगार के सपने दिखाए गए। मप्र बेरोजगार युवाओं का गढ़ बन गया। बैकलॉग के पद हों या सामूहिक विवाह की योजना, विधवा पेंशन मात्र 600 रुपए मिल रहे हैं। मप्र कर्ज में डूबता प्रदेश बन गया है। आज फिर कर्ज लेने की तैयारी है। परसों कर्ज लिया था। कर्ज का बढ़ता बोझ मप्र के युवाओं के सपनों पर भारी पड़ रहा है।

शिक्षकों को परीक्षा के नाम से डराया जा रहा

जीतू पटवारी ने कहा कि स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था की क्वालिटी जीरो है। शिक्षकों की कमी हो रही है। अतिथि शिक्षकों, विद्धानों से रेगुलर करने का वादा अधूरा है। शिक्षकों के मन में फिर से एग्जाम देने का डर पैदा कर दिया। नए-नए नवाचार होते हैं तो शिक्षकों को भी शिक्षित करने की आवश्यकता है। मैं जब एजुकेशन मिनिस्टर था तब मैंने शिक्षकों के ट्रेनिंग की प्रोसेस चालू की थी। हमने प्रोफेसर्स को हर साल प्रशिक्षित करने का सिस्टम बनाया था वो अब बंद हो गया। फिर से शिक्षकों को एग्जाम देने की बात कहकर डराया जा रहा है।

1 अप्रैल से लागू होंगी सोलहवें वित्त आयोग की सिफारिशें

– स्थानीय निकायों को राशि आवंटन पर संशय

भोपाल। देशभर में पंचायती राज संस्थाओं और नगरीय निकायों के वित्तीय सशक्तिकरण के लिए सोलहवें वित्त आयोग की सिफारिशें 1 अप्रैल 2026 से लागू होने जा रही हैं। लेकिन मध्यप्रदेश में इन सिफारिशों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है, क्योंकि राज्य सरकार अब तक छठे राज्य वित्त आयोग का गठन नहीं कर पाई है।

सोलहवें वित्त आयोग ने 2026-31 की अवधि के लिए देशभर के ग्रामीण और शहरी निकायों को कुल 7.91 लाख करोड़ रुपए से अधिक देने की सिफारिश की है। इसमें से 4.35 लाख करोड़ ग्रामीण निकायों और करीब 3.56 लाख करोड़ नगरीय निकायों के लिए प्रस्तावित हैं। इन सिफारिशों का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति देना और बुनियादी सेवाओं को मजबूत करना है। मध्य प्रदेश में इन सिफारिशों के अनुरूप राशि वितरण के लिए राज्य वित्त आयोग की सिफारिशें जरूरी होती हैं। यही आयोग राज्य के विभाजनीय कोष से पंचायतों और नगर निकायों के बीच धन के बंटवारे का आधार तय करता है। लेकिन आयोग के गठन में हो रही देरी से स्थानीय निकायों को समय पर राशि आवंटन में दिक्कत आ सकती है।

राज्यपाल की स्वीकृति के बाद ही आयोग का गठन संभव होगा

जानकारी के अनुसार, राज्य के वित्त विभाग ने छठे राज्य वित्त आयोग के गठन का प्रस्ताव अगस्त 2025 में मुख्यमंत्री सचिवालय को भेजा था। वहां से यह प्रस्ताव राजभवन पहुंच चुका है, लेकिन आठ महीने बाद भी आयोग के गठन को मंजूरी नहीं मिल पाई है। अब राज्यपाल की स्वीकृति के बाद ही आयोग का गठन संभव होगा। वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यदि जल्द आयोग का गठन नहीं होता, तो वर्ष 2026-27 के लिए राशि का आवंटन पांचवें राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर किया जा सकता है। हालांकि यह केवल एक अस्थायी व्यवस्था होगी।

क्या है राज्य वित्त आयोग की भूमिका?

राज्य वित्त आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसका गठन संविधान के अनुच्छेद 243-आई के तहत हर पांच साल में किया जाता है। इसका मुख्य काम पंचायतों और नगर निकायों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करना और राज्य के कर राजस्व (विभाजनीय कोष) में से उनके हिस्से की सिफारिश करना होता है। आयोग स्थानीय निकायों को संसाधनों के बेहतर उपयोग, सेवाओं में सुधार और जवाबदेही बढ़ाने के लिए भी दिशा-निर्देश देता है। इसकी सिफारिशों के आधार पर स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी सेवाओं को मजबूत किया जाता है।

प्रक्रिया में छह महीने लग सकते हैं

विशेषज्ञों के मुताबिक, आयोग के गठन के बाद उसकी रिपोर्ट तैयार होने और उसे लागू करने में छह महीने से अधिक का समय लग सकता है। ऐसे में यदि जल्द निर्णय नहीं हुआ, तो नई वित्तीय व्यवस्था लागू होने में देरी तय मानी जा रही है। आयोग की संरचना राज्य वित्त आयोग में एक अध्यक्ष और अधिकतम चार सदस्य होते हैं, जिन्हें राज्यपाल की अनुशंसा पर सरकार नियुक्त करती है। आमतौर पर आयोग का अध्यक्ष अनुभवी प्रशासनिक अधिकारी या वित्त विशेषज्ञ होता है। आयोग अपनी रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपता है, जिसे बाद में विधानसभा में पेश कर लागू किया जाता है।

रोहित, धोनी सहित ये खिलाड़ी एक बार भी नहीं हासिल कर पाये ऑरेंज कैप

मुम्बई। आईपीएल का 19 वां सत्र इस माह के अंत में शुरु होने जा रहा है। जिसमें दस टीमों के बीच खिताब मुकाबला होगा। इस दौरान सबसे अधिक रनों के लिए बल्लेबाज को ऑरेंज कैप दी जाती है। रोहित शर्मा,महेन्द्र सिंह धोनी सहित कई बल्लेबाज ऐसे भी रहे हैं जो टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने के बाद भी कभी ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए। इसका कारण ये ही है कि ये बल्लेबाज एक सत्र में रनों के मामले में नंबर एक पर नहीं रहे।

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने पांच बार खिताब जीता है। वह आईपीएल इतिहास में विराट कोहली 8661 के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं इसके बाद भी उन्हें आज तक ऑरेंज कैप नहीं मिली है। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में 272 मैच खेलकर 7046 रन बनाए हैं, मगर फिर भी कभी ऑरेंज कैप नहीं जीती। रोहित का लक्ष्य इस बार अधिक से अधिक रन बनाकर ये खिताब जीतना रहेगा।

एबी डी विलियर्स

दिल्ली कैपिटल्स (दिल्ली डेयरडेविल्स पुराना नाम) से आईपीएल में डेब्यू करने वाले एबी डी विलियर्स डी विलियर्स पहले तीन साल दिल्ली के लिए खेलने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलने लगे। इस लीग में 14 सत्र खेलकर डी विलियर्स ने 5000 से अधिक रन बनाये पर कभी ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए। एबी डी विलियर्स ने अपने आईपीएल करियर में कुल 5162 रन बनाए थे।

महेन्द्र सिंह धोनी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच बार खिताब जिताने वाले पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने भी आईपीएल में 5439 रन बनाये हैं। उन्होंने कई मौकों पर सीएसके को हारी हुई बाजी जिताई है, मगर वह कभी भी ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए है।

शिखर धवन

शिखर धवन ने भी आईपीएल में काफी रन बनाये है मगर कभी वह ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए। शिखर धवन ने अपने आईपीएल करियर में मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद और पंजाब जैसी टीमों के लिए खेला। वह 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद में रहते हुए ट्रॉफी उठाने में भी सफल रहे। धवन ने 222 आईपीएल मैच खेलकर 6769 रन बनाए, मगर एक सत्र में नंबर एक न होने के काण ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए।

सुरेश रैना

चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज सुरेश रैना ने भी अपने आईपीएल करियर में 200 से अधिक मैच खेले, मगर कभी एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए। रैना ने 205 आईपीएल मैचों में 5528 रन बनाए मगर कभी ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए।

आरसीबी तीसरे नंबर पर पडिक्कल या वेंकटेश में से किसे उतारेगी - रैना

नई दिल्ली। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 के पहले मुकाबले में मौजूदा चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। इस मैच में आरसीबी जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। आरसीबी को लगातार दूसरी बार खिताबी जीत के लिए अपने बल्लेबाजी क्रम पर भी ध्यान देना होगा। पारी की शुरुआत पहले ही तरह ही है विराट कोहली और फिल साल्ट पिछले करेंगे पर नंबर तीन पर टीम किये उतारेगी ये अभी तय नहीं है। इस स्थान पर अभी तक देवदत्त पडिक्कल उतरते थे पर इस बार टीम ने वेंकटेश अय्यर को भी खरीदा है। ऐसे में वह भी इस स्थान पर उतरने के दावेदार हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के लिये ये आसान नहीं होगा कि किसे अवसर दे। दोनों ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। पडिक्कल ने पिछले बार इसी नंबर पर खेला था और अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उनकी संभावनाएं ज्यादा हैं। वहीं वेंकटेश अय्यर को इस बार टीम ने नीलामी में खरीदा था। वेंकटेश को पिछले सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण केकेआर ने रिलीज कर दिया था।

वहीं पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना का कहना है कि आरसीबी के पडिक्कल को तीसरे नंबर पर उतारने की संभावना अधिक है। रैना ने कहा, 'मुझे लगता है कि आरसीबी पडिक्कल को तीसरे नंबर पर खिलाएगी क्योंकि फिर चौथे नंबर पर जितेश शर्मा हैं। वहीं पांचवे नंबर पर कप्तान रजत पाटीदार उतरेंगे।'वहीं रैना का कहना है कि कि एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच वेंकटेश के लिए अनुकूल रहेगी ऐसे में उन्हें बैटिंग क्रम में ऊपर भेजा जा सकता है जिससे की दाएं-बाएं संयोजन भी बना रहे। वेंकटेश भी इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना चाहेंगे। पिछले सत्र में उन्हें 23.75 करोड़ रुपये देकर केकेआर ने खरीदा था पर वह असफल रहे थे। ऐसे में टीम ने उन्हें इस बार नहीं रखा था।

यूरोपा लीग के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे बेटिस, सेल्टा और पोर्टो

मैड्रिड । रियल बेटिस, सेल्टा विगो और पोर्टो ने यूरोपा लीग फुटबॉल के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। इन तीनों ही टीमों ने अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीतकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनायी। रियल बेटिस ने पैनाथिनाइकोस को 4-0 से हराया। उसकी ओर से कुचो हर्नांडेज ने दो जबकि सोफयान अमराबत और एंटनी ने एक-एक गोल किया।मैच की शुरुआत से ही बेटिस ने आक्रामक खेल दिखाया। कुचो हर्नांडेज के जोरदार शॉट के बाद एंटोर रइबल ने रिबाउंड पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद टीम ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और हाफटाइम से ठीक पहले सोफयान अमराबत के डिफ्लेक्टेड शॉट से बढ़त दोगुनी कर दी। दूसरे हाफ में बेटिस ने दबाव बनाए रखा, जहां 54वें मिनट में रइबल की मदद से हर्नांडेज ने तीसरा गोल किया। 66वें मिनट में एंटनी ने एजालजौली के शानदार रन के बाद चौथा गोल कर जीत पक्की कर दी।

सहवाग की तरह आक्रामकता को संतुलित करें अभिषेक - कुंबले

नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को सलाह दी है कि उन्हें लंबी पारी खेलने के लिए सही संतुलन बनाना होगा। कुंबले के अनुसार अभिषेक को बल्लेबाजी के दौरान अपनी आक्रामकता पर नियंत्रण करना होगा ताकि वह जिम्मेदारी से अपनी भूमिक निभा सकें। इसके लिए उन्हें पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की बल्लेबाजी देखनी चाहिये। जिस प्रकार सहवाग ने अपने करियर के दौरान आक्रामकता को संतुलित कर लंबी पारियां खेली हैं। वैसा ही अभिषेक को भी कर सकता है। अभी वह अधिकतर अधिक जोखिम उठाकर रन टीम को तेज शानदार शुरुआत दिलाते हैं पर बड़ी पारी नहीं खेल पाते।

कुंबले ने कहा, मैं उनकी तुलना सहवाग जैसे खिलाड़ी से करूंगा क्योंकि वह भी हर गेंद को स्मैश करने की कोशिश करते थे। जब वह टेस्ट क्रिकेट से एकदिवसीय क्रिकेट और फिर टी20 में आए तो उन्हें अहसास हुआ कि उन्हें अपनी पारी की गति थोड़ी अलग तरह से तय करनी होगी। हालांकि सहवाग तब भी 140-150 के स्ट्राइक रेट से खेलते थे। अभिषेक को भी इसी प्रकार की नीति अपनानी होगी। उन्हें अपने से पूछना चाहिए, मैं 200 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहा हूं, मुझसे उम्मीदें लगी हुई हैं, तो क्या अब मुझे 300 के स्ट्राइक रेट से खेलना चाहिए या नहीं? आपको बस सामान्य रहना है। आपको ज्यादा से ज्यादा गेंदें खेलनी हैं। उन्होंने कहा, अगर वह किसी पारी में 20 गेंदें खेलते हैं तो करीब 50 रन तक पहुंच जाएंगे। हमने संजू सैमसन के साथ भी ऐसा ही देखा है, वह 40 या 50 के स्कोर पर आउट नहीं होते बल्कि पारी को और आगे ले जाकर 85-90 के स्कोर तक पहुंचते हैं और अपनी पारी को यादगार बनाते हैं। कुंबले ने कहा, टी20 प्रारूप में आपको इसी तरह की ही बल्लेबाजी की जरूरत होती है। हो सकता है अभिषेक इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए बदलाव लाये।

गौरतलब है कि अभिषेक टी20 विश्व कप में अधिक सफल नहीं रहे और केवल दो बार ही 50 रनों से अधिक बना पाये। अब वह 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलते नजर आएंगे। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने भी कहा कि उन्हें अपनी निरंतरता पर काम करने की जरुरत है। इसका कारण है कि उनसे टीम को काफी उम्मीदें रहेंगी। उन्होंने कहा, वह अब 25 साल का है, 20 का नहीं। इसलिए यह निश्चित रूप से वह दौर है जब उसे ज्यादा जिम्मेदारी लेनी शुरू कर देनी चाहिए। मीडिया का दबाव होगा और लोग उससे और अधिक अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगे। डिविलियर्स ने कहा, हम जानते हैं कि टी20 विश्व कप के दौरान उसका प्रदर्शन थोड़ा ऊपर-नीचे रहा था, जो निराशाजनक था। फाइनल में उसने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन इसके अलावा उसके लिए यह टूर्नामेंट इतना अच्छा नहीं रहा।

एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप के लिए बैंकाक पहुंची भारतीय फुटबॉल टीम

मुम्बई। भारतीय अंडर 20 महिला फुटबॉल टीम थाईलैंड में अगले महीने होने वाले एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप के लिए बैंकाक पहुंच गयी है। भारतीय टीम समय से पहले इसलिए गयी है ताकि उसे अभ्यास और हालात के अनुरुप ढलने का पर्याप्त समय मिल सके। भारतीय टीम ने करीब 20 साल बाद इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट में ग्रुप सी में रखा गया है। उसे दो अप्रैल को जापान के खिलाफ मुकाबले में उतरना है। इसके बाद भारतीय टीम पांच अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया जबकि आठ अप्रैल को चीनी ताइपे से मुकाबला करेगी। इस टूर्नामेंट में समूह की शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान की दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फाइनल मुकाबला करेंगी। क्वार्टर फाइनल में विजेता टीम को पोलैंड में इस साल होने वाले फीफा अंडर 20 विश्व कप में प्रवेश मिलेगा। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट से पहले स्वीडिन के कोच जोकिम अलेक्जेंडरसन के मार्गदर्शन में अभ्यास किया था। इसके अलावा स्वीडन में वह एक महीने के अभ्यास शिविर में भी शामिल हुई थी।

भारतीय टीम-

गोलकीपर - मोनालिसा देवी एम, नंदिनी, रिबांसी जामू
डिफेंडर - अलका इंदवार, सिंडी आर कोलनी, निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, रूचि यादव, सहीना टीएच, शुभांगी सिंह, टी चानू तोइजाम
मिडफील्डर - अंजू चानू कायेनपेइबाम, अरिना देवी एन, भूमिका देवी, मोनिशा सिंघा, नेहा, पूजा, स्रुति कुमारी
फॉरवर्ड - बबीता कुमारी, दीपिका पाल, लिंगदेइकिम, शिलजी शाजी, सिबानी देवी एन, सुलांजना राउल ।

युशस्वी सहित इन तीन क्रिकेटरों पर रहेगी रॉयल्स की जिम्मेदारी

मुम्बई । आईपीएल में इस बार नये कप्तान रियान पराग के साथ उतर रही। राजस्थान रॉयल्स का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। रॉयल्स के पास उभरते क्रिकेटर युशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी और शिमोन हैटमायर हैं हालांकि उसे इस सत्र में अनुभवी बल्लेबाज संजू सैमसन की कमी खेलेगी। टीम का उम्मीद रहेगी की उसके युवा खिलाड़ जबरदस्त प्रदर्शन कर उसे जीत दिलाएं। पिछले कुछ सत्र में टीम ने युवाओं को अधिक से अधिक अवसर दिये हैं। जिस प्रकार से वैभव, यशस्वी और पराग सहित युवा खेल रहे हैं उससे रॉयल्स का सामना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। ये खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और टीम की सफलता काफी हद तक इनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी ताकत उनकी संतुलित बल्लेबाज़ी है। टीम में शीर्ष क्रम से लेकर मध्य क्रम तक ऐसे खिलाड़ी हैं जो बड़े शॉट्स खेलने के साथ-साथ पारी को संभालने में कुशल हैं। टीम में देशी और विदेशी खिलाड़ियों का मिश्रण इसे और भी अधिक घातक बनाता है। टीम किसी भी प्रकार के हालातों में निडर होकर खेलने तैयार है। इसके बाद भी इन तीन खिलाड़ियों को निभानी होगी अहम भूमिका।

यशस्वी जायसवाल = यशस्वी जायसवाल इस सीज़न में टीम के सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ साबित हो सकते हैं। बाएं हाथ के इस युवा ओपनर ने पिछले सीज़न में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 पारियों में 559 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 159.71 रहा, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाज़ी को दिखाता है। वह बड़ी पारी खेलने में माहिर होने के साथ ही एंकर की भूमिका भी निभाते हैं। सैमसन के टीम से जाने के बाद अब बल्लेबाज़ी की ज़िम्मेदारी काफी हद तक उनके पास रहेगी। ऐसे में टीम को अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदार उनपर रहेगी।

वैभव सूर्यवंशी= 14 साल के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी रॉयल्स के लिए सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं। पिछले सत्र में उन्होंने 206.56 के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाकर सबको प्रभावित किया था।उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाकर इतिहास रच दिया था और टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक बनाने वाले खिलाड़ी बने। इस दूसरे सत्र में भी उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। वैभव का कहना है कि उनकी नजरे क्रिस गेल के 175 रनों का रिकार्ड तोड़ना है। शिमरॉन हेटमायर= वेस्टइंडीज़ के आक्रामक बल्लेबाज़ शिमरॉन हेटमायर रॉयल्स मध्यक्रम के आधार हैं। वह लंबे समय से टीम का हिस्सा हैं और कई मौकों पर मैच विजेता पारियां खेल चुके हैं हाल ही में ज़20 वर्ल्ड कप 2026 में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा, जहां उन्होंने तेज़ स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उनकी सबसे बड़ी ताकत दबाव में भी बड़े शॉट्स खेलने की क्षमता है। इस सत्र में टीम उनसे फिनिशर की भूमिका निभाने की उम्मीद करेगी।

विश्वकप के लिए अभी से तैयारियों में लगी है भारतीय हॉकी टीम - कोच फुल्टन

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि इस साल अगस्त में होने वाले विश्व कप को देखते हुए टीम अभी से तैयारियों में लगी हुई है। साथ ही कहा कि टीम ने इस बड़े मुकाबल के लिए रणनीति भी बना ली है जिसके अनुसार ही टीम आगे बढ़ रही है। उन्होंने साथ ही कहा कि टीम ने पिछले काफी समय से लगातार सुधार किया है और वह समय आने पर बेहतरीन फॉर्म में दिखेगी। भारत ने हालांकि इस सत्र में अब केवल होबार्ट में खेला गया एक मैच जीता है जो एफआईएच प्रो लीग मैच था। इसमें उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की थी।

नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू होने वाले विश्व कप के पूल डी में भारतीय टीम का मुकाबला शीर्ष वरीय इंग्लैंड के अलावा पाकिस्तान और वेल्स से होगा। ग्रुप चरण के सभी मुकाबले नीदरलैंड में खेले जाएंगे। कोच ने गया, हम अपनी रणनीति के साथ ही गोल दागने की क्षमता भी बेहतर बना रहे हैं। हम आगे भी प्रयास करते रहेंगे। ये बातें ही हर मैचों का परिणाम तय करती हैं। इस पूल में शामिल हर विरोधी टीम की अपनी अलग-अलग ताकत हैं इसलिए हमारी तैयारी भी हर टीम के हिसाब से अलग रहेगी। इसलिए अगले कुछ महीने हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। हमें सही समय पर फॉर्म हासिल करना होगा।फुल्टन ने कहा, हम बहुत उत्साहित हैं। यह ग्रुप बहुत मजबूत ग्रुप है विश्व कप में आप यही तो चाहते हैं कि आपका मुकाबला विश्व की सबसे बेहतरीन टीमों से हो जिससे आपकी असली परीक्षा हो सके। टीम के शिविर में इस समय माहौल बहुत ही सकारात्मक है। फुल्टन ने इस बात पर जोर दिया कि हर टीम की खेलने की अनोखी शैली के हिसाब से अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत है।

पूर्व क्रिकेटर बोला, पीसीबी के कमजोर रवैये से बदहाल हुई पाक टीम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अहमद शहजाद ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और उसके प्रमुख मोहसिन नकवी पर निशाना साधा है। शाहजाद के अनुसार पाक क्रिकेट की बदहाली के लिए नकवी जिम्मेदार हैं क्योंकि वह टीम के ही कुछ खिलाड़ियों और उनके एजेंट्स के इशारे पर काम कर रहे हैं। बोर्ड की कमजोरी का लाभ उठाकर ऐसे लोग टीम में आ रहे हैं जो नहीं होने चाहिये थे। गौरतलब है कि पाक क्रिकेट टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में अच्छा नहीं रहा है। टी20 विश्व कप के सुपर-8 दौर से आगे नहीं बढ़ पायी। टीम लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचने में विफल रही। इसके तुरंत बाद उसके बांग्लादेश दौरे पर भी एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इस सीरीज में पाक की बल्लेबाज बेहद लचर रही। टीम पहले मैच में केवल 114 रन पर ही बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

शहजाद ने टीम के अनुभवी खिलाड़ियों शाहीन शाह आफरीदी और मोहम्मद रिजवान के खराब प्रदर्शन पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि पिछले कुछ समय से ये दोनो ही विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, आपने 5 से 7 साल पहले पीएसएल के लिए जिन खिलाड़ियों को ब्रांड बनाया, वही आज टीम में भी खेल रहे है। इस प्रकार देखा जाये तो कुछ ही खिलाड़ी सभी जगह पर नजर आते हैं। ये लोग की पाक टीम और लीग दोनों में शामिल हैं। ऐसे लोग किसी प्रकार टीम को बेहतर बनायेंगे समझ नहीं आता।

शहजाद के अनुसार पीसीबी ने इन खिलाड़ियों को ज्यादा अधिकार दे दिये हैं। इससे कराए के साथ ही कप्तानी भी दी गयी। इससे इन लोगों ने काफी पैसे बना लिए और मजे से रहने लगे पर टीम को जीत दिलाने में इनकी रुचि नहीं दिखी। ये लोग हार की जिम्मेदारी लेने की जगह पर एक दूसरे पर हार का ठीकरा फोड़ रहे हैं। कोई भी अपनी गलती नहीं मान रहा। ये खिलाड़ी बेहद घमंडी हो गये हैं। शहजाद के अनुसार उन्होंने पीसीबी को अभी इतना बेबस नहीं देखा। इसी कारण पीसीबी नये खिलाड़ियों को अवसर नहीं दे पाता।

चहल बोले, मैंने शराब छोड़ दी पर खेल पर लगाऊंगा पूरा ध्यान

नई दिल्ली । पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे स्पिनर यजुवेन्द्र चहल ने कहा है कि उन्होंने अपनी जीवन शैली को ठीक करते हुए शराब की लत छोड़ दी है। चहल आईपीएल इतिहास की बात करें तो सबसे अधिक 200 विकेट लेने वाले एकमात्र क्रिकेटर हैं। चहल के अनुसार वह इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। साथ ही कहा कि पिछले पिछले छह महीने से शराब की लत को पूरी तरह छोड़ दिया है, जिससे वह बेहतर प्रदर्शन कर सकें। चहल आईपीएल में पंजाब किंग्स से खेलते हैं। चहल के अनुसार पिछले सीजन में उन्हें कई गंभीर चोटों से उनका करियर प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछली बार कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मैच में उनकी हिप में फ्रैक्चर हो गया था और टूर्नामेंट के दौरान उंगली में भी फ्रैक्चर हुआ। इसी कारण वह क्वालिफायर और फाइनल में अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पाए। चहल ने कहा कि इस साल मैंने तय किया कि सबसे पहले अपने शरीर का ध्यान रखूंगा। इसी लिए मैंने शराब छोड़ दी है। मैं अपने को पहले से ज्यादा फिट और सक्रिय बनाना चाहता हूं। चहल के अनुसार सीनियर खिलाड़ी होने के कारण युवाओं की उनपर नजर रहती है। ऐसे में वह अपने प्रदर्शन से एक उदाहरण बनना चाहते हैं। साथ ही चाहते हैं कि लोग उन्हें देखकर कुछ सीखें। आईपीएल के पिछले सत्र में चहल ने 17 में से 14 मैच खेले और 16 विकेट लिए। इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 9.56 रहा था। आईपीएल के पिछले सत्र में पंजाब किंग्स ने उन्हें 18 करोड़ रुपये में खरीदा था।

भारतीय टीम के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी आयरलैंड-ग्रीम वेस्ट

नई दिल्ली । क्रिकेट आयरलैंड के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर ग्रीम वेस्ट ने कहा है कि जून में उनकी टीम को भारतीय टीम के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने का अवसर मिलेगा। वेस्ट के अनुसार ये सीरीज भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से पहले होगी। यह सीरीज हालांकि आईसीसी फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) का हिस्सा नहीं है पर इससे भारतीय टीम को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। वेस्ट ने यह भी घोषणा की है कि अनुभवी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग ने टी20 विश्वकप में टीम के कमजोर प्रदर्शन के कारा कप्तानी छोड़ दी है। टीम

विश्वकप में ग्रुप स्तर से ही बाहर हो गयी थी। वेस्ट ने स्टर्लिंग की प्रशंसा करते हुए कहा, वह एक अच्छे कप्तान रहे हैं, जिन्होंने अपने खेलने के अनुभव को खिलाड़ियों को मैनेज करने की अपनी जबरदस्त क्षमता के साथ जोड़ा है। वह एकदिवसीय टीम की कप्तानी करते रहेंगे, जिसका लक्ष्य क्वालिफिकेशन राउंड में सफल रहना है। वह अगले साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में टीम की कप्तानी करते रहेंगे। साथ ही कहा कि टी20 कप्तान के तौर पर उनके कप्तानी छोड़ने से नए कप्तान को अपनी रणनीति बनाने का अवसर मिलेगा।अब आयरलैंड पुरुष टीम के पास तीनों प्रारूप के लिए अलग-अलग कप्तान होंगे। टेस्ट की कमान एंड्रयू बालबर्नी करेंगे जबकि एकदिवसीय में स्टर्लिंग टीम संभालेंगे। टी20 के लिए कप्तान की घोषणा अभी होनी है।

केकेआर का कोच अभिषेक ने हौंसला बढ़ाया, चौथी बार खिताब जीतने उतरे टीम

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने यहां अभ्यास सत्र में टीम का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि उसे इस बार खिताब जीतने के इरादे से उतरना चाहिये। नायर ने कहा कि टीम के पास चौथी बार इस खिताब को जीतने के लिए सभी जरुरी कौशल हैं। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है केवल उसे एकजुट होकर खेलना है। तीन बार की आईपीएल विजेता केकेआर अपने अभियान की शुरुआत 29 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

केकेआर के एक वीडियो में नायर ने कहा, 'हमने काफी तैयारी की है जिसे अब अमल में लाने का समय आ गया है पिछले कुछ महीनों में हमने अपने कौशल को निखारा है। हमने पर पक्ष को लेकर बात की है। अब हमें केवल इस बात का ध्यान रखना है कि हम किस प्रकार से मानसिक रुप से तैयार होते हैं। हमें मैदान पर बिताया हर पल, का लाभ उठाना होगा।' उन्होंने कहा, 'हमें बस एक काम करना है कि जीत का लक्ष्य लेकर उतरना है। हमें वह चौथा खिताब हासिल करना है जिसके लिए हमें तैयार रहना होगा। हम हर चीज के लिए तैयार।' नायर ने इस अवसर पर सहायक कोच शेन वॉटसन और फील्डिंग कोच दिशांत याग्निक का भी टीम में स्वागत किया।

थरूर को याद आई गंभीर की बात, सैमसन को अगला धोनी बनने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही बल्लेबाज संजू सैमसन छाये हुए हैं। संजू की प्रशंसा करते हुए केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा है कि एक बार उनसे टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि उसे दूसरा महेंद्र सिंह धोनी बनने की जरुरत नहीं है क्योंकि वह अपने में ही खास है और उसे संजू सैमसन ही बने रहना चाहिये। थरूर ने कहा कि तब उन्होंने बातचीत के दौरान गंभीर से कहा था कि वह अगला धोनी बनेगा। वहीं अब थरूर ने गंभीर की इस बात को याद करते हुए विश्वकप में संजू की बल्लेबाजी के अंदाज को सराहा है। थरूर का कहना है कि वह क्लब क्रिकेटर के तौर पर करियर की शुरुआत से ही सैमसन को पसंद करते हैं। अब जबकि उसने इतनी उपलब्धियों को हासिल कर लिया है कि उन्हें उसपर गर्व होता है। उन्होंने कहा, मैं उससे तब मिला था जब वह 14 साल का था, वह एक युवा क्लब क्रिकेटर था। वह देखने में भले ही कमजोर लगता था पर मन से काफी मजबूत था। उसमें जबरदस्त प्रतिभा थी। वह उस समय से ही विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों कर रहा था। थरूर ने कहा, मैंने तब सैमसन से कहा था कि वह अगला धोनी बनेगा। इस बात को जब मैंने गंभीर से कहा, तो उन्होंने कहा कि नहीं, नहीं, उसे अगला धोनी बनने की जरूरत नहीं है, वह अपने में ही विशेष है, उसे सैमसन ही बने रहना होगा। और ये बात सही साबित हुई है। थरूर ने कहा, जब मैं उसके बारे दुख-सुख में, कठिन समय में था तो मुझे ऐसा महसूस हुआ कि अगर वह अपने को संभाल ले तो सब कुछ वापस आ जाएगा। उसके अंदर प्रतिभा शुरु से थी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में जब उसने खेलना शुरू किया तो मैंने उसकी आंखों में गजब का आत्मविश्वास देखा था।

बंगाल चुनाव से पहले अफसरों के तबादले पर बवाल

चुनाव आयोग के खिलाफ हाईकोर्ट में केस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा टॉप अफसरों के तबादले पर बवाल मच गया है। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर आपत्ति जताई है और सार्वजनिक रूप से भी चुनाव आयोग की कड़ी आलोचना की है। ममता बनर्जी ने कहा कि यदि राज्य में कोई घटना घटती है, तो इसके लिए पूरी तरह से चुनाव आयोग जिम्मेदार होगा। वहीं, चुनाव आयोग द्वारा अधिकारियों के तबादले के खिलाफ हाईकोर्ट में केस दर्ज किया गया है। शुक्रवार को कलकत्ता हाई कोर्ट का ध्यान उस मुद्दे की ओर खींचा गया है। पिटीशनर की तरफ से वकील कल्याण बनर्जी ने हाई कोर्ट का ध्यान इस मुद्दे की ओर खींचा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को राज्य के पुलिस और एडमिनिस्ट्रेशन के बड़े अधिकारियों को इस तरह दूसरे राज्यों में भेजने का अधिकार नहीं है।

तृणमूल के वकील अर्क नाग पश्चिम बंगाल से कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को हटाने और उन्हें दूसरे राज्यों में चुनाव ऑब्जर्वर के तौर पर भेजने के संबंध में कलकत्ता हाई कोर्ट में एक पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन फाइल करना चाहते हैं।

केस पर अगले हफ्ते होगी सुनवाई

कल्याण बनर्जी ने इस मुद्दे की ओर हाई कोर्ट का ध्यान खींचा है और दावा किया है कि पश्चिम बंगाल से आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को दूसरे राज्यों में भेजने से एडमिनिस्ट्रेटिव काम में रुकावट आ रही है। कल्याण बनर्जी ने उन्हें हटाने के कमीशन के फैसले पर रोक लगाने के लिए केस फाइल करने की इजाजत मांगी है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सुजॉय पाल और जस्टिस पार्थसारथी सेन की डिवीजन बेंच ने उनकी अर्जी के आधार पर केस फाइल करने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि केस की सुनवाई अगले हफ्ते होगी। रविवार आधी रात से इसकी शुरुआत हुई। चुनाव आयोग ने कई ब्यूरोक्रेट्स और पुलिस अधिकारियों को उनके पदों से हटा दिया। यह गुरुवार रात तक जारी रहा। चीफ सेक्रेटरी, होम सेक्रेटरी, राज्य पुलिस के डीजी, कोलकाता पुलिस कमिश्नर समेत कई अधिकारियों को उनके पदों से हटा दिया गया है। कई जिलों के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट भी बदले गए हैं।

50 से अधिक टॉप अधिकारियों को तबादला

उन सभी पदों पर नए अधिकारियों की नियुक्ति भी कर दी गई है। इतना ही नहीं, आयोग ने साफ कर दिया है कि जिन्हें हटाया जा रहा है, उन्हें फिलहाल इस राज्य में चुनाव से जुड़े किसी भी काम के लिए नियुक्त नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, आयोग हटाए गए कई ब्यूरोक्रेट्स और पुलिस अधिकारियों को पहले ही दूसरे राज्यों में भेजा गया है। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पहले ही पश्चिम बंगाल चुनाव में आयोग की 'एक्टिविटी' पर सवाल उठा चुकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी देश के चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार को चिट्ठी लिखकर हटाने के कदम पर नाराजगी जताई थी।

26-27 मार्च की रात पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम रहेगा ठप

पांच घंटे नहीं होगी टिकट बुकिंग, न होंगे कैंसिल

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र में पीआरएस (पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम) सेवाओं को बंद करने का निर्णय लिया है। यह सेवाएं 26 और 27 मार्च की रात को लगभग पांच घंटे के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी। इस दौरान यात्रियों को टिकट बुकिंग और संबंधित कार्यों में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

उत्तर रेलवे ने यह कदम प्रणाली में फाइलों के संपीडन कार्य को ध्यान में रखते हुए उठाया है। 26 मार्च की रात 11ः45 बजे से यह बंदी शुरू होगी। यह 27 मार्च की सुबह 04ः45 बजे तक जारी रहेगी। इस अवधि में पीआरएस पोर्टल पूरी तरह से बंद रहेगा। दिल्ली पोर्टल पर पीआरएस आवेदन की कई महत्वपूर्ण सेवाएं प्रभावित होंगी। इनमें पीएनआर पूछताछ की सुविधा शामिल नहीं होगी। यात्री वर्तमान आरक्षण भी नहीं कर पाएंगे। टिकट निरस्तीकरण की सेवा भी उपलब्ध नहीं होगी। चार्टिंग और ईडीआर जैसी सुविधाएं भी बंद रहेंगी। काउंटरों पर पीआरएस रिपोर्ट प्राप्त करना भी संभव नहीं होगा।

सेवाओं पर प्रभाव

पीआरएस सेवाओं के बंद होने से यात्रियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वे इस अवधि में ऑनलाइन या काउंटर से टिकट बुक नहीं कर पाएंगे। पहले से बुक किए गए टिकटों को रद्द करना भी संभव नहीं होगा। पीएनआर की स्थिति जानने के लिए भी यात्री पूछताछ नहीं कर पाएंगे। यह बंदी यात्रियों की यात्रा योजनाओं को प्रभावित कर सकती है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा योजना पहले से बना लें। टिकट बुकिंग और निरस्तीकरण जैसे कार्य निर्धारित समय से पहले ही निपटा लें।

भारत सरकार का सख्त कदम, अब गैस कंपनियों को रियल-टाइम डेटा करना होगा साझा

यह कदम आपातकालीन स्थिति से निपटने और आपूर्ति श्रृंखला को टूटने से है बचाना

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में मची उथल-पुथल को देखते हुए भारत सरकार ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी है। सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम को लागू करते हुए तेल और गैस क्षेत्र की सभी कंपनियों के लिए अपना रियल-टाइम डेटा साझा करना अनिवार्य कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सटीक योजना बनाना और आपूर्ति श्रृंखला को टूटने से बचाना है।

एक अधिकारी ने बताया कि इस अधिनियम के तहत पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस के उत्पादन, प्रोसेसिंग, रिफाइनिंग, भंडारण, परिवहन, आयात, निर्यात, मार्केटिंग, वितरण और उपभोग में लगी सभी संस्थाओं के लिए यह अनिवार्य कर दिया कि वे अपना नवीनतम डेटा पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ को उपलब्ध कराएं। पेट्रोलियम मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि सरकार ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी की है, जिसके द्वारा पीपीएसी को जानकारी के संग्रह, संकलन, रखरखाव और विश्लेषण के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। पीपीएसी तेल मंत्रालय के डेटा-रखवाले के तौर पर काम करता है।

हालिया अधिसूचना इसे और भी विस्तृत डेटा मांगने का अधिकार देती है और यह भी करीब वास्तविक समय में। इससे मंत्रालय को आपात स्थितियों के लिए योजना बनाने में मदद मिलेगी। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जारी किसी भी आदेश का उल्लंघन एक आपराधिक अपराध माना जाता है, और इसके लिए कारावास भी हो सकता है। भारत की ऊर्जा स्थिति पर अपने दैनिक अपडेट में, संयुक्त सचिव ने कहा था कि देश में कच्चे तेल की आपूर्ति पर्याप्त है और रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंप सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और कहीं से भी पेट्रोल खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्राकृतिक गैस की उपलब्धता का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम प्राकृतिक गैस (पीएनजी) और संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की आपूर्ति 100फीसदी जारी है। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक एलपीजी उपयोगकर्ताओं को सीजीडी कंपनियों के जरिए से पीएनजी पर स्विच करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है; जहां नेटवर्क मौजूद है, वहां उन्हें प्रोत्साहन और त्वरित कनेक्शन दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप, पिछले दो हफ्तों में करीब 125,000 नए घरेलू और व्यावसायिक पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) कनेक्शन दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में, 5,600 से अधिक एलपीजी उपभोक्ता पीएनजी पर स्विच कर चुके हैं।

ईरान की दक्षिण पार्स गैस सुविधा पर इजराइली हमले के जवाबी कार्रवाई में, ईरान द्वारा कतर के ऊर्जा बुनियादी ढांचे (रास लफान औद्योगिक शहर में) पर किया गया हमला भारत के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि भारत के कतर के साथ एलएनजी और एलपीजी आपूर्ति के बड़े और दीर्घकालिक अनुबंध हैं। भारत अपनी ऊर्जा आपूर्ति की कमी को काफी हद तक पश्चिम एशिया से अपनी विविध सोर्सिंग के जरिए पूरा कर रहा है। यह करीब 40 देशों से कच्चा तेल आयात करता है, जिनमें वेनेजुएला, रूस और अमेरिका शामिल हैं। यह अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे और रूस से प्राकृतिक गैस भी आयात करता है।

भारत की म्यांमार सीमा पर ये कैसी साजिश? अब अचानक मौत देने वाली साइको ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़ी

नई दिल्ली। भारत-म्यांमार सीमा पर एंटी नॉरकोटिक्स डिपार्टमेंट ने बड़े ऑपरेशन में 23.72 करोड़ रुपये की 7.907 किलो की मेथाएंफेटामाइन टैबलेट जब्त की हैं। यह ऑपरेशन सीमा के पास मिजोरम के चंफाई जिले में हुआ है। ऑपरेशन में असम रायफल्स और चंफाई पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की। यह ड्रग्स भारत में पूरी तरह से बैन है। यह साइको ड्रग्स है, जो सीधे दिमाग के सेंट्रल नर्वस सिस्टम को कमजोर कर देती है। रिपोर्ट के अनुसार, मेथाएंफेटामाइन टैबलेट की ये खेप एक लावारिस वाहन में मिली, जो हमुनहमेल्था रोड पर पार्क थी। वाहन को भी जब्त किया गया है। वाहन और ड्रग्स दोनों को ही एक्साइज और नॉर्कोटिक्स डिपार्टमेंट को आगे की जांच के लिए सौंप दी गई है। हाल ही में मिजोरम के रास्ते म्यांमार में घुसे वहां के आतंकियों को ड्रोन की ट्रेनिंग देने आए 6 यूक्रेनी नागरिकों और 1 अमेरिकी को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पकड़ा था, इन लोगों से पूछताछ में देश के खिलाफ साजिश रचने का खुलासा हुआ था।

रिपोर्ट के अनुसार, मेथाएंफेटामाइन को शॉर्ट फॉर्म में मेथ भी कहते हैं। इसका इस्तेमाल अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर में होता है। दवा के रूप में इसका इस्तेमाल फोकस बनाए, रखने और इंपल्सिव बर्ताव को कमतर करने में किया जाता है। यह एक तरह का स्टीमुलेंट है, जो शरीर के सेंट्रल नर्वस सिस्टम की स्पीड बढ़ा देती है। यह डोपामाइन लेवल को भी बढ़ा देती है, जो एक ब्रेन केमिकल होता है और चलने-फिरने में अहम भूमिका निभाता है। डोपामाइन दिमाग को इसतरह के सिग्नल भेजता है, जो आपको खुश महसूस कराने वाले बर्ताव को आपसे बार-बार कराता है।

रिपोर्ट के अनुसार, गैरकानूनी दुनिया में मेथाएंफेटामाइन को आम बोलचाल में स्पीड, क्रिस्टल, क्रैंक, टीना, ग्लास, चाक, गोफास्ट या आइस भी कहा जाता है। क्रिस्टल रूप में यह ड्रग्स ग्लास के टुकड़े जैसी दिखती है, इसीलिए इसका एक नाम ग्लास भी है। गैरकानूनी रूप से बेची जाने वाली यह टैबलेट याबा या शाबू नाम से भी जानी जाती है। भारत में इस आमतौर पर आइस या मेथ कहा जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, मेथाएंफेटामाइन मानव निर्मित उत्प्रेरक दवा है। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान मोर्चे पर मुस्तैद रहने और जागने के लिए सैनिक ड्रग्स को लिया करते थे। इसका इस्तेमाल वजन घटाने, डिप्रेशन कम करने और एडीएचडी को मैनेज करने के लिए भी लेते थे। अमेरिका-भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में इस ड्रग्स की खरीद-बिक्री गैरकानूनी है।

राष्ट्रपति संत प्रेमानंद महाराज से मिलीं

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मथुरा में संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। उन्होंने 25 मिनट तक आध्यात्मिक चर्चा की। राष्ट्रपति शुक्रवार सुबह 7 बजे बारिश के बीच परिवार के साथ प्रेमानंदजी के वृंदावन आश्रम पहुंचीं। उन्होंने हाथ जोड़कर संत को प्रणाम किया। संत प्रेमानंद ने राधे-राधे कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। आश्रम में राष्ट्रपति का संतों ने माला-चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया। राष्ट्रपति ने प्रेमानंदजी को जन्मदिन की भी बधाई दी। गुरुवार यानी 19 मार्च को उनका 56वां जन्मदिन था। दरअसल, राष्ट्रपति मुर्मू, यूपी के 3 दिन के दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए थे। फिर शाम को मथुरा पहुंचीं। प्रेमानंदजी से मुलाकात के बाद बाबा नीम करौरी महाराज के आश्रम पहुंचेंगी।

ओवैसी ने कहा - इजरायल का छोटा भाई है पाकिस्तान

हैदराबाद। हैदराबाद के चारमीनार इलाके में स्थित मक्का मस्जिद में आयोजित जलसा-यौम-उल-कुरान में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला। इस कार्यक्रम में ओवैसी ने ईरान, इजरायल-अमेरिका जंग के साथ-साथ भारत में मुस्लिमों के साथ बीते कुछ दिनों में हुई चर्चित घटनाओं पर भी खुलकर बयानबाजी की। मालूम हो कि जलसा-यौम-उल-कुरान कुरान की शिक्षाओं का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया जाता है। इसमें प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी कुरान के संदेश के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक राजनीतिक विषयों पर चर्चा करते हैं। इसी कार्यक्रम में शुक्रवार को पाकिस्तान का जिक्र करते हुए एआईएमआईएमचीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि ये हमारा पड़ोसी पाकिस्तान भी इजरायल का छोटा भाई है।

एयर इंडिया ने गलत विमान भेजा कनाडा, आधे रास्ते से वापस लौटा

नई दिल्ली। एयर इंडिया की वैंकूवर जाने वाली एक फ्लाइट गुरुवार को लगभग आठ घंटे की उड़ान के बाद वापस दिल्ली लौट आई। बताया जाता है कि एयरलाइन ने गलती से एक ऐसे विमान का इस्तेमाल किया था जिसे कनाडा में प्रवेश करने की नियामक मंजूरी नहीं थी। चार घंटे से अधिक की यात्रा के बाद, जब विमान ने कुनमिंग के पास चीनी हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया, तो एयरलाइन को पता चला कि विमान को कनाडा में उड़ान भरने की अनुमति नहीं है।

वापसी में भी इतना ही समय लगने के कारण, विमान को उड़ान भरने की जगह पर वापस उतरने में कुल 7 घंटे 54 मिनट लगे। विमान एक बोइंग 777-200एक्र था, जबकि एयर इंडिया को वर्तमान में कनाडा के लिए केवल अपने बोइंग 777-300श्क्रबेड़े के संचालन की अनुमति है। दरअसल विभिन्न देशों द्वारा दी जाने वाली विमानन स्वीकृतियां काफी अलग हो सकती हैं। कुछ एयरलाइन के आधार पर जारी की जाती हैं, जबकि कुछ विमान के प्रकार या यहां तक ?कि व्यक्तिगत विमान के टेल नंबर के लिए विशिष्ट होती हैं।

इस बात का पता चलने पर एयर इंडिया के विमान को बीच रास्ते से ही दिल्ली वापस बुला लिया गया। यह लगभग नौ घंटे के प्रस्थान समय के बाद शाम 7ः19 बजे सुरक्षित रूप से उतर गया। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य बिना किसी घटना के विमान से बाहर निकल आए। एयर इंडिया ने एक बयान में वापसी का कारण परिचालन संबंधी समस्या बताया और कहा कि यह निर्णय मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुरूप लिया गया था। एयरलाइन ने कहा, विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्री और चालक दल के सदस्य उतर गए। हमें अपने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद है। एयरलाइन ने आगे कहा कि दिल्ली में ग्राउंड टीमों ने यात्रियों के लिए होटल में ठहरने सहित सहायता की व्यवस्था की और यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए कि वे जल्द से जल्द अपने गंतव्य तक पहुंचें। विमान आज सुबह फिर सभी यात्रियों के साथ रवाना हुआ।

भूखे मर रहे, गैस नहीं मिल रही, फैक्ट्रियां भी बंद

एलपीजी की किल्लत से घर लौटने को मजबूर हजारों मजदूर

सूरत। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब भारत के औद्योगिक शहरों तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। गुजरात के सूरत में गैस आपूर्ति प्रभावित होने के कारण बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर अपने-अपने गांवों की ओर लौटने को मजबूर हो गए हैं। स्थानीय स्तर पर एलपीजी गैस की कमी ने छोटे उद्योगों और फैक्ट्रियों पर भी असर डाला है। एलपीजी गैस की कमी के चलते कई फैक्ट्रियां अस्थायी रूप से बंद हो रही हैं। मजदूरों के सामने रोजगार और रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

प्रवासी मजदूर सचिन ने बताया कि हम गांव जा रहे हैं क्योंकि पिछले कुछ दिनों से गैस नहीं मिल रही है। हमारी कंपनियां भी बंद हो रही हैं। इसलिए क्या करें, भूखे मर रहे तो वापस गांव जा रहे हैं। हमारे पास पैसे नहीं हैं इसलिए वापस लौट रहे हैं। कोशिश की गैस पाने की, लेकिन सब अपना-अपना देखते हैं। यहां कोई मदद नहीं कर रहा। गैस सप्लाई शुरू होने पर ही लौटेंगे। बहुत लोग वापस जा रहे हैं। सचिन ने आगे बताया कि 4-5 दिनों से ज्यादा परेशानी हो रही है। 500 रुपये लीटर गैस मिल रही है और पैसे भी नहीं हैं। इसलिए गांव जा रहे हैं। वहीं प्रवासी मजदूर सीमा देवी ने कहा कि गैस की समस्या के कारण वे अपने गांव लौट रही हूं। हमारे खाते बंद हो रहे हैं और पैसे भी नहीं हैं। जो भी मजदूरी करते हैं और 500-1000 रुपये उसमें डालते हैं, वो भी नहीं मिल रहे और गैस भी नहीं मिल रही। यह पूछने पर कि गैस कब से नहीं मिल रही, सीमा देवी ने कहा कि पिछले 15 दिनों से गैस नहीं मिल रही। एक हफ्ते पहले गैस खत्म हो गई थी फिर गैस की कमी हो गई।

एलपीजी की किल्लत से परेशान प्रवासी मजदूर

सीमा देवी ने बताया कि हम उपले लाकर खाना बना रहे हैं। अभी हमारे पास फोन आया कि जो छोटा सिलेंडर चला रहे थे, वो भी खत्म हो गया। गली-गली खोज रहे हैं लेकिन छोटा सिलेंडर भी नहीं मिल रहा। गैस संकट के चलते सूरत में श्रमिकों के पलायन की स्थिति बन गई है जो न केवल स्थानीय उद्योगों के लिए चिंता का विषय है। बल्कि यह दिखाता है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव का असर अब आम लोगों की जिंदगी पर भी गहराई से पड़ रहा है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण लिक्फिफाइड पेट्रोलियम गैस की कमी की खबरें आई। इस बीच केंद्र सरकार ने राज्यों को एक खास प्रस्ताव दिया है। केंद्र ने राज्यों से पाइप वाली नेचुरल गैस की पहुंच और कवरेज के विस्तार में तेजी लाने में मदद करने की अपील की है। सीमा देवी का कहना है कि एजेंसी गई थी पर वहां लेकिन अभी तक गैस नहीं मिली। मैं और मेरी बेटी जा रहे हैं जबकि पति और दो बच्चे यहीं रहेंगे। छोटे सिलेंडर तक नहीं मिल रहे हैं।

स्थायी शांति एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही हासिल की जा सकती है- भागवत

नागपुर, । आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि स्वार्थ और वर्चस्व की लालसा विश्व में संघर्षों का मूल कारण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही प्राप्त की जा सकती है। नागपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि पिछले 2000 सालों से दुनिया ने संघर्षों को सुलझाने के लिए विभिन्न विचारों पर प्रयोग किए हैं, लेकिन सफलता नगण्य रही है। उन्होंने बताया कि धार्मिक असहिष्णुता, जबरन धर्मांतरण और श्रेष्ठता-हीनता की धारणाएं आज भी मौजूद हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा यह सिखाती है कि सभी आपस में जुड़े हुए और एक हैं और उन्होंने संघर्ष से सद्भाव और सहयोग की ओर बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान भी धीरे-धीरे इसी समझ की ओर बढ़ रहा है। भागवत ने कहा कि दुनिया में संघर्षों की जड़ स्वार्थ एवं वर्चस्व की चाह है और स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही हासिल की जा सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने आचरण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि धर्म केवल शास्त्रों तक सीमित नहीं रह सकता बल्कि यह लोगों के व्यवहार में भी दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुशासन और नैतिक मूल्यों के पालन के लिए निरंतर अभ्यास की जरूरत होती है और इसमें अक्सर व्यक्तिगत कठिनाई भी झेलनी पड़ती है। भागवत ने कहा कि भारत मानवता में विश्वास करता है जबकि अन्य देश अस्तित्व के लिए संघर्ष और ताकतवर के टिके रहने के सिद्धांत को मानते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया को संघर्ष नहीं, बल्कि सौहार्द की जरूरत है।

नए स्मार्टफोन में आधार ऐप पहले से इंस्टॉल करने की तैयारी में सरकार!

-टेक कंपनियों ने सुरक्षा और निजता का हवाला देकर प्रस्ताव का किया कड़ा विरोध

नई दिल्ली। भारत सरकार और दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों के बीच एक नया विवाद खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार चाहती है कि देश में बिकने वाले हर नए स्मार्टफोन में आधार ऐप पहले से इंस्टॉल हो। हालांकि, एप्पल, सैमसंग और गूगल जैसी बड़ी कंपनियों ने सुरक्षा और निजता का हवाला देते हुए इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ ही हफ्तों पहले संचार साथी ऐप को अनिवार्य बनाने के सरकार के फैसले पर भी कंपनियों ने आपत्ति जताई थी। आधार सरकार का बायोमेट्रिक पहचान प्रोग्राम है, जिसमें 1.34 अरब नागरिक रजिस्टर्ड हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने आईटी मंत्रालय के जरिए स्मार्टफोन निर्माताओं के सामने यह प्रस्ताव रखा है। सरकार का तर्क है कि आधार 1.34 अरब नागरिकों की पहचान का मुख्य आधार है, इसलिए ऐप पहले से मौजूद होने पर लोगों को बैंकिंग, टेलीकॉम और एयरपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए इसे अलग से डाउनलोड नहीं करना पड़ेगा। अगर यह प्रस्ताव लागू होता है, तो आधार ऐप फोन में उसी तरह मौजूद होगा जैसे कैलकुलेटर या घड़ी जैसे डिफॉल्ट ऐप होते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक एमएआईटी जो कंपनियों का प्रतिनिधित्व करती है उसने इस प्रस्ताव का विरोध किया। खास तौर पर एप्पल और सैमसंग ने सुरक्षा और निजता से जुड़ी चिंताएं जताई हैं, ये वही मुद्दे हैं जो पिछले साल संचार साथी ऐप के प्रस्ताव के दौरान भी उठाए गए थे। इसके अलावा, एमएआईटी ने कहा कि आधार ऐप को पहले से इंस्टॉल करने के लिए भारत और निर्यात बाजारों के लिए अलग-अलग प्रोडक्शन लाइनें बनानी पड़ेंगी, जिससे लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं। 13 जनवरी को भेजे गए एक अंदरूनी ईमेल में, एमएआईटी ने कहा कि यह प्रस्ताव जनहित में नहीं होगा।

यूआईडीएआई ने इस साल जनवरी में नया आधार ऐप लॉन्च किया था, जिससे यूजर अपनी निजी जानकारी अपडेट कर सकते हैं, परिवार की प्रोफाइल मैनेज कर सकते हैं और गलत इस्तेमाल से बचने के लिए बायोमेट्रिक डेटा को लॉक कर सकते हैं। सरकार का तर्क है कि ऐप को पहले से इंस्टॉल करने से लोगों के लिए इसे इस्तेमाल करना आसान हो जाएगा, क्योंकि उन्हें ऐप को अलग से डाउनलोड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आधार एक 12 अंकों का खास पहचान नंबर है, जो 1.34 अरब से ज्यादा भारतीय नागरिकों के बायोमेट्रिक डेटा से जुड़ा हुआ है। इसका इस्तेमाल बैंकिंग, टेलीकॉम और हवाई अड्डों पर पहचान की पुष्टि के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है। बता दें संचार साथी के मामले में सरकार ने फोन बनाने वाली कंपनियों पर इस ऐप को पहले से इंस्टॉल करने का दबाव बनाने की कोशिश की थी। जबकि, आधार ऐप को पहले से इंस्टॉल करने का प्रस्ताव किसी आदेश के बजाय एक अनुरोध के तौर पर पेश किया गया था। यह भी कहा गया था कि संचार साथी ऐप को सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए पुराने फोन में भी अपने आप इंस्टॉल हो जाएगा, और यूजर्स के पास इसे डिसेबल करने का कोई विकल्प नहीं होगा। दूसरी ओर ऐसा लगता है कि सरकार ने आधार ऐप के लिए इसे तरह के किसी भी उपाय पर चर्चा नहीं की है। संचार साथी ऐप का मुख्य उद्देश्य टेलीकॉम धोखाधड़ी को रोकना और चोरी हुए डिवाइस को ब्लॉक करना था।

ट्रांस समुदाय ने ट्रांसजेंडर संशोधित बिल 2026 को बताया पहचान पर खतरा, विरोध जारी

नई दिल्ली। भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन बिल, 2026 का विरोध शुरू किया है। यह बिल 2019 के ट्रांसजेंडर अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव है और इसमें 'ट्रांसजेंडर' की नई परिभाषा तय की गई है। केंद्र सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मिलने वाले लाभों का गलत इस्तेमाल रोकना और उनकी पहचान को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना है। हालांकि, ट्रांस अधिकार कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता इसे समुदाय के अधिकारों पर गंभीर खतरे के रूप में देख रहे हैं। राघवी शुक्ला, ट्रांस महिला और वकील, बताती हैं कि बिल में केवल किन्नर, हिजड़ा, अरावानी, जोगता और इंटरसेक्स पहचान को शामिल किया गया है, जबकि मंगलमुखी, नुपी मानबी, थिरुनंबई, ख्वाजा सिरा, कोठी जैसी अन्य पहचानें पूरी तरह अनदेखी हैं। इसके अलावा ट्रांस पुरुष और जेंडरक्वियर व्यक्तियों को भी इस परिभाषा में शामिल नहीं किया गया है। बिल का सबसे विवादास्पद पहलू यह है कि अब किसी व्यक्ति को अपनी जेंडर पहचान तय करने के लिए सरकारी मेडिकल बोर्ड से गुजरना होगा। पहले, ट्रांस व्यक्ति केवल सेल्फ-एफिडेविट और आधार कार्ड के आधार पर पहचान प्रमाण पत्र बनवा सकते थे। नए प्रावधान में मेडिकल प्रक्रिया, सरकारी बोर्ड की सिफारिश और जिला मजिस्ट्रेट की मंजूरी जैसी कई परतें जोड़ दी गई हैं। अगर डीएम संतुष्ट नहीं होता, तब मामला अन्य विशेषज्ञों के पास भेजा जा सकता है। इससे समुदाय की स्व-निर्धारित पहचान का अधिकार कमजोर हो जाएगा। कार्यकर्ता ने इस 'पहचान तय करने के अधिकार को खत्म करने की कोशिश' बताया। उनका कहना है कि सरकार के अनुसार, यदि कोई ट्रांस व्यक्ति तय पहचान के मानदंडों में फिट नहीं बैठता, तो उसे कानूनी मान्यता नहीं मिलेगी। यह 2014 के सुप्रीम कोर्ट के नालसा बनाम भारत संघ फैसले के खिलाफ जाता है, जिसमें कहा गया था कि जेंडर पहचान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 के तहत सुरक्षित है और किसी को भी मेडिकल जांच या सरकारी मंजूरी के बिना अपनी पहचान तय करने की आज़ादी है।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

ससुर और बहू के बीच तकरार

दोनों ने एक दूसरे पर मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने का लगाया आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पल्हेरा में ससुर बहू के बीच तकरार हो गई और दोनों ने एक दूसरे पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाए। 19 मार्च को 4:30 बजे करीब यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते हुई। किरनापुर पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर देवलाल पिता गेंदलाल राहंगडाले 66 वर्ष और उनकी बहू नेहा पति मनीष राहंगडाले 28 वर्ष के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है।

मिली जानकारी के अनुसार देवलाल राहंगडाले ग्राम पंचायत पल्हेरा भूतपूर्व सरपंच है और उनकी बहू नेहा राहंगडाले इसी ग्राम पंचायत की वर्तमान पंच है। जिनके दो बच्चे हैं।जिनमे बड़े बेटे की उम्र 8 साल की है और एक लड़की तीन वर्ष की है। 2 वर्ष पूर्व नेहा राहंगडाले पति से विवाद होने पर वह अपने 3 वर्ष की बेटी के साथ अपने पति और ससुराल से अलग ग्राम कनेरी में किराए में रहती है। जिनका बेटा पति सास ससुर के साथ में ग्राम पल्हेरा में ही रहता है। नेहा राहंगडाले पंच होने के कारण वह समय समय पर पंचायत की मीटिंग में आते रहती है। 19 मार्च को ग्राम पंचायत पल्हेरा में जल संवर्धन योजना की मीटिंग रखी गई थी। इस मीटिंग में नेहा राहंगडाले आई हुई थी मीटिंग खत्म होने के बाद 4:30 बजे करीब नेहा राहंगडाले अपने बेटे से मिलने के लिए अपने ससुराल गई और अपने बेटे को आवाज देकर अपनी तरफ बुलाई किंतु ससुर ने उसे आंगन में ही रोक लिया और नेहा को बोला कि यहां क्यों आई है कहकर गालिया देने लगा। नेहा ने आरोप लगाई है कि गाली देने मना करने पर ससुर ने हाथ झापड़ से मारपीट किया और और दोबारा घर आने पर उसे जान से मार डालने की धमकी दी वहीं देवलाल राहंगडाले ने अपनी बहू नेहा राहंगडाले पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए और बेटे को मेरे खिलाफ सीखा पड़ा करने पर जान से मार डालने की धमकी दी। मौके पर उपस्थित लोगों के द्वारा बीच बचाव करने के बाद दोनों ससुर और बहू एक दूसरे के विरुद्ध रिपोर्ट करने किरनापुर पुलिस थाना पहुंचे। किरनापुर पुलिस ने दोनों के द्वारा की गई रिपोर्ट पर नेहा राहंगडाले और उसके ससुर देवलाल राहंगडाले के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधी धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

गर्रा में दूसरे दिन भी चला प्रशासन का बुलडोजर

अतिक्रमण कर बनाए जा रहे मंदिर को किया ध्वस्त, शासकीय भूमि कराई मुक्त

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

ग्राम पंचायत गर्रा चौक में शासकीय भूमि पर किए जा रहे अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। शनिवार को भी बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात रहा और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई को आगे बढ़ाया गया। जहाँ एक दिन पहले ही प्रशासन द्वारा निर्माणाधीन मंदिर से दुर्गा जी सहित अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों को विधि-विधान के साथ हटाकर अन्य स्थान पर स्थापित कर दिया गया था। इसके बाद दूसरे दिन मंदिर की बन रही इमारत पर कार्रवाई करते हुए जेसीबी और पोकलेन मशीन की मदद से उसे पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन द्वारा शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई लगातार जारी रही। इस दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रखा गया था।कार्रवाई के चलते क्षेत्र में दिनभर हलचल बनी रही, वहीं प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।

ग्राम पंचायत गर्रा चौक में दुर्गा प्रतिमा स्थापना को लेकर उपजे विवाद के बाद दूसरे दिन 20 मार्च को भी प्रशासन ने सख्त कार्रवाई जारी रखी। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए जा रहे मंदिर को पूरी तरह ध्वस्त कर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। ज्ञात हो कि 19 मार्च को कुछ ग्रामीणों द्वारा शासकीय भूमि पर मंदिर निर्माण कर मां दुर्गा सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित कर दी गई थीं। शिकायत के बाद जिला प्रशासन और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इसे अतिक्रमण मानते हुए कार्रवाई की थी। उसी दिन देर रात तक प्रतिमाओं को हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार हटाकर अन्य मंदिर में स्थापित कर दिया गया था। इसके बाद 20 मार्च को प्रशासन ने दोबारा कार्रवाई करते हुए निर्माणाधीन मंदिर को हटाने की प्रक्रिया शुरू की। पहले जेसीबी मशीन से भवन को तोड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन जब उससे सफलता नहीं मिली तो पोकलेन मशीन की मदद से दोपहर तक पूरे निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान गर्रा चौक पूरी तरह पुलिस छावनी में तब्दील रहा। सुबह से ही बड़ी संख्या में पुलिस बल एवं वरिष्ठ अधिकारी मौके पर तैनात रहे। वहीं राजस्व विभाग की टीम, तहसीलदार सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे और पूरी कार्रवाई की निगरानी करते रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद शासकीय भूमि को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कर लिया गया है। पूरे घटनाक्रम के दौरान स्थिति को नियंत्रित बनाए रखने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। गर्रा चौक स्थित निर्माणाधीन मंदिर में स्थापित की गई मां दुर्गा सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को जिला प्रशासन ने नियमानुसार हटाने के बाद 19 मार्च की देर रात प्रशासनिक टीम द्वारा इन प्रतिमाओं को रामपायली स्थित मंदिर में ले जाया गया, जहां हिंदू रीति-रिवाज और विधि-विधान के साथ विधिवत पुनः प्राण प्रतिष्ठा कराई गई। बताया गया कि पूरी प्रक्रिया धार्मिक मान्यताओं का पालन करते हुए संपन्न कराई गई, ताकि किसी की आस्था को ठेस न पहुंचे। प्रशासन की मौजूदगी में पंडितों द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रतिमाओं को नए स्थल पर विराजित किया गया।

मोहगांव बाजार से दिनदहाड़े बाइक चोरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र अंतर्गत नगरपालिका मोहगांव बाजार में एक बार फिर चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। 19 मार्च की शाम ग्राम देवरी निवासी विनोद मालाधारी सब्जी खरीदने मोहगांव बाजार पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक बाजार में खड़ी कर दी और सब्जी लेने लगे।कुछ देर बाद जब वह वापस लौटे तो उनकी बाइक मौके से गायब थी। बाइक नहीं मिलने पर उन्हें चोरी का अंदेशा हुआ।जिसके बाद उन्होंने तुरंत डायल 112 पर कॉल कर मलाजखंड पुलिस को पूरी जानकारी दी। बताया जा रहा है कि यह मलाजखंड थाना क्षेत्र में पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बड़ी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। लेकिन अब तक चोर पुलिस की पकड़ से दूर हैं। विनोद मालाधारी ने बताया कि वह एक गरीब परिवार से हैं और अतिथि शिक्षक के रूप में कार्य करते हैं। उनकी बाइक चोरी हो जाने से उनके दैनिक जीवन पर गहरा असर पड़ा है। मोहगांव बाजार से चोरी हुई बाइक का नंबर ष्त्र 09 छ्व 9683। बताया गया है।

विद्युत करंट से दो युवक की मौत के मामले में कृषक टेकचंद बिठोले गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाने के रजेगांव पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले बोडुंदा कला में दो युवक की विद्युत करेंट से मौत होने के मामले में इसी ग्राम के कृषक टेकचंद पिता कारू बिठोले 51 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया। इस आरोपी के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का अपराध दर्ज किया गया है। ज्ञात हो कि ग्राम बोडुंदा कला में 19 मार्च की सुबह करीब 10 बजे चार युवक तोते की तलाश में घर से निकले थे। इसी दौरान प्यास लगने पर वे पानी पीने के लिए टेकचंद बिठोले के खेत के कुएं तरफ जा रहे थे। जैसे ही वे खेत के झा? के पास गये । करेंटयुक्त तार की चपेट में आ गए।जिससे दोनों युवक स्नेहल और उज्जवल की मौके पर ही मौत हो गई थी।इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही किरनापुर थाने की रजेगांव पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवक के शव को अपने कब्जे में लेकर किरनापुर अस्पताल ले गयेऔर और दोनों युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया था। मर्ग जांच के दौरान यह सामने आया कि ट`कच ंद बिठोले ने अपने खेत में जंगली जानवरों से फसल बचाने के लिए खुले जीआई तार लगाए थे। उसने इन तारों को अपने खेत के विद्युत कनेक्शन के मेन स्विच से जोड़कर उनमें करंट प्रवाहित कर रखा था। टेकचंद बिठोले को यह जानकारी थी कि ऐसे करंटयुक्त तार किसी भी व्यक्ति के लिए जानलेवा हो सकते हैं। इसके बावजूद उसने लापरवाही बरती।मर्ग जांच उपरांत टेकचंद बिठोले के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

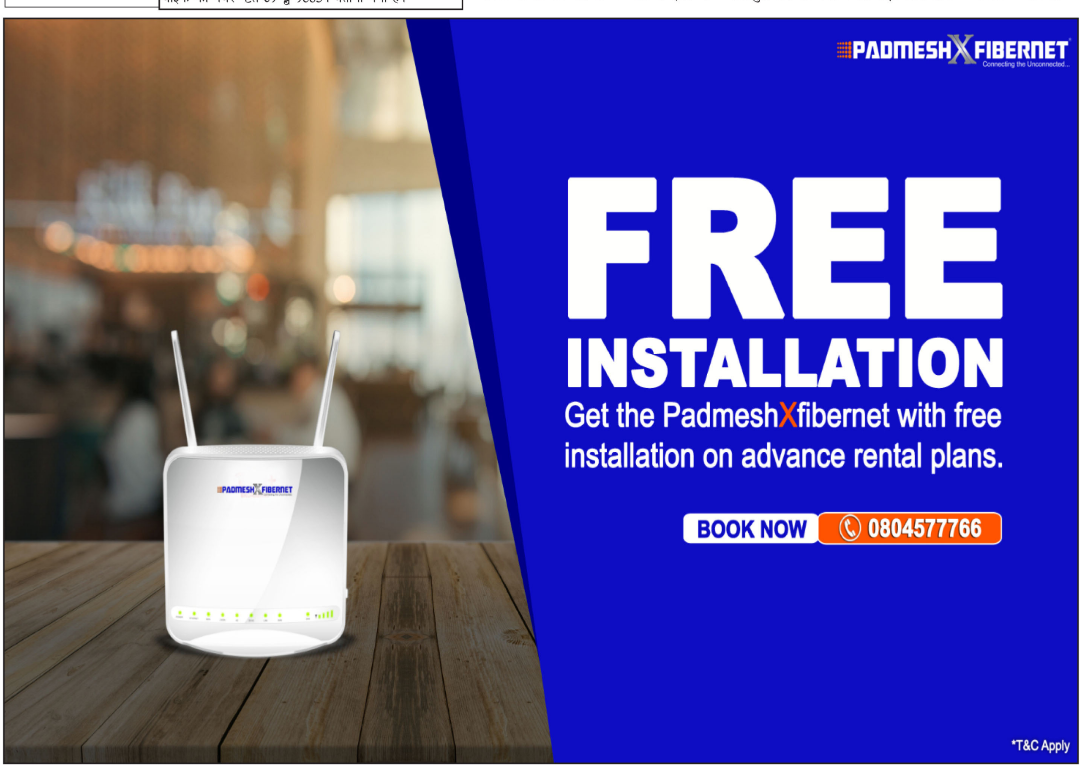

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट